E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in हिंदी दैनिक गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 132 | गुवाहाटी | बुधवार, 11 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम : हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ बांग्लादेश सहायक उच्चायोग कार्यालय के सामने किया प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर मंगलवार को गुवाहाटी में लोगों ने बांग्लादेश में हिंदुओं एवं अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग कार्यालय के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। असम के लोक जागरण मंच के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सहायक उच्चायोग को एक ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। ज्ञापन में हिंदू अल्पसंख्यकों पर किए गए हमलों, अत्याचार और महिलाओं के प्रति अमानवीय घटनाओं पर गंभीर असंतोष प्रकट किया गया। ज्ञापन में मांग की गई कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की गरिमा और शांति के साथ जीवन जीने के अधिकार को सुनिश्चित करे। ज्ञापन में इस्कॉन सदस्य चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को अन्यायपूर्ण और अलोकतांत्रिक करार दिया। इसके अलावा, ज्ञापन में बांग्लादेश में हिंदू कर्मचारियों को जबरन उनके पदों से हटाने पर भी आपत्ति

जताई गई और इसे शर्मनाक व अमानवीय करार दिया गया। ज्ञापन में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार से तत्काल कार्रवाई करने, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर अत्याचारों को समाप्त करने, चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई सुनिश्चित करने और सभी अल्पसंख्यकों के जीवन, सम्मान और अधिकारों की रक्षा करने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने से पहले, सिलपुखुरी स्थित नवग्रह काली मंदिर परिसर में एक विरोध सभा भी आयोजित की गई, जिसमें बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के सामने आने वाली कठिन परिस्थितियों पर चर्चा की गई। विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख वक्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। अधिवक्ता बिजोन महाजन ने अपने संबोधन में बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की रक्षा के उपाय करने की अपील की। सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश शर्मा ने मोहम्मद यूनुस को प्रदान किए गए शांति के नोबेल पुरस्कार को वापस लेने की मांग की। सामाजिक कार्यकर्ता परमेश दत्ता और सीमांतिनी बरुवा ने बांग्लादेश सरकार की कड़ी निंदा की। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने सिलपुखुरी की सड़कों पर मार्च किया और बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। फिर लोक जागरण मंच असम के प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश सरकार को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, दो घायल

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के कृष्णाई के सालपाड़ा इलाके में हुई सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को जिले के सालपाड़ा इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 17 पर कोयला से लदा ट्रक (एएस-01ईसी-2239) के पीछे ऑल्टो कार (एएस-01बीए-8766) द्वारा जोरदार ठोकर मारे जाने की वजह से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां सिराजुल हक (34) की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक सकूबाही गांव का रहने वाला था। घायल दो लोगों की हालत काफी गंभीर बताई गई है। घटना के समय ऑल्टो कर में पांच लोग सवार थे। पुलिस मृत व्यक्ति का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सांसद रकीबुल हुसैन के विरुद्ध एफआईआर

गुवाहाटी (हिंस)। ऑल गरिया मरिया युवा छात्र परिषद के पूर्व महासचिव मोइनुल हक ने धुबड़ी से सांसद रकीबुल हुसैन के खिलाफ हाजो थाने में एफआईआर दर्ज कराया है। उल्लेखनीय है कि गरिया मरिया युवा छात्र परिषद के पूर्व सचिव ने सांसद हुसैन पर मीडिया के सामने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ एक अज्ञात आपराधिक फाइल दिखाकर असम के लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। मोइनुल हक ने मांग की है कि रकीबुल हुसैन मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अपराध संबंधी जानकारी, जो उनके पास है, जल्द से जल्द संबंधित एजेंसी को सौंप दें। गरिया मरिया युवा छात्र परिषद के पूर्व महासचिव ने यह भी आरोप लगाया कि रकीबुल हुसैन मीडिया के सामने यह कहकर ओछी राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं।

सड़क हादसे में पांच छात्राएं घायल

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के मोइराबारी इलाके में हुए एक सड़क हादसे में पांच छात्राएं घायल हो गईं। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को तेज रफ्तार से चल रही ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी। इसके वजह से ई-रिक्शा में सवार पांचों छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को चिकित्सा के लिए नगांव अस्पताल भेज दिया। घायलों की पहचान मुस्कान खातून, नीलोफा खातून, हेना बेगम, अकतारा तबस्सुम और हसबिना तबस्सुम के रूप में की गई है। घायल छात्राओं में से तीन की हालत काफी गंभीर बताई गई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

असम पुलिस के अधिकारी की नागपुर के प्रशिक्षण केंद्र में मौत

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के जुरिया के दगांव निवासी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वेदांत कुमार बोरा का महाराष्ट्र के नागपुर में निधन हो गया। पार्थिव शरीर गांव में लाने के बाद श्रद्धांजलि दी गई और विभागीय नियमानुसार अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि वह जोरहाट जिले में होमगार्ड के कमांडेंट के रूप में सेवारत थे। वह पुलिस विभाग के आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षण के लिए दो दिसंबर को महाराष्ट्र के नागपुर गए थे। उन्हें प्रशिक्षण के बीच में दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चार दिनों के उपचार के बाद रविवार तड़के नागपुर के एक अस्पताल में उनका निधन हो गया था। वह अपनी मृत्यु के समय 55 वर्ष के थे। वह अपने पीछे पत्नी और एक बेटे को छोड़ गए।

जामुगुरीहाट में भाजपा युवा मोर्चा ने मनाया शहीद दिवस

शोणितपुर (हिंस)। भारतीय जनता युवा मोर्चा, असम प्रदेश ने आज शोणितपुर जिले के ऐतिहासिक जामुगुरीहाट के पाकमुरा पथार में केंद्रीय रूप से शहीद दिवस मनाया। 1979 से 1985 तक असम आंदोलन अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को बाहर निकालने और असमिया लोगों के अस्तित्व के लिए एक आंदोलन किया गया। अस्तित्व के इस संघर्ष के दौरान, केंद्र और राज्यों में कांग्रेस सरकार ने असमिया लोगों का क्रूरतापूर्वक दमन किया, 855 असमिया युवाओं को मार डाला और हजारों असमिया लोगों को हमेशा के लिए अपंग बना दिया। असमिया बहू-बेटियों और निर्दोष लोगों को प्रताड़ित किया गया। आंदोलन की शुरुआत में 10 दिसंबर, 1979 को खड़गेश्वर तालुकदार शहीद हो गए थे। खड़गेश्वर तालुकदार की पवित्र पुण्यतिथि पर शहीद दिवस मनाया जाता है। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने बुधवार को जामुगुरीहाट के ऐतिहासिक पकामुरा मैदान में शहीद दिवस मनाया। समारोह में शोणितपुर और बिश्वनाथ

जिले के हजारों लोगों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता ने अविभाजित शोणितपुर जिले में असम आंदोलन में असम और असमियों की खातिर अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों के परिवारों और पुलिस यातना के शिकार लोगों को औपचारिक रूप से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने शहीद वेदी पर पुष्प अर्पित किए और वीर शहीदों को याद किया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि खड़गेश्वर तालुकदार ने आज के दिन मां असम के चरणों में अपना बलिदान दिया था। असम आंदोलन के वीर शहीद देश को अपने खून से सींचना चाहते थे और इसे गौरवान्वित करना चाहते थे। असम समझौते के जरिए शहीदों के बलिदान के साथ आंदोलन समाप्त हो गया। कांग्रेस पार्टी लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै द्वारा बनाए गए आधार को नष्ट करके आजादी के बाद से ही असमिया जाति को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। अगर कोई उस कांग्रेस पार्टी को मजबूत करना चाहता है, तो असमिया जाति कमजोर हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने स्वदेशी लोगों की सुरक्षा के लिए अथक प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने गरुखुटी परियोजना शुरू करके संदिग्ध नागरिकों को हटाकर स्वदेशी लोगों के स्वरोजगार के लिए माहौल बनाया है। मैं कचुतली आदिवासी बेल्ट और ब्लॉक की जमीन को संदिग्ध नागरिकों से बचाकर आदिवासी लोगों के भूमि अधिकारों की रक्षा करने की कोशिश कर रहा हूं। पिछले तीन वर्षों में, असम सरकार अतिक्रमित सत्र, नामघर और वन भूमि से 10,000 हेक्टेयर भूमि को खाली कराने में सक्षम रही है। मुख्यमंत्री ने शहीद दिवस के अवसर पर असम के स्वदेशी लोगों से संदिग्ध लोगों को अपनी जमीन नहीं बेचने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ विधायक मानव डेका, दिगंत घटवार, उत्पल बोरा, प्रमोद बरठाकुर, कृष्ण कमल तांती, गणेश लिंबू, दिप्लू रंजन शर्मा और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नगांव में पांच मवेशी चोर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले की सतिया पुलिस ने मवेशी चोरी मामले में शामिल पांच चोरों को एक मवेशी समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान सतिया के समारदलनी विलेज डिफेंस पार्टी की टीम की मदद से पांचों मवेशी चोर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार मवेशी चोरों की पहचान सफिकूल इस्लाम, ईदिल हुसैन, आशिकूर रहमान, सद्दाम हुसैन और बसीर अली के रूप में की गई है। गिरफ्तार तीन चोर नगांव और तीन बिश्वनाथ चारिआली के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस गिरफ्तार चोरों के पास से पशु चोरी के लिए व्यवहार की जा रही स्विफ्ट डिजायर कार (एएस-31ए-4373) जब्त की है। कार से पुलिस ने एक पशु को भी बरामद किया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है

रिश्वत लेते रंग हाथों लोक सेवक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। दलगांव में एक लोक सेवक को रिश्वत लेते हुए रंग हाथों मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम में एक शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसमें आरोप लगाया गया था कि दलगांव थाना के ग्राम रक्षा संगठन (सीओ वीडीओ) के सर्किल आयोजक कुशल मेधी ने ग्राम रक्षा दल (वीडीपी) के पंजीकरण के संबंध में शिकायतकर्ता से सात हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत देने के लिए तैयार न होने पर, शिकायतकर्ता ने उपर्युक्त लोक सेवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए इस निदेशालय से संपर्क किया। तदनुसार, आज सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम की एक टीम द्वारा दलगांव थाना अंतर्गत चक्रगांव में एक जाल बिछाया गया। कुशल मेधी, सीओ वीडीओ को शिकायतकर्ता से मांगी गई रिश्वत के हिस्से के रूप में चार हजार रुपए स्वीकार करते ही गिरफ्तार कर लिया गया। दागी रिश्वत राशि बरामद कर ली गई और स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में तदनुसार जब्त कर ली गई। आरोपी लोक सेवक के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने पर उसे सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में एसीबी पुलिस थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 7(ए) के तहत एसीबी थाना में प्राथमिकी संख्या 102/2024 दर्ज किया गया है। आवश्यक कानूनी अनुवर्ती कार्रवाई चल रही है।

गुवाहाटी पुलिस ने किया अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। विश्वसनीय स्रोत से प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर तीन पुराने बाइक चोर समेत छह लोग गिरफ्तार किए गए हैं। गिरफ्तार तीन चोरों की पहचान मोहम्मद अब्दुल हनीफ शेख (32, धुबड़ी), मोहम्मद रफीक अली (30, सोनतली, कामरूप) तथा मोहम्मद जाकिर हुसैन (27, बाघबर, बरपेटा) के रूप में हुई है। उनको गरचुक थाना टीम और पश्चिम जयंतिया हिल्स, मेघालय के एसओजी ने गिरफ्तार किया। पकड़े गए व्यक्तियों के खुलासे के आधार पर गरचुक थाना टीम ने जोवाई, मेघालय में जाल बिछाया। इसके अनुसार, मेघालय में बांग्लादेश सीमा के पास मेघालय पुलिस की मदद से तीन अन्य शातिर बाइक चोर सह रिसीवर को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए रिसीवरों की पहचान डिबोर्मी अमरीनसोंग (26, पश्चिम जयंतिया हिल्स, मेघालय), टुनदाहुन मत्रा (25, पश्चिम जयंतिया हिल्स, मेघालय) तथा रिमिकी सुचिआग (22, पश्चिम जयंतिया हिल्स, मेघालय) के रूप में हुई है। बाद में गहन पूछताछ के बाद, एक चोरी की गई रॉयल एनफील्ड (एएस- 01एफजे-7567) जोवाई बाईपास के एक गांव के अंदर से बरामद की गई। भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे इलाकों में मुक्तापुर थाना अंतर्गत कारखाना गांव से दो अन्य बाइकें बरामद की गईं। जिनमें एक बजाज एवेंजर (एएस- 01डीयू- 2357) और दूसरी रॉयल एनफील्ड (एएस- 01 एफई-3496) शामिल हैं। जांच के दौरान, पकड़े गए आरोपितों के पास से बड़ी संख्या में औजार और ताला तोड़ने के उपकरण बरामद किए गए। जिनमें, तीन मास्टर चाबियां, एक आयरन कटर हैंड-आरा शामिल है। आगे की जांच जारी है।

हावली में हाईवे पर सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

बरपेटा (हिंस)। हावली के मौटूपुरी में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 27 पर मंगलवार को हुए एक सड़क हादसे में अगप के एक नेता की मौत हो गई, जबकि एक अन्य की बरपेटा मेडिकल कॉलेज जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मृतकों की पहचान अगप नेता बिपुल कृष्ण दास और सूर्य तालुकदार के रूप में हुई है। दोनों मृतक भवानीपुर के छोटी तपा गांव में मारे गए। हादसे में गंभीर रूप से घायल दो लोगों की पहचान हरिहर कलिता और किश्क ठाकुरिया के रूप में हुई है। दोनों को गंभीर हालत में बरपेटा मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि चारों लोग बिना नंबर प्लेट वाली सफेद स्कॉर्पियो गाड़ी से बरपेटा रोड से भवानीपुर के छोटी तपागांव में अपने घर जा रहे थे। जाते समय वाहन नियंत्रण खो बैठा और राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच में डिवाइडर पर एक पेड़ से टकरा गया। बिपुल कृष्ण दास की तेज टक्कर से तत्काल ही मौत हो गई और गंभीर रूप से घायल होने के साथ सूर्य तालुकदार नामक एक अन्य व्यक्ति की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि पेशे से ठेकेदार और अगप नेता कोकराझाड़ के पूर्व सांसद हीरा शरनिया की पार्टी के उम्मीदवार थे। वहीं, बिपुल कृष्ण दास भवानीपुर-सरभोग निर्वाचन क्षेत्र से अगप पार्टी के उम्मीदवार थे।

चौदह को कोकराझाड़ में राष्ट्रीय लोक अदालत

कोकराझाड़ (हिंस)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के निर्देशों के अनुपालन में, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), कोकराझाड़ द्वारा 14 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम जिला न्यायालय, कोकराझाड़ और उप-मंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी न्यायालय, गोसाईगांव के परिसर में आयोजित होगा। लोक अदालत के माध्यम से जिले के विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों और पूर्व-विवादित मामलों का निपटारा किया जाएगा। इस आयोजन में भाग लेने वाले संस्थानों में इंडियन बैंक, असम ग्रामीण विकास बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, एपीडीसीएल और बीएसएनएल सहित अन्य शामिल हैं। लोक अदालत में कई प्रकार के मामलों पर सुनवाई की जाएगी, जिनमें जिला न्यायालयों के लंबित मामले जैसे कि मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) मामले, एनआई अधिनियम के मामले, वैवाहिक विवाद, दीवानी मामले और दंडनीय आपराधिक मामले, जिसमें मोटर वाहन (एमवी) मामले शामिल हैं। डीएलएसए, कोकराझाड़, सभी हितधारकों और वादियों से आह्वान किया है कि वे लोक अदालत में सक्रिय रूप से भाग लें और विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान का लाभ उठाएं। इस पहल का उद्देश्य मुकदमों के बोझ को कम करना और सामंजस्य व सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

महिला का शव बरामद

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के पर्वतझोरा के पश्चिम रंगामाटी हिल्स इलाके से एक महिला का शव बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि काजीगांव पुलिस थाना अंतर्गत महामाया संरक्षित वनांचल के पश्चिम रंगामाती जेएफएमसी बागान से एक वृद्ध महिला का शव बरामद किया गया। .मृत महिला की पहचान रंगामाटी.हिलचर निवासी जामेला बेउया के रुप में की गई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत महिला का शव अपने कब्जे में.लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पूसीरे के पार्सल कार्यालयों को क्यूआर डिवाइस से किया लैस

गुवाहाटी (हिंस)। पार्सल सेगमेंट में रेलवे राजस्व बढ़ाने और पार्सल ट्रांसपोर्टरों को व्यवसाय में सरल सुविधा प्रदान करने के निरंतर प्रयासों के तहत पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने अपने पार्सल कार्यालयों में डिजिटल भुगतान माध्यम शुरू किया हैं। बीते 04 दिसंबर तक पूसी रेलवे ने अपने पार्सल सेगमेंट में 46.5 फीसदी डिजिटल भुगतान की हिस्सेदारी हासिल की है। पूसी रेलवे अपने सभी पार्सल कार्यालयों को चरणबद्ध तरीके से डिजिटल भुगतान मोड से लैस करने की योजना बना रहा है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार, डिजिटल भुगतान को सक्षम करने के लिए, पूसी रेलवे ने विगत 06 नवंबर को कटिहार मंडल के अधीन न्यू जलपाईगुड़ी के पार्सल

कार्यालय में प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) के माध्यम से भुगतान की सुविधा शुरू की। इसके अलावा, बीते 16 नवंबर को न्यू जलपाईगुड़ी और गुवाहाटी पार्सल कार्यालयों में क्यूआर कोड भुगतान सुविधाएं शुरू की गईं। डिजिटल भुगतान मोड की शुरुआत के बाद से पूसी रेलवे के मंडलों में विभिन्न डिजिटल गेटवे के माध्यम से पार्सल ट्रैफिक बुकिंग में धीरे-धीरे वृद्धि की प्रवृत्ति दिख रही है। बीते 04 दिसंबर तक पार्सल बुकिंग में रंगिया मंडल ने 85.6 प्रतिशत, कटिहार मंडल ने 83.6 प्रतिशत और अलीपुरद्वार मंडल ने 63.9 प्रतिशत डिजिटल भुगतान किया है। पार्सल बुकिंग के दौरान कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, पीओएस के माध्यम से क्यूआर कोड और क्यूआरडी के माध्यम से क्यूआर कोड आदि से भुगतान किया जा सकता है, जिससे नकद रहित लेनदेन कारगर साबित हो। सड़क मार्ग की तुलना में रेलवे द्वारा माल परिवहन सस्ता है और यह परिवहन का सबसे पर्यावरण अनुकूल साधन है। पूसी रेलवे को उम्मीद है कि रेलवे द्वारा मुहैया कराई जा रही विभिन्न पहलों और योजनाओं से कारोबारियों और एग्रीगेटर्स को पार्सल ट्रेनों/वैन के माध्यम से अपनी वस्तुओं के परिवहन में बड़े पैमाने पर मदद मिलेगी।

No. TDB/15th FC/106/2024-25/1271 *Date- 09 /12/ 2024*

INVITATION FOR BIDS

The Block Development Officer, famulpur Development Block, Dist-Tamulpur, BTC, Assam invites bid affixing non-refundable Court fee Stamp of Rs.8.25(Rupces Eight and Twenty Five Paisa) only from the approved and eligible contractor Class I (A,B,C), Class II or Class III category registered with Assam PWD (R&B) Irrigation Deptt. for the following work under P&RD Deptt under 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25 Tender Box will be available for dropping tender in the Office of the Block Development Officer, Tamulpur Development Block from 10/12/2024 up to 2.00 PM on 04/01/2025 (if any holidays or Bandh falls then the subsequent day) and the tender box will be opened at the same day on 3.00 PM in same office.

Sl. No.	Name of work	Tender value (In Lakh)	Time of Completion	Tender Cost & Earnest Money & Date ofTender
1	Construction of Community Toilet at Khatpara Gopal Mandir Compound Construction of Community Toilet at Delaisri Market (Bogajuli) Construction of Community Toilet at Dakhim Kumarikata	Rs. 10,47,960.00	180 days from the date of issue of final work order.	1 Tender cost @ 0.03% ofA/A amount to be pledgedby Bank draft in favour of Principal Secretary. BTC. 2.Earnest money @2% (In case of ST/SC 1%) of estimated value to be pledged by demand draft/FDR in favour of B.D.O Tamulpur Development Block 3. Bidders are specifically requested to inspect the field and study the working condition before submitting their offer/bid.

Details NIT may be seen at Office of the B.D.O Tamulpur Development Block. Tamulpur. Dist- Tamulpur.

Sd/-
Block Development Officer,
Tamulpur Development Block,
Tamulpur

IPR(BTC)-2023-24/1059

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 132 | गुवाहाटी | बुधवार, 11 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

लोकसभा : विपक्ष के हंगामे को बिरला ने बताया अशोभनीय, कार्यवाही... पेज 4
उदयपुर में सर्व हिंदू समाज ने किया विरोध प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन पेज 5
केंद्र व राज्य सरकार का उद्देश्य किसान किसी के सामने हाथ न फैलाएं : मुख्यमंत्री पेज 8
भारत एशियाई कप 2027 क्वालीफायर फाइनल राउंड के ग्रुप सी में पेज 11

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अन्न के सिवाय कोई दूसरा धन नहीं है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

मोहम्मद अल-बशीर बने सीरिया के अंतरिम प्रधानमंत्री

दमिश्क। मोहम्मद अल-बशीर को 1 मार्च, 2025 तक संक्रमणकालीन सीरियाई सरकार का कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। दमिश्क में 12 दिनों तक चले बिजली के हमले से पहले अल-बशीर ने विद्रोहियों के नेतृत्व वाली साल्वेशन सरकार चलाई थी। पूर्व राष्ट्रपति असद को उखाड़ फेंकने के लिए 12 दिवसीय आक्रमण शुरू करने -शेष पृष्ठ पांच पर

मुख्यमंत्री हिमंत ने शोणितपुर में शहीद दिवस में भाग लिया, कहा-

हमें इजराइल से सीखना होगा कि कैसे जीवित रहा जाए

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य अभी भी जनसांख्यिकीय परिवर्तन के खतरों का सामना कर रहा है। मुख्यमंत्री ने राज्य के युवाओं से इजरायल के उदय का अध्ययन करने और देश से सीखने का आह्वान किया कि कैसे आत्मनिर्भरता किसी राष्ट्र की प्रगति के लिए चमत्कार कर सकती है। शर्मा ने शोणितपुर जिले के जमुगुरीहाट में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित शहीद दिवस समारोह में भाग लिया। असम आंदोलन के सभी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, जिन्होंने जाति, माटी और भेटी (नस्ल, भूमि और चूल्हा) के सम्मान की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी, शर्मा ने कहा कि शहीद दिवस असम के सम्मान की रक्षा करने वाले शहीदों के उत्कृष्ट योगदान को याद करने का एक पवित्र अवसर है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें इतिहास के उन काले दिनों को नहीं भूलना चाहिए जब असम के 800 से ज़्यादा निर्दोष और देशभक्त लोग अपने प्यारे राज्य के सम्मान को बचाने की कोशिश में मारे गए थे। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार असम के लोगों की पहचान को बनाए रखने और उनके विकास को सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है। सरकार घुसपैठियों के प्रभाव को सीमित करने के लिए परिसीमन की दिशा में भी काम कर रही है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने 10 हजार हेक्टेयर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। असम आंदोलन के पहले शहीद खड़गेश्वर तालुकदार के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके बलिदान ने राज्य के साथ-साथ पूरे देश में शोक की लहर पैदा कर दी है। उन्होंने कहा कि खड़गेश्वर तालुकदार से प्रेरित होकर 800 से अधिक अन्य शहीदों ने भी राज्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। शर्मा ने यह भी कहा कि असम आंदोलन असम और उसके लोगों को अवैध प्रवास के अभिशाप से बचाने के संकल्प का प्रकटीकरण था। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दशकों बाद भी असम में व्याप्त अनिश्चितता अभी खत्म नहीं हुई है। राज्य अभी भी जनसांख्यिकीय परिवर्तन के खतरों का सामना कर रहा है। हर दिन मूल असमिया लोग जमीन पर अधिकार खो रहे हैं। इसे देखते हुए राज्य सरकार भूमि पर राज्य के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए काम कर रही है। चारों ओर से आलोचना के बाद भी राज्य सरकार ने गोरुखुटी से अवैध रूप से बसे लोगों को बेदखल करने के लिए कदम उठाए और यह सफल रहा। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार ने राज्य के मूल लोगों के भूमि अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए अथक प्रयास किया है। काजीरंगा में सभी अवैध अतिक्रमण को हटा दिया गया है। शर्मा ने यह भी कहा कि राज्य की संस्कृति की रक्षा के लिए उनकी सरकार अथक प्रयास कर रही है। जोरहाट के होलॉन्गापार में वीर लाचित बरफुकन की 125 फीट ऊंची प्रतिमा और लाचित बरफुकन के तथ्यों और आंकड़ों को शामिल करने वाली पुस्तकों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करना सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में चारिदेव मोइदम वैश्विक परिदृश्य पर असम की समृद्ध विरासत को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार का एक और प्रयास -शेष पृष्ठ पांच पर

प्रधानमंत्री ने असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली/गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। असम हर साल 10 दिसंबर को उन शहीदों को याद करता है जिन्होंने असम आंदोलन के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया था, जिसका उद्देश्य राज्य से अवैध विदेशियों को बाहर निकालना था। शहीद दिवस उन लोगों के असाधारण साहस और बलिदान को याद करने का अवसर है जिन्होंने असम आंदोलन के लिए खुद को समर्पित कर दिया। उनके अटूट संकल्प और निस्वार्थ प्रयासों ने असम की अनूठी संस्कृति और पहचान को संरक्षित करने में मदद की। उनकी वीरता हम सभी को विकसित असम की दिशा में काम करते रहने के लिए प्रेरित करती है, पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा। पीएम मोदी के एक्स -शेष पृष्ठ पांच पर

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने असम आंदोलन के शहीदों को सम्मानित किया

नई दिल्ली। केंद्रीय पत्तन, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने *शहीद दिवस* के अवसर पर असम आंदोलन के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। नई दिल्ली में मंत्री के आवास पर आयोजित इस समारोह में सांसद रामेश्वर तेली और प्रदान बरुआ भी शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए सोनोवाल ने असम की विशिष्ट पहचान, संस्कृति और विरासत की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शहीदों के बलिदान को नमन किया। उनके योगदान पर -शेष पृष्ठ पांच पर

इंफाल में अफस्पा के विरोध में रैली सैकड़ों लोग सड़क पर निकले

इंफाल। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर मणिपुर के इंफाल में हजारों लोग सशस्त्र बल विशेष शक्ति अधिनियम (एएफएसपीए), 1958 को हटाने की मांग करते हुए सड़कों पर उतरे। उन्होंने मानवाधिकारों की सुरक्षा की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने इंफाल पश्चिम जिले के थांगमीबंद थाउ ग्राउंड से इंफाल सिटी बाजार और ख्वायरमबंद कीथेल से खुमान लैंपक तक रैली निकाली। उन्होंने *अफस्पा हटाओ, अफस्पा हटाओ* और *आत्मनिर्णय हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है* जैसे नारे लगाए। रैली का आयोजन ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब ऑर्गनाइजेशन (एएमयूसीओ) के नेतृत्व में पांच नागरिक समाज संगठनों द्वारा किया गया था। विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले अन्य संगठनों में पोइरेई लीमारोल मीरा पैबी अपुनबा मणिपुर, ऑल मणिपुर महिला स्वैच्छिक संघ, मानवाधिकार समिति सीओएचआर और मणिपुर स्टूडेंट फेडरेशन शामिल हैं। रैली के दौरान प्रेस को संबोधित करते हुए, एएमयूसीओ के अध्यक्ष नंदो लुवांग ने कहा कि रैली का आयोजन मणिपुर के पांच जिलों के छह -शेष पृष्ठ पांच पर

असम और त्रिपुरा के नौ पंचायत राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024 से सम्मानित

गुवाहाटी / अगरतला। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार सम्मान समारोह 2024 कल विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह के दौरान, भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विभिन्न श्रेणियों में 45 पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार प्रदान करेंगी, जो सतत और समावेशी विकास में उनके अनुकरणीय योगदान को मान्यता प्रदान करेंगे। असम से *जेंगराई* और *बेबेजिया डेमो बंगथाई* ग्राम पंचायतों को इस साल के राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के लिए चुना गया है। माजुली जिले के अंतर्गत जेंगराई ग्राम पंचायत को दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार के लिए चुना गया है और उसे बाल हितैषी पंचायत की श्रेणी में 1 करोड़ का पुरस्कार मिलेगा। इसी तरह, नागांव जिले के अंतर्गत बेबेजिया डेमो बंगथाई ग्राम पंचायत को नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार के लिए चुना गया है और उसे सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत होने के लिए 1.25 करोड़ का पुरस्कार मिलेगा। त्रिपुरा राज्य से सात ग्राम पंचायत को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के लिए -शेष पृष्ठ पांच पर

बांग्लादेश में हिंदुओं का उत्पीड़न दर्दनाक : सीएम डॉ. शर्मा

तेजपुर। बांग्लादेश में हाल के घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि असम की सीमा अभी सुरक्षित नहीं है। शर्मा ने तेजपुर में एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बातचीत करते हुए यह बात कही और कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के कारण भारत को सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब धार्मिक कट्टरवाद किसी देश की नींव बन जाता है, तो अल्पसंख्यक वहां सुरक्षित महसूस नहीं कर सकते। हम सभी जानते हैं कि बांग्लादेश में क्या हो रहा है। बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है, उसे देखकर हमें दुख होता है और देश में हिंदुओं के उत्पीड़न ने हमारी आंखें खोल दी हैं। पहले पाकिस्तान में हिंदुओं पर अत्याचार होते थे, अब यह बांग्लादेश में हो रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों को भारत से धर्मनिरपेक्षता सीखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि -शेष पृष्ठ पांच पर

मुंबई में बेकाबू बस ने भीड़ को रौंदा, सात की मौत, 49 घायल

मुंबई (हि.स.)। मुंबई में कुर्ला इलाके में सोमवार रात एक सरकारी बस ने कई गाड़ियों और लोगों को कुचल दिया है। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि 49 लोग घायल हैं। घायलों को सायन और कुर्ला भाभा अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस का कहना है कि प्रारम्भिक जांच में ब्रेक फेल होने की वजह से सरकारी बस ने लोगों को रौंदा है। एक्सपर्ट से बस के मेंटेनेंस की रिपोर्ट ली जाएगी। यह बस कुर्ला से अंधेरी की ओर जा रही थी, तभी कुर्ला इलाके के एलबीएस रोड पर हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अचानक बाजार में एक --शेष पृष्ठ पांच पर

धनखड़ के खिलाफ इंडी गठबंधन ने पेश किया अविस्वास प्रस्ताव

नई दिल्ली (हि.स.)। इंडी गठबंधन (आईएनडीआईए) ने मंगलवार को उच्च सदन के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविस्वास प्रस्ताव पेश किया है। इसमें उन पर सदन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, यह प्रस्ताव बहुमत न होने के कारण गिर जाएगा लेकिन देश के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी सभापति के खिलाफ अविस्वास प्रस्ताव लाया जा रहा है। इस प्रस्ताव पर समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस समेत 71 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। इसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 67बी के तहत पेश किया गया है। इसके तहत 50 सांसदों का अविस्वास प्रस्ताव पर एक राय होना अनिवार्य है। विपक्षी दल लगातार सभापति जगदीप धनखड़ पर राज्यसभा की कार्यवाही को नियंत्रित करने के तौर-तरीकों पर अपनी नाराजगी दर्ज कराते आए हैं। उनका आरोप है कि सभापति संबोधन में लगातार व्यवधान, महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपर्याप्त बहस और विवादास्पद चर्चाओं के दौरान सत्ता पक्ष को लेकर उनके साथ पक्षपात करते हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन-आईएनडीआईए ब्लाक के घटक दल भी लगातार सदन में पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप लगाते रहे हैं। इसको लेकर सदन में लगातार गतिरोध बना हुआ है। विपक्ष ने 9 दिसंबर को हुए व्यवधान के बाद अविस्वास प्रस्ताव लाने के लिए गठबंधन दलों के नेताओं के साथ बात की और देर शाम तक तय हो गया कि -शेष पृष्ठ पांच पर

जज की टिप्पणी पर एससी ने लिया संज्ञान एचसी से मांगी जानकारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव द्वारा दिए गए विवादास्पद भाषण की रिपोर्ट के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विस्व हिंदू परिषद (वीएचपी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिए गए भाषण में विवादास्पद टिप्पणियां शामिल थीं। न्यायमूर्ति यादव ने प्रस्तावित यूसीसी के लिए समर्थन व्यक्त किया था, जिसमें विभिन्न धर्मों और समुदायों पर आधारित -शेष पृष्ठ पांच पर

साइबर अपराध और जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नए खतरे : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज कहा कि साइबर अपराध और जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नए खतरे हैं। उन्होंने कहा कि ये चुनौतियां एक सुरक्षित, संरक्षित और न्यायसंगत डिजिटल वातावरण को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित करती हैं जो प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब हमारे दैनिक जीवन में प्रवेश कर चुका है, कई समस्याओं का समाधान कर रहा है और कई नई समस्याएं भी पैदा कर रहा है। हालांकि, एआई के साथ अपराधी एक गैर-मानव लेकिन -शेष पृष्ठ पांच पर

लिंगायत समुदाय ने की आरक्षण की मांग, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

नई दिल्ली। कर्नाटक के बेलगावी में मंगलवार को लिंगायत पंचमसाली समुदाय का आरक्षण की मांग को लेकर जारी प्रदर्शन हिंसक हो गया। पुलिस ने समुदाय के धार्मिक प्रमुख बसवजय मृत्युंजय स्वामीजी के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया है। बताया जाता है कि प्रदर्शनकारी पुलिस द्वारा की गई बैरिकेडिंग को तोड़कर विधान सौध की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान लिंगायत पंचमसाली समुदाय के लोगों और सुरक्षाकर्मियों के बीच में -शेष पृष्ठ पांच पर

2025 को लेकर नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी से सहमे लोग

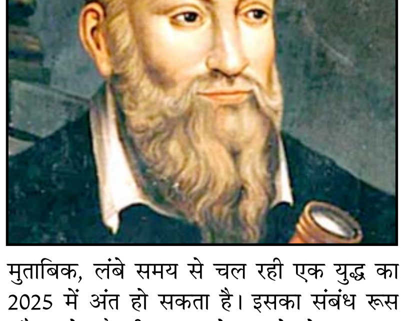

नई दिल्ली। साल 2024 के अंत में कुछ ही दिन बचे हैं। लेकिन उससे पहले हर साल की तरह पिटारे से नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी वाला *जिन्न* एक बार फिर बाहर आ गया है। फ्रांसीसी ज्योतिषि और चिकित्सक मिशेल दे नास्त्रेदमस ने एडॉल्फ हिटलर के उदय, अमेरिका के 9/11 हमले और कोविड-19 महामारी को लेकर भी भविष्यवाणी की थी। अब 2025 को लेकर उनकी भविष्यवाणी की फिर से चर्चा होने लगी है। नास्त्रेदमस ने साल 1555 में एक किताब लिखी थी। इसी किताब में सभी भविष्यवाणियां लिखी हुई हैं। किताब पर शोध करने वाले लोगों ने 2025 से जुड़े कुछ संकेत दुनिया के सामने रखे हैं। इसमें एस्टरॉइड के धरती से टकराने से लेकर यूके में किसी नई महामारी के पनपने तक का जिक्र है। नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी के मुताबिक, लंबे समय से चल रही एक युद्ध का 2025 में अंत हो सकता है। इसका संबंध रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध से जोड़ा जा रहा है। नास्त्रेदमस ने अपनी किताब में लिखा है कि लंबे समय से चल रहे युद्ध से दोनों तरफ की सेना थक जाएगी। उनके पास सेना को देने के लिए पैसे भी नहीं बचेंगे। वहीं एक और भविष्यवाणी में फ्रांस और तुर्कीए के बीच विवाद के संकेत मिलते हैं। नास्त्रेदमस ने भविष्यवाणी की है कि 2025 की शुरुआत इंग्लैंड में किसी भीषण युद्ध या प्लेग जैसी किसी खतरनाक महामारी से होगी। नास्त्रेदमस ने इसे दुश्मनों से भी खतरनाक बताया है। 2019 के लिए भी नास्त्रेदमस ने ऐसी ही भविष्यवाणी की थी, जिसके बाद दुनिया ने कोविड-19 का सामना किया था। संकट सिर्फ धरती ही नहीं, बल्कि स्पेस से भी आएगा। नास्त्रेदमस ने एक भविष्यवाणी कर कहा है कि 2025 में एक विशाल एस्टरॉइड धरती -शेष पृष्ठ पांच पर

महाराष्ट्र चुनाव : विपक्ष के दावे से चुनाव आयोग का इनकार, कहा-

वीवीपैट और ईवीएम के आंकड़ों में कोई गड़बड़ी नहीं

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को हाल ही में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में वोटों के वीवीपैट सत्यापन में विसंगति के विपक्ष के आरोप से इनकार करते हुए कहा कि किसी भी वीवीपैट मतदाता पर्चियों में उनके ईवीएम नंबरों के साथ कोई बेमेल नहीं पाया गया। बयान में कहा गया है कि 23 नवंबर को मतगणना के दिन चुनाव आयोग ने कुल 1,445 वीवीपैट पर्चियों की गिनती की और किसी भी वीवीपैट पर्ची में उनके संबंधित ईवीएम नंबरों के साथ कोई मिलान नहीं पाया गया। रविवार को, एनसीपी-एसपी के शरद पवार ने कहा कि अब देश में वोट देने के तरीके में बदलाव का समय आ गया है क्योंकि उन्होंने भविष्य के चुनावों में कागजी मतपत्रों के इस्तेमाल की आवश्यकता -शेष पृष्ठ पांच पर

लोकसभा : विपक्ष के हंगामे को बिरला ने बताया अशोभनीय, कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

नई दिल्ली। लोकसभा में विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के कारण मंगलवार को भी प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं चल सका और कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर करीब 12.17 बजे दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद परिसर में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के विरोध प्रदर्शन के तौर-तरीकों को अशोभनीय तथा प्रतिपक्ष के बड़े नेताओं के आचरण को संसदीय परंपराओं को प्रतिकूल बताया और कहा कि सभी को संसद की गरिमा, मर्यादा और प्रतिष्ठा को बनाए रखना चाहिए। बिरला ने लोकसभा की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होने पर इस विषय का उल्लेख किया और अफसोस जताया। इस दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने अपने मुद्दे उठाने का प्रयास करते हुए हंगामा किया जिसके चलते सदन की कार्यवाही आरंभ होने के करीब पांच मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। दोपहर 12 बजे सदन की बैठक पुन: शुरू होने पर पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने आवश्यक कागजात सदन के पटल पर प्रस्तुत कराए। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने *वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक, 2024* हंगामे के बीच ही प्रस्तुत किया। सैकिया ने विपक्ष के सदस्यों से कार्यवाही चलने देने का आग्रह करते हुए कहा कि आपके कारण सदन नहीं चल रहा, ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि आपके शर्मनाक व्यवहार की वजह से सदन की गरिमा को ठेस पहुंची है, इसके लिए आपको माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस और देश विरोधी ताकतों से क्या रिश्ते हैं, पता चलना चाहिए और इसके लिए विपक्षी दल को सदन में माफी मांगनी चाहिए। रीजीजू ने कांग्रेस और विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के तरीके पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ये लोग जॉर्ज सोरोस के साथ तालमेल करके देश के खिलाफ काम करते हैं और रग-बिरंगे पहनकर आपत्तिजनक बातें करते हैं। पीठासीन सभापति सैकिया ने आसन के समीप हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और कार्यवाही चलने देने की अपील की। जिसका कोई असर नहीं होने पर उन्होंने कार्यवाही करीब 12 बजकर 17 मिनट पर बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक स्थगित कर दी। गौरतलब है कि भाजपा पिछले कुछ दिन से कांग्रेस, पार्टी नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर सोरोस के साथ देश की सरकार, संसद और अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के लिए काम करने का आरोप लगा रही है। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी दलों द्वारा संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किए जाने का उल्लेख सदन में किया और क्षोभ जताया। एक दिन पहले ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उद्योगपति गौतम अदाणी का मुखौटा पहने दो कांग्रेस सांसदों का प्रतीकात्मक साक्षात्कार करते हुए सरकार एवं प्रधानमंत्री पर निशाना साधा था। कांग्रेस सांसद शिवाजी कलगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मणिकम टैगोर ने उद्योगपति गौतम अदाणी का मुखौटा पहन रखा था। पार्टी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा के कुछ नेताओं के आरोपों से जुड़े मुद्दे उठाने का भी प्रयास कर रही है। कांग्रेस तथा कई अन्य विपक्षी दल अदाणी मामले को लेकर संसद परिसर में पिछले कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। बिरला ने मंलगवार को सदन में कहा कि संसद एक पवित्र स्थल है और इस भवन की उच्च गरिमा, प्रतिष्ठा और मर्यादा है। इसी भवन में हमने आजादी प्राप्त की है। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की सर्वोच्च प्रतिनिधि संस्था है। इस संस्था में लोगों की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा किया जाता है। सहमति-असहमति हमारे लोकतंत्र की परंपरा रही है, जो संविधान बनते समय भी हमने अभिव्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से मैं देख रहा हूं कि संसद परिसर में जिस प्रकार के प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जिस प्रकार के नारे, पोस्टर और मुखौटों का उपयोग किया जा रहा है, वह न सिर्फ अशोभनीय है, बल्कि हमारी नियम प्रक्रियाओं और संसदीय परंपराओं के अनुरूप भी नहीं है। बिरला ने कहा कि मुझे बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि इसमें प्रतिपक्ष के बड़े नेताओं का आचरण-व्यवहार भी संसदीय व्यवहार के अनुकूल नहीं है। इस पर कांग्रेस और कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने टोका-टोकी करते हुए कहा कि अध्यक्ष को सत्तापक्ष का भी नाम लेना चाहिए। इस पर बिरला ने कहा कि चाहे सत्तापक्ष हो या प्रतिपक्ष हो, सभी दलों के लोग संसद की गरिमा, परंपरा, मर्यादा और प्रतिष्ठा को बनाए रखें।

महाराष्ट्र विधानसभा के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए भाजपा विधायक राहुल नार्वेकर

मुंबई, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक राहुल नार्वेकर सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा का अध्यक्ष चुन लिया गया है। अस्थाई अध्यक्ष कालीदास कोलंबकर ने विधानसभा में कहा कि विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए सिर्फ राहुल नार्वेकर का नामांकन आया है, इसलिए उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया जा रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष पद के आवेदन दाखिल करने की अंतिम तिथि रविवार दोपहर 12 बजे तक थी। इस दौरान भाजपा नीत एनडीए के उम्मीदवार के रूप में राहुल नार्वेकर ने रविवार को विधानसभा सचिवालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। इस मौके पर उनके साथ मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले, वरिष्ठ नेता चंद्रकांत पाटिल आदि मौजूद थे। महाविकास अघाड़ी ने अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला लिया था, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के पास 288 सीटों वाले सदन में 237 विधायकों का मजबूत संख्याबल है। इसलिए आज अस्थाई अध्यक्ष ने राहुल नार्वेकर को अध्यक्ष पद नियुक्त किए जाने की घोषणा की। राहुल नार्वेकर लगातार दूसरी बार महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नार्वेकर के अध्यक्ष पद की घोषणा होने के बाद नए अध्यक्ष का धन्यवाद प्रस्ताव सदन में पेश किया। इस प्रस्ताव पर देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा अध्यक्ष के निर्विरोध चुनाव की परंपरा को कायम रखने के लिए विपक्षी दलों और नेताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह एक अध्ययनशील, संयमित व्यक्तित्व हैं। अब इस पद पर चुने जाने के बाद राहुल नार्वेकर सभी विधायकों को न्याय देंगे kउपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, अजीत पवार, जयंत पाटिल, नाना पटोले, सहित अन्य विधायकों ने राहुल नार्वेकर को अध्यक्ष बनने पर शुभकामना दी।

केंद्र बाजरा आधारित उत्पादों को देगा बढ़ावा, 800 करोड़ रुपये आवंटित : रवनीत सिंह बिट्टू

नई दिल्ली, (हि.स.)। सरकार ने खाद्य उत्पादों में मोटे अनाज के उपयोग को बढ़ावा देने और उनके मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित करने के लिए वित्त वर्ष 2022-2023 से वित्त वर्ष 2026-2027 की अवधि के लिए 800 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ मोटा अनाज आधारित उत्पादों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएमबीपी) शुरू की है। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने सोमवार को राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने सदन को बताया कि इस योजना की अवधि 5 वर्ष है। उन्होंने कहा कि 19 आवेदकों ने प्रोत्साहन दावे प्रस्तुत किए है, जबकि पात्र आवेदकों को अब तक 3.917 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने मोटा अनाज आधारित उत्पादों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएमबीपी) के कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। इन उपायों में उपयोगकर्ता के अनुकूल पोर्टल की स्थापना और त्वरित समस्या समाधान के लिए समर्पित समूहों का निर्माण शामिल है। इस योजना के दिशा-निदेर्शों को आसानी से समझने के लिए समय-समय पर स्पष्टीकरण जारी किए गए हैं। इसके नियमित निगरानी और मूल्यांकन प्रणाली बनाए गए हैं, जबकि योजना के सुचारु कार्यान्वयन के लिए समर्पित टीमों के माध्यम से तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा प्रभावी संचार और प्रगति पर नजर रखना (ट्रैकिंग) सुनिश्चित करने के लिए आवेदकों के साथ साप्ताहिक बैठकें आयोजित की जाती हैं।

दिल्ली सरकार के महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देने की योजना पर वित्त विभाग को ऐतराज

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री महिला सम्मान निधि योजना को लेकर वित्त विभाग ने आपत्ति जता दी है। इस योजना के तहत 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को हर महीने एक-एक हजार रुपये देने का ऐलान किया गया था और इसके लिए चालू वित्त वर्ष में 2,000 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान भी किया गया था। वित्त विभाग के आकलन के अनुसार, इस योजना पर सालाना 4,560 करोड़ रुपये खर्च होंगे। दिल्ली सरकार की अन्य सब्सिडी योजनाओं पर लगभग 11 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। वित्त विभाग का मानना है कि अगर मुख्यमंत्री सम्मान योजना लागू की जाती है, तो ऐसे में सब्सिडी वाली योजनाओं पर खर्च बढ़कर 15 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाएगा, जो दिल्ली की वित्तीय स्थिति के लिए जोखिम भरा साबित होगा। यहां तक कि इसके लिए राज्य सरकार को ऊंची ब्याज दर पर लोन भी लेना पड़ सकता है, जिससे अगले वित्त वर्ष में राज्य सरकार को भारी राजकोषीय घाटे का सामना करना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री आतिशी को भेजे एक नोट में वित्त विभाग के अडिशनल चीफ सेक्रेटरी ने सरकार को इस बात से भी अवगत कराया है कि अगर राजस्व घाटे का सामना करना पड़ा, तो केंद्र सरकार अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करके राज्य सरकार को दी गई वित्तीय शक्तियों और सहायता में कुछ कटौती भी कर सकती है। वित्त विभाग ने कहा है कि सरकार पहले ही दिल्ली जल बोर्ड के राजस्व घाटे को पूरा करने के लिए उसे अनुदान देने का वादा कर चुकी है, जिसके लिए अगले वित्त वर्ष में 2,500 करोड़ रुपये की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में महिला सम्मान निधि योजना पर खर्च के साथ अगले वित्त वर्ष में लगभग 7,000 करोड़ रुपये की नई राजस्व देनदारी बनेगी।

श्रीनगर -बारामुला राष्ट्रीय राजमार्ग पर मिला आईईडी, सुरक्षाबलों ने किया निष्क्रिय

बारामुला, (हि.स.)। जिले के पलहालन पट्टन इलाके में श्रीनगर-बारामुला राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षाबलों ने सोमवार सुबह एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का पता लगाकर उसे निष्क्रिय कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर-बारामुला राष्ट्रीय राजमार्ग पर पट्टन इलाके के पलपोरा पलहालन में आतंकवादियों के लगाए गए आईईडी की जानकारी मिली थी। इस आईईडी को 29आरआर की रोड ओपनिंग पार्टी और पट्टन पुलिस ने देखा था। जिसके बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। उन्होंने बताया कि आईईडी की जानकारी मिलने के बाद एहतियात के तौर पर यातायात रोक दिया गया था। बाद में बीडीएस ने आईईडी को निष्क्रिय कर दिया। इसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों ओर से यातायात फिर से शुरू कर दिया गया है। इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

इस्कॉन ने जताई बांग्लादेश में नरसंहार की आशंका

कोलकाता, (हि.स.)। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के नरसंहार की आशंका जाहिर की है। इसके साथ ही संगठन ने भारत से बांग्लादेश पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है ताकि हालात काबू में आ सके। संगठन के वरिष्ठ अधिकारी ने चेतावनी दी है कि अगर बांग्लादेश में हालात नहीं संभाले गए तो वहां बड़ा नरसंहार हो सकता है। इस्कॉन-कोलकाता के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने रविवार शाम यह गंभीर बयान दिया। दास ने कहा कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी लोग इस्कॉन के अनुयायियों के खिलाफ नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई वीडियो सामने आए हैं जिनमें कट्टरपंथी आम लोगों को उकसा रहे हैं और कह रहे हैं कि "इस्कॉन एक कैंसर है, जिसे काटकर ही खत्म किया जा सकता है।दास के अनुसार, ऐसे कट्टरपंथी अपने सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में अनुयायियों को इस्कॉन के अनुयायियों को खत्म करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक कट्टरपंथी नेता अपने निजी विमान से बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में जाकर लोगों को भड़काने का काम कर रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कट्टरपंथियों को रोकने में विफल रहने पर बांग्लादेश में हालात और बिगड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये कट्टरपंथी आम लोगों को नरसंहार के लिए प्रेरित कर रहे हैं। अगर ऐसा हुआ तो बांग्लादेश की सेना और पुलिस भी स्थिति को नियंत्रित नहीं कर पाएगी।दास ने बताया कि शनिवार को ढाका जिले के एक मंदिर को पेट्रोल डालकर जला दिया गया। इस हमले में मंदिर की मूर्तियों को भी तोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं कट्टरपंथियों के भड़काऊ बयानों का नतीजा हैं।दास ने मांग की कि इन कट्टरपंथियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि अगर इन्हें नहीं रोका गया तो बांग्लादेश बड़े नरसंहार की ओर बढ़ सकता है। उन्होंने भारत सरकार से खास अपील करते हुए बांग्लादेश के हालात को काबू करने के लिए कदम उठाने की अपील की है।

भारत में डिजिटल क्रांति से सुगम हुआ है जीवन : कीर्ति वर्धन

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय विदेश, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व व सोच का प्रभाव है कि आज पूरी दुनिया भारत में हुए डिजिटल क्रांति की तारीफ कर रही है। मोदी सरकार द्वारा 01 जुलाई 2015 को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था, जिसका उद्देश्य डिजिटल सेवाओं, डिजिटल पहुंच, डिजिटल समावेशन और डिजिटल सशक्तीकरण को सुनिश्चित करके भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था और डिजिटल रूप से सशक्त समाज में परिवर्तित करना था। आज अगर आप एक क्लिक से पैसा ट्रांसफर करने से लेकर तमाम जरूरी काम कर पाते हैं तो इसके पीछे प्रधानमंत्री मोदी की व्यापक सोच है। केंद्रीय राज्य मंत्री सोमवार को जोरबाग स्थित पर्यावरण भवन में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तथा कनेक्टिविटी विषय पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया ने 2047 में विकसित भारत की नींव रख दी है। पिछले 11 साल में मोदी सरकार ने देश में डिजिटल क्रांति लाने और लोगों को डिजिटली काम करने के लिए प्रेरित किया है, जो अभूतपूर्व है। इसका सीधा सकारात्मक असर 140 करोड़ देशवासियों पर हो रहा है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने भारत में डिजिटल क्रांति को लेकर विदेश में हो रही चर्चा व अनुभव से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जब वे विदेश में प्रवास पर होते हैं तो वहां की सरकार के प्रतिनिधि व जनमानस के मुंह से भारत की डिजिटल क्रांति की बात सुनकर बहुत अच्छा लगता है। यह सुखद है कि डिजिटल इंडिया को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के विजन ने पूरे देश को विश्व मानचित्र पर एक अलग पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि जब डिजिटल इंडिया की शुरूआत हो रही थी, तब विपक्ष के मित्रों ने जमकर आलोचना की लेकिन वे सब गलत साबित हुए। देश में डिजिटल सेवाओं की वजह से भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगा है। यूपीआई, डिजी लॉकर, डिजी यात्रा, कोविन, आरोग्य सेतु, ई-संजीवनी, उमंग, जेम, दिक्षा, ई-हॉस्पिटल और ई-कोर्ट आदि ऐसे कई पहल करोड़ों जिंदगियों को छू रही हैं। उनके कार्यों को सरल व सुगम बना रहे हैं। देश में डिजिटल क्रांति का ही कमाल है कि अगर देश की राजधानी से 100 रुपये निकलते हैं तो वो 100 के 100 रुपये लाभार्थियों के पास पहुंचते हैं। गांवों में इंटरनेट की पहुंच हुई है। उन्होंने वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का जिक्र करते हुए कहा कि डिजिटल माध्यम से यहां का कार्य काफी व्यवस्थित हुआ है। परिवेश पोर्टल से समस्याओं का समाधान शीघ्र हो रहा है। पहले एनवायरमेंट क्लीयरेंस के लिए काफी वक्त लगता था। अब परिवेश पोर्टल ने उसे काफी सुगम व पारदर्शी बना दिया है। देश में डिजिटल क्रांति की वजह से कार्यों में पहले की तुलना में काफी सुगमता आई है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि भारत की डिजिटल भुगतान क्रांति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गति पकड़ रही है। वर्तमान में यूपीआई का उपयोग 7 देशों में पेमेंट के लिए किया जा सकता है। यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस में यह सुविधा उपलब्ध है।

आम आदमी पार्टी की दूसरी सूची, मनीष सिसोदिया की सीट बदली

अजय त्यागी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को 20 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी। पटपड़गंज सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को इस बार जंगपुरा सीट से मैदान में उतारा गया है। वहीं पिछले दिनों पार्टी में शामिल हुए अवध ओझा को पटपड़गंज से उम्मीदवार बनाया है kपार्टी ने नरेला से दिनेश भारद्वाज, तिमारपुर से सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू, आदर्श नगर से मुकेश गोयल, मुंडका से जसबीर कराला, मंगोलपुरी से राकेश जाटव धर्मरक्षक, रोहिणी से प्रदीप मित्तल, चांदनी चौक से पुनर्दीप सिंह साहनी (सैबी), पटेल नगर से प्रवेश रतन, मादीपुर से राखी बिडलान, जनकपुरी से प्रवीण कुमार, बिजवासन से सुरेंद्र भारद्वाज, पालम से जोगिंदर सोलंकी, जंगपुरा से मनीष सिसौदिया, देवली से प्रेम कुमार चौहान, त्रिलोकपुरी से अंजना पारचा, पटपड़गंज से अवध ओझा, कृष्णा नगर से विकास बग्गा, गांधी नगर से नवीन चौधरी (दीपू), शाहदरा से पदमश्री जितेंदर सिंह शंटी, मुस्तफाबाद से आदिल अहमद खान को उम्मीदवार बनाया है। इनमें से छह नेता ऐसे है जो हाल ही में कांग्रेस या भाजपा से आआपा में शामिल हुए हैं।

ममता बनर्जी ने बांग्लादेशी नेताओं पर साधा निशाना, कहा- हम चुप नहीं बैठेंगे अगर हमारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश हुई

कोलकाता, (हि. स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य विधानसभा में बांग्लादेश के कुछ नेताओं की उन टिप्पणियों पर कड़ा जवाब दिया, जिनमें कहा गया था कि बांग्लादेश का बंगाल, बिहार और ओडिशा पर वैध अधिकार है। उन्होंने सवाल किया कि क्या भारतीय लोग "लॉलीपॉप खाएंगे" जबकि बाहरी ताकतें हमारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करेंगी। ममता बनर्जी ने कहा कि लोगों को शांत और संयमित रहना चाहिए और बांग्लादेश से आए ऐसे भड़काऊ बयानों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल हमेशा केंद्र सरकार के फैसलों के साथ खड़ा रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे राज्य के इमामों ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों और ऐसी टिप्पणियों की निंदा की है। हिंदू और मुसलमानों सहित सभी समुदायों की नसों में एक ही खून बहता है। हमें साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि पश्चिम बंगाल की स्थिति को खराब होने से रोका जा सके।उन्होंने बांग्लादेश में हालिया घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल ऐसा पहला राज्य है जहां हर जाति, धर्म और समुदाय के लोगों ने मिलकर वहां की स्थिति के खिलाफ सामूहिक विरोध दर्ज कराया। ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों और मीडिया को भी सलाह दी कि वे इस मुद्दे पर जिम्मेदारी से काम करें। उन्होंने कहा, "पश्चिम बंगाल उत्तर प्रदेश नहीं है कि हम आपका प्रसारण प्रतिबंधित कर देंगे। लेकिन राज्य और उसके लोगों के हित में जिम्मेदारी से काम करें। अगर यहां गड़बड़ी होगी तो क्या आप प्रभावित नहीं होंगे ? इसी तरह, अगर बांग्लादेश में स्थिति बिगड़ती है तो इसका असर हमारे रिश्तेदारों और दोस्तों पर भी पड़ेगा। इसलिए टिप्पणी करते समय संयम बनाए रखें।" मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार और पार्टी तृणमूल कांग्रेस विदेश मंत्रालय के दिशा-निदेर्शों का पालन करेगी और इस मुद्दे पर अनावश्यक टिप्पणी से बचेगी। उन्होंने कहा कि हमारे विदेश सचिव बांग्लादेश में वार्ता कर रहे हैं। हमें उनके परिणाम का इंतजार करना चाहिए। हम जिम्मेदार नागरिक हैं और हमारा देश एकजुट है। उल्लेखनीय है कि भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को बांग्लादेशी समकक्ष मोहम्मद जसीम उद्दीन से मुलाकात की।

स्वाति मालीवाल पहुंची गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल, दिल्ली सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, (हि.स.)। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल देर रात दिल्ली के गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल पहुंची। इस दौरान उन्होंने वहां के मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत की। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर दिल्ली सरकार के किए जा रहे सभी दावें केवल छलावा है।

स्वाति मालीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सरकारी अस्पताल का बहुत ही बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि कल रात तीन बजे दिल्ली के सरकारी अस्पताल पहुँचकर वहाँ का हाल देखा। वहां का हाल देखकर उन्हें बहुत ही आश्चार्य हुआ कि यहां पर मरीजो और परिजनों को इतनी ठंड में अस्पताल के बाहर रहना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जो दिखाया जा रहा है वो सिर्फ.एक छलावा है। सब कुछ हवा हवाई है। साथ ही मालीवाल ने बताया कि वे दिल्ली सरकार की फर्जी स्वास्थ्य क्रांति को एक्सपोज करेंगी।

शिमला में विंटर सीजन की पहली बर्फबारी

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में रविवार देररात ताजा बर्फबारी हुई है। वर्षों बाद दिसंबर के दूसरे हफ्ते में शिमला शहर में विंटर सीजन की पहली बर्फबारी हुई। शहर से सटे पर्यटन स्थलों कुफरी, फागू और नारकंडा में भी जमकर बर्फ गिरी है। इसके अलावा लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू, मनाली, चम्बा व सिरमौर के ऊंचे इलाकों और कांगड़ा के धौलाधार की पहाड़ियां भी बर्फ से लकदक हैं।.हिल स्टेशन शिमला में देवदार के पेड़, घरों की छत, रास्ते व सड़कों पर बर्फ की सफेद चादर बिछी है। इस बर्फबारी से सैलानी खुश हो गए हैं और इससे पर्यटन कारोबार को रफ्तार मिलेगी। सैलानियों ने देररात रिज मैदान और मॉल रोड पर नाच-गाकर बर्फबारी का लुत्फ लिया। बर्फबारी के दीदार के लिए बाहर राज्यों से सैलानियों के उमड़ने के आसार हैं। हालांकि ताजा बर्फबारी कई तरह की दिक्कतें भी लेकर आई। शहर की अंदरूनी सड़कों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। शिमला-चंडीगढ़ और शिमला-बिलासपुर नेशनल हाइवे खुले हैं। इस बर्फबारी से अप्पर शिमला को जाने वाले सभी मुख्य सड़कें बंद हो गई हैं। जिला प्रशासन के मुताबिक शिमला से ठियोग, नारकंडा, रोहड़ू, चौपाल और रामपुर जाने वाली मुख्य सड़कें बंद हैं। शिमला-रामपुर नेशनल हाइवे-पांच ठियोग उपमण्डल के तहत फागू व कुफरी में बंद है। ये हाइवे नारकण्डा में भी भारी बर्फ गिरने से अवरुद्ध है। शिमला-चौपाल सड़क चौपाल के खिड़की में बाधित हुई है। प्रशासन ने इन सड़कों पर मशीनरी तैनात कर दी है और यातायात बहाली का कार्य जारी है। दोपहर तक अधिकतर सड़कों के बहाल होने की उम्मीद है। अप्पर शिमला में बर्फबारी में कई वाहन फंस गए हैं और पुलिस के जवान फंसे यात्रियों को रेस्क्यू करवा रहे हैं। चौपाल के रयूनी में बर्फबारी में फंसी कार सवार पांच लोगों को पुलिस ने रेस्क्यू किया। इस बीच शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप ने स्पष्ट किया है कि शिमला के सभी स्कूल आज खुले रहेंगे और बर्फबारी की वजह से किसी भी प्रकार का अवकाश नहीं दिया गया है। इस समय राजधानी शिमला सहित पहाड़ी इलाकों में बादल छाए हैं।

मैदानी हिस्सों में मौसम साफ है। मैदानी जिलों में बीती रात गरज के साथ वर्षा हुई। हमीरपुर, बिलासपुर, ऊना, कांगड़ा और मंडी जिलों में बादलों के बरसने से पिछले 70 दिनों से चल रहा सूखे का दौर खत्म हुआ है। गेहूं की फसल के लिए बारिश का होना फायदेमंद है। बारिश-बर्फबारी से समूचे प्रदेश में शीतलहर तेज हो गई है। जनजातीय व पहाड़ी इलाकों में कई जगह पारा माइनस में पहुंच गया है। मौसम विज्ञान विभाग ने उच्च पर्वतीय व मध्यवर्ती इलाकों में आज व कल भी बारिश-बर्फबारी की संभावना जताई है। वहीं मैदानी इलाकों में मौसम के साफ रहने का अनुमान है। 11 से 14 दिसंबर तक राज्य में मौसम के शुष्क रहने के आसार हैं।

उदयपुर में सर्व हिंदू समाज ने किया विरोध प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

उदयपुर (हिंस)। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे उत्पीड़न पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप करने और इस्कॉन मंदिर के पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की अविलंब रिहाई की मांग को लेकर उदयपुर में मंगलवार सुबह टाउन हॉल से विशाल रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग शामिल हुए। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों के मानवाधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर सर्व हिंदू समाज के बैनर तले निकली इस रैली का नेतृत्व संतों ने किया, जिसमें महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। यह रैली जिला कलेक्ट्रेट तक पहुंची, जहां राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान शांतिपूर्ण ढंग से कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन भी किया गया। ज्ञापन में बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर के मुख्य पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को गैरलोकतांत्रिक और मानवाधिकारों का उल्लंघन बताते हुए गहरी चिंता व्यक्त की गई। सर्व हिंदू समाज ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर लंबे समय से अत्याचार हो रहे हैं, जिसमें वामपंथी और इस्लामिक तत्व शामिल हैं। इन अत्याचारों पर वैश्विक समुदाय और भारत सरकार की निष्क्रियता को भी आड़े हाथों लिया गया। ज्ञापन में कहा गया, *बांग्लादेश प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात रखने वाले हिंदू संगठनों और नेताओं की आवाज को दबाने के लिए अलोकतांत्रिक तरीके अपनाए जा रहे हैं। यह न केवल अमानवीय है, बल्कि हिंदू समाज के मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन भी है।* ज्ञापन में भारत सरकार से आग्रह किया गया कि वह बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाए और हिंदू समुदाय के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कदम उठाए। सर्व हिंदू समाज ने इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार को अपने पड़ोसी देश में हो रहे इन घटनाक्रमों को गंभीरता से लेना चाहिए और आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए। संतों ने कहा कि एक स्वतंत्र और संप्रभु देश की स्वायत्तता का सम्मान करते हुए भी, भारत सरकार यह सुनिश्चित करे कि हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रहे अन्याय और उत्पीड़न को तुरंत रोका जाए। रैली में विशेष रूप से इस्कॉन मंदिर के पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग उठाई गई। ज्ञापन में कहा गया कि उनकी गिरफ्तारी न केवल हिंदू समाज के नेतृत्व को दबाने की कोशिश है, बल्कि यह धार्मिक स्वतंत्रता पर भी हमला है। सर्व हिंदू समाज ने चेतावनी दी कि यदि बांग्लादेश प्रशासन ने इस मामले में जल्द कार्रवाई नहीं की, तो विरोध प्रदर्शन और तेज किए जाएंगे।

पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में तीन लोग गिरफ्तार

भागलपुर (हिंस)। जिले के जगदीशपुर थाना अंतर्गत अवैध खनन मामले में कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में 03 व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उक्त आशय की जानकारी मंगलवार को भागलपुर एसएसपी कार्यालय के हवाले से दी गई। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अवैध खनन, परिवहन, भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बीते सोमवार को पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष जगदीशपुर को सूचना प्राप्त हुई कि कोला खुर्द गांव के तरफ से अवैध बालू लोड ट्रैक्टर आ रही है। सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष जगदीशपुर स्वयं दल-बल के साथ कोला खुर्द पहुंचे, जहां एक अवैध बालू लोड ट्रैक्टर को कब्जे में लिए। ट्रैक्टर को कब्जे में लेने के उपरांत कोला खुर्द गांव के 20-25 की संख्या में बालू माफियाओं ने हथियार एवं लाठी डंडे से लैस होकर पुलिस टीम पर हमला कर उक्त ट्रैक्टर को पुलिस अभिरक्षा से लेकर फरार हो गये। इस मामले में हमलावरों को चिन्हित कर 11 नामजद एवं अज्ञात के विरुद्ध जगदीशपुर थाना अंतर्गत सुसंगत धाराओं में कांड पंजीकृत किया गया।

हिंदुत्व विरोधी ताकतों को रोकने के लिए बांग्लादेश को नकेल कसनी जरूरी

संयुक्त राष्ट्र संघ हिंदुओं पर अत्याचार रोकने के लिए बांग्लादेश पर बनाए दबाव

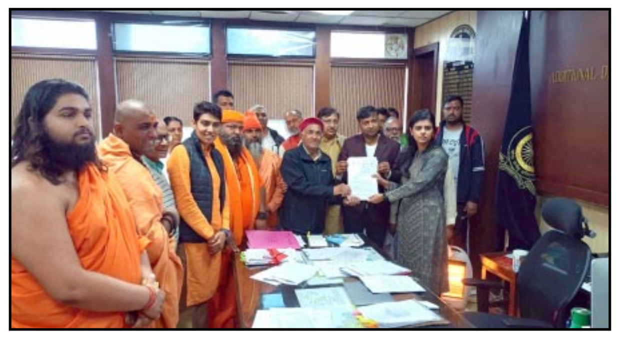

हिसार (हिंस)। बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अन्य अल्पसंख्यकों पर कट्टरपंथियों द्वारा की जा रही ज्यादती और अत्याचारों के खिलाफ शहर के लोगों में भारी रोष है। इसी मामले में मंगलवार को शहर के क्रांतिमान पार्क में राष्ट्रीय एकता मंच के बैनर तले एक रोष जनसभा का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संगठनों के साथ विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों के साथ-साथ शहर के गणमान्य लोगों ने शिरकत की। इसमें वक्ताओं ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। जनसभा के बाद प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय पहुंचकर अतिरिक्त उपायुक्त सी जया श्रद्धा को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में संयुक्त राष्ट्र संघ से इस मामले में हस्तक्षेप कर तुरंत बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाने के साथ साथ केंद्र सरकार से भी इस मामले में सख्त कदम उठाए जाने की मांग की गई। राष्ट्रीय एकता मंच के संयोजक मुकेश बंसल ने बताया कि बांग्लादेश में अगस्त माह से हिंदुओं के साथ लगातार अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। उससे देशभर के हिंदुओं में रोष है। इसी बारे में आज इस जनसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संत समाज हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर काफी गुस्से में दिखा। उन्होंने हिंदुओं को एकजुट होने का संदेश देते हुए इस मामले में पूरी दुनिया के हिंदू समाज से सहयोग की मांग की। जात पात मत पंथ भुलाकर पूरा सनातन समाज एकजुट हो। तभी इस तरह के अत्याचारों को रोका जा सकेगा। उन्होंने कहा कि ये न सोचे कि ये घटनाक्रम बांग्लादेश में हो रहा है, इससे हमारा क्या लेना देना। इस घटनाक्रम को आगे बढ़ने से रोका नहीं गया तो कट्टरपंथियों के हौंसले बढ़ेंगे। हिंदुत्व विरोधी ताकतों को इससे और बढ़ावा मिलेगा। इससे आने वाले समय में देश भी इसी तरह की स्थिति का सामना कर सकता है। ऐसे में वर्तमान समय में इस तरह की ताकतों के खिलाफ सामूहिक एकजुटता का भाव सबसे पहले जरूरी है।

विश्व मानवाधिकार दिवस : दलाई लामा को मिले नोबल शांति पुरस्कार की वर्षगांठ पर काटा केक

जोधपुर (हिंस)। विश्व मानवाधिकार दिवस पर तिब्बत के धर्म गुरु और शांति के उपासक दलाई लामा को मिले नोबल शांति पुरस्कार की 35वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में भारत तिब्बत मैत्री संघ और तिब्बती ऊनी वस्त्र व्यापार संघ की ओर मंगलवार को रेलवे स्टेशन के सामने हनुमान टेंट परिसर में समारोह का आयोजन किया गया। तिब्बती ऊनी वस्त्र व्यापार संघ के प्रधान काशंग ने बताया कि कार्यक्रम में सेवानिवृत्त उच्च एअर चीफ़ जगदीश शर्मा व सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी मुख्य अतिथि एवं भारत तिब्बत मैत्री संघ राजस्थान प्रदेश की अध्यक्ष रेशम बाला एवं महामंत्री एडवोकेट पुखराज जांगिड विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में तिब्बत-भारत के राष्ट्रीय गान के पश्चात तिब्बत संस्कृति का सांस्कृतिक नृत्य एवं गान की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। साथ ही केक काटा। मुख्य अतिथि जगदीश शर्मा ने बौद्ध धर्म की सराहना करते हुए

कहा कि बौद्ध भिक्षु त्याग, तपस्या एवं धर्म अनुसरण की प्रतिमूर्ति है और उनके अनुवाई भारत में शांतिपूर्ण तरीके से व्यापार कर अपनी जीविका उपार्जन करते है। विधायक देवेंद्र जोशी ने कहा कि चीन ने भारत में घुसपैठ करने हेतु तिब्बत से तिब्बतियों को बेदखल कर अपने अधिकार में ले लिया और भारत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उनको भारत में शरण देकर उनको भारत में रहने व व्यापार करने की अनुमति दी। प्रदेश अध्यक्ष रेशमबाला ने कहा कि तिब्बतवासी दलाई लामा को अपना भगवान मानते है और उनके बताये रास्ते पर शांतिपूर्वक जीवन यापन करते हैं। महामंत्री एडवोकेट पुखराज जांगिड़ ने कहा कि चीन ने तिब्बतियों पर अत्याचार किया और सरकार के विरुद्ध तिब्बत महिलाओं ने आंदोलन किया। दलाई लामा ने चीन द्वारा किए अत्याचार से क्षुब्ध होकर तिब्बत छोड़ने का अपने अनुयायी को आदेश दिया और तिब्बतियों ने तिब्बत छोड़ भारत की शरण ली। कार्यक्रम मे समाज सेवी लक्ष्मण बागरणा, भारत तिब्बत मैत्री संघ के एनडी निम्बावत, राजेश राठी, जगदीश तंवर, दिनेश शर्मा, सुखदेव प्रजापत, गिरधारीसिह राजपुरोहित, किशोरीलाल भदरेचा शैलेंद्र चौहान, किशन लाल, सुनिल ओझा , गौरव निम्बावत, दीनदयाल पुरोहित सहित कई लोग सम्मिलित हुए। तिब्बती ऊनी वस्त्र व्यापार संघ के प्रधान काशंग, जिगमे, ज्ञान सिंह नेसबका स्वागत किया। जिला अध्यक्ष शीतल सुराणा ने सबका धन्यवाद दिया।

पंजाब के किसानों का एलान 14 को करेंगे दिल्ली कूच

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के किसानों ने अब 14 दिसंबर को शंभू बॉर्डर से दिल्ली की तरफ कूच करने का ऐलान किया है। मंगलवार को शंभू बार्डर पर हुई किसान संगठनों की बैठक में के बाद किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने यह जानकारी दी। इस बीच आज ही शंभू व खनौरी बार्डर को खोलने के लिए हाईकोर्ट में दायर की गई याचिका पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने इस केस की सुनवाई करने से इनकार कर दिया। यह मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने के कारण हाईकोर्ट ने इस पर सुनवाई नहीं की। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा है कि वह सुप्रीम कोर्ट जाकर अपना पक्ष रखें। इसके बाद याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस ले ली। इस दौरान पंजाब, हरियाणा और केंद्र सरकार के वकील मौजूद रहे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी कल सोमवार को बॉर्डर खोलने की याचिका खारिज कर दी थी। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर और अभिमन्यु कोहाड़ ने बताया कि डल्लेवाल की तबीयत ज्यादा खराब हो गई है। उनका मरणव्रत 15वें दिन में दाखिल हो गया है। उन्हें स्टेज पर आने में भी दिक्कत आ रही है। किडनी और लिवर पर असर पड़ रहा है। डॉक्टरों ने मेडिकल बुलेटिन जारी करते हुए कहा है कि उनका ब्लड प्रेशर 124/95, शुगर 93, पल्स 87 है। वहीं, वजन 11 किलो कम हो चुका है। डल्लेवाल का कहना है कि यह आर-पार की लड़ाई है। मंगलवार को किसानों ने शंभू बॉर्डर पर सफाई अभियान चलाया। सरवन पंधेर का कहना है कि जो पुलिस की तरफ से आंसू गैस के गोले छोड़े गए थे, उनका असर अभी भी है। किसानों ने बॉर्डर पर फैली गंदगी को साफ किया। डल्लेवाल की सेहत की तंदुरूस्ती के लिए 11 दिसंबर को सभी गांवों में धार्मिक स्थलों पर किसान अरदास करेंगे।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समाज पर अत्याचार की निंदा की

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की बैठक चित्तौड़गढ़ में आयोजित हुई। जिसमें बोलते हुए क्षेत्रीय संयोजक अयूब कायमखानी ने बांग्लादेश में आतंकवाद के रूप में अल्पसंख्यक सनातनी समाज पर अत्याचार करने और कत्लेआम करने की निंदा की गई। इस विषय को लेकर पूरे हिंदुस्तान में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन देकर निवेदन कर रहा है कि बांग्लादेश को शक्ति से निर्देश आदेश देकर इस कत्लेआम को रुकवाया जाए। बैठक में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक अबू बकर नकवी, रेशमा हुसैन, क्षेत्रीय संयोजक अयूब कायमखानी, क्षेत्रीय सहसंयोजक संयोजक इरशाद अली, बारां संयोजक एहसान अंसारी, जयपुर के अब्दुल अजीज मौजूद रहे। जो इस विषय को लेकर पूरे प्रदेश भर में निकले हुए हैं।

उप्र के फतेहपुर में नूरी मस्जिद के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

फतेहपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के ललौली कस्बे में नूरी मस्जिद के अवैध निर्माण को मंगलवार को बुलडोजर से ढहा दिया गया। जिला प्रशासन ने नोटिस के बाद यह कार्रवाई की। इसके मद्देनजर मस्जिद और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्र ने मीडियाकर्मियों को बताया कि नूरी मस्जिद के अतिक्रमण वाले हिस्से को जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की मदद से हटा दिया गया है। मस्जिद और उसके आसपास के इलाकों में पांच सीओ, 10 थाना प्रभारी, निरीक्षक, 200 सिपाही, एक कंपनी पीएसी और एक प्लाटून आरएएफ मौजूद हैं। फतेहपुर जिले के बहराइच-बांदा मार्ग (एसएच-13) के एक हिस्से के चौड़ीकरण को लेकर लोक निर्माण विभाग किनारे के अवैध निर्माण को हटा रहा है। ललौली कस्बे में नूरी मस्जिद के प्रबंधन समिति को मार्ग पर अवैध निर्माण के संबंध में लोक निर्माण विभाग ने विगत 17 अगस्त को नोटिस दी थी। 24 सितंबर को ललौली कस्बे स्थित अवैध निर्माण को अभियान चलाकर लोक निर्माण विभाग ने हटा दिया था। इस दौरान सड़क पर मस्जिद वाले हिस्से के अतिक्रमण को हटाने के लिए मस्जिद प्रबंधन समिति ने कुछ वक्त मांगा था। मस्जिद प्रबंधन ने कहा था कि उक्त अवैध निर्माण को वे स्वयं ढहा देंगे, लेकिन उनके द्वारा अवैध निर्माण को हटाया नहीं गया। इस पर मंगलवार सुबह जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध निर्माण को बुलडोजर से ढहा दिया।

सरकार जल्द करे गन्ने का भुगतान : सुभाष गुर्जर

यमुनानगर (हिंस)। जगाधरी में भारतीय किसान यूनियन के जिला संगठन के विस्तार को लेकर एक अहम बैठक हुई, जिसमें मान सिंह मजाफत को सर्वसम्मति से जिला संरक्षक चुना गया। मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन की एक अहम बैठक जगाधरी में दीप राणा प्रदेश उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने कहा कि आज संगठन का विस्तार करते हुए मानसिंह गुर्जर मजाफत को जिला संरक्षक बनाया गया। उन्होंने कहा कि जिले में भारतीय किसान यूनियन का संगठन बहुत मजबूत है और यह संगठन देश में नरेश टिकैत, राकेश टिकैत तथा प्रदेश में रतनमान के नेतृत्व में कार्य कर रहा है। हमारा यह एक गैर राजनीतिक संगठन है। उन्होंने बताया कि आज किसानों को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

No.BDB/Tender/46/2023-24/3511 — *Dtd.10/12/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable Court fee stamp of Rs.8.25(Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 days which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered contractors of class-I (A,B & C),Class-ll & Class III category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC according to their eligibility for submitting tenders for the works under 15th FC (Tied Grant) under P&RD Dept. BTR Kokrajhar for the year 2023-24 during 2024-25 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 2.00PM on 3/1/25 and will be opened on the next date (as on 4/1/25) & place at 2.30 PM.

Sl. No.	Name of activity.	A.A amount (Rs. In Lakh)	Tender Value (in Lakhs)	EMD/Bid Security (Earnest Money) (in Rs.)	Cost of Tender paper (in Rs.)	Pre-bid date and Time.	Last date & time of bid submission.	Date & Time of bid opening..	Time of completion of Work.
1.	"Const. of Community Toilet at Thandagami Bathou Mondir".	10,47,960/-	10,47,960 /-	1% for ST,SC & 2% for Gen, OBC, Enterprise.	320	12/12/24	3/1/25	4/1/25	6 month

Detail N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from 12/12/24 to 4/1/25 up to 1.30 PM. In the office of the undersigned on payment in the form of demand draft/bankers cheque from any Nationalized Bank, duly pledged in favour of the Principal Secretary ,BTC Kokrajhar payable at Kokrajhar. The Contractor should attested copy of latest registration certificate, latest certificate of Income Tax and Sales Tax GST registration ,Pan Card along with the tenders. In case the office remains closed on tender issuing/opening date the same will be issued/received/opened on the next working day without further notification(The successful tenderer has to be submit 1% (one p/c,in case of ST/SC) and 2% (two p/c, in case of General OBC and Firm/ Enterprise). Earnest Money against the work in the form of PDR/Banker cheque/D. Draft from any Nationalized Bank duly pledge to the Block Dev. Officer ,Bhergaon Dev. Block , Bhergaon as mentioned above at the time of allotment of work. The Block Dev. officer Bhergaon Dev. Block reserves the right of accepting of tender papers or outright rejection of the same without assigning any reason thereof.

Sd/-Block Development Officer,
Bhergaon Development Block, Bhergaon

IPR(BTC)-2023-24/1057

पृष्ठ तीन का शेष

हमें इजराइल से ...

है। इसके अलावा, असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देना, गोहपुर में कनकलता विश्वविद्यालय की स्थापना करना आदि भी असम की विरासत की सुरक्षा और संरक्षण के लिए राज्य सरकार के प्रयास को दर्शाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि असम आंदोलन के शहीदों के सम्मान में, राज्य सरकार गुवाहाटी में 100 करोड़ रुपये की वित्तीय परिव्यय वाली एक स्मारक भी बना रही है।

प्रधानमंत्री ने असम ...

पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने लिखा कि वास्तव में माननीय प्रधानमंत्री जी। शहीद दिवस, जाति, माटी, भेटी के सम्मान की रक्षा में असम आंदोलन के शहीदों के शानदार योगदान को याद करने का एक पवित्र अवसर है। आपके समर्थन से, आंदोलन के कई उद्देश्य हमारी सरकार द्वारा पूरे किए जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ...

विचार करते हुए उन्होंने कहा कि उनके बलिदान की गाथा अमर रहे और आने वाली पीढ़ियों को न्याय और एकता के आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करे।

इंफाल में अफस्पा...

पुलिस थाना क्षेत्रों में एएफएसपीए लगाने के खिलाफ किया गया था। पिछले साल मई से इंफाल घाटी स्थित मेइतेई और निकटवर्ती पहाड़ी स्थित कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में मणिपुर में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

असम और त्रिपुरा ...

चुना गया है। बेचर्रा, राजकांग, देबबारी और दक्षिण मनुबंकुल को दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार के तहत चुना गया है। इसी तरह, अमरपुर और गोमती ग्राम पंचायत को नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत निरंतर विकास पुरस्कार के तहत चुना गया है, जबकि ठकचरा ग्राम पंचायत को ग्राम ऊर्जा स्वराज विशेष पंचायत पुरस्कार के लिए चुना गया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं ...

पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देश, जिनकी नींव कट्टरपंथ पर टिकी है, अपने अल्पसंख्यकों की रक्षा नहीं कर सकते। मैं जानता हूं कि हमारे देश में ऐसे लोग हैं जो पाकिस्तान के क्रिकेट मैच जीतने पर खुशी मनाते हैं।

मुंबई में बेकाबू ...

तेज रफ्तार बस आती दिखी, जिसके बाद लोगों में चीख-पुकार मच गई। लोग बचने के लिए भागने लगे लेकिन बस ने कुछ वाहनों और लोगों को रौंद दिया। लोगों ने पुलिस से बस ड्राइवर के नशे में होने की भी बात कही। पुलिस ने मौके से भीड़ को हटाते हुए बस ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

धनखड़ के खिलाफ ...

गठबंधन अविस्वास प्रस्ताव लेकर आएगा। इस अविस्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए लिखा कि राज्यसभा के सभापति के खिलाफ औपचारिक रूप से अविस्वास प्रस्ताव पेश करना इंडी गठबंधन के लिए मजबूरी थी। उनके पास और कोई विकल्प नहीं रह गया था। सभापति सदन की कार्यवाही को बेहद पक्षपातपूर्ण रवैये के साथ संचालित कर रहे थे।

जज की टिप्पणी पर ...

असमान कानूनी प्रणालियों को खत्म करके सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया था।

साइबर अपराध और ...

बुद्धिमान एजेंट हो सकता है। राष्ट्रपति आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा आयोजित मानवाधिकार दिवस समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की 5 हजार वर्षों से अधिक की सभ्यतागत विरासत के साथ सहानुभूति, करुणा और सामंजस्यपूर्ण समुदाय के भीतर व्यक्तियों के परस्पर जुड़ाव के मूल्यों को लंबे समय तक कायम रखा है।

लिंगायत समुदाय ने ...

झड़प की खबर सामने आई है। प्रदर्शनकारियों ने पहले ही कहा था कि अगर उनकी मांग को नहीं माना गया तो वे विधान सौध की घेराबंदी करेंगे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। इसके बाद पुलिस ने विपक्षी भाजपा के कई विधायकों और मृत्युंजय स्वामीजी के साथ-साथ उनके कई समर्थकों को एहतियातन हिरासत में ले लिया है। कर्नाटक में लिंगायत पंचमसाली समुदाय के लोगों द्वारा जारी इस विरोध प्रदर्शन ने कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक विवाद को भी जन्म दिया है।

2025 को लेकर...

से टकराएगा या फिर धरती के बिल्कुल करीब आ जाएगा। हालांकि वर्तमान समय में धरती की ओर किसी एस्टरॉइड का आना नई बात नहीं है। हर साल ऐसी तमाम खबरें पढ़ते ही होंगे।

वीवीपैट और ईवीएम...

की वकालत की। 2 दिसंबर को, चॉकलिंगम ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के साथ छेड़छाड़ के संबंध में झूठे दावे या आक्षेप फैलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। उनका यह बयान हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी को लेकर महा विकास अघाड़ी नेताओं के लगातार आरोपों के बीच आया है। चोकलिंगम ने रेखांकित किया था कि इन मामलों को सनसनीखेज बनाने के किसी भी प्रयास से गंभीरता से निपटा जाएगा क्योंकि अधिकारी इस मुद्दे की जांच तेज कर देंगे। इससे पहले, महाराष्ट्र एनसीपी-एसपी प्रमुख जयंत पाटिल ने हाल के विधानसभा चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल पर चिंता जताई और शाम 5 बजे के बाद मतदान प्रतिशत में वृद्धि पर सवाल उठाया। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में जनता का विस्वास बहाल करने के लिए मतपत्रों की वापसी का आह्वान किया।

मोहम्मद अल-बशीर ...

से पहले बशीर पहले विद्रोहियों के कब्जे वाली एक छोटी सी जगह में प्रशासन चलाते थे। वह इस्लामी समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) की देखरेख वाली संस्था में थे। आने वाले संक्रमणकालीन प्रधान मंत्री ने साल्वेशन सरकार का भी नेतृत्व किया, जिसने केवल उत्तर-पश्चिमी सीरिया और इदलिब के कुछ हिस्सों पर शासन किया। जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है, हालांकि अधिकतर दुकानें और सार्वजनिक संस्थान बंद रहे। सड़कों पर कुछ लोग अब भी जश्न मना रहे हैं। यातायात फिर से शुरू हो गया, लेकिन कोई सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध नहीं है। सीरिया में विद्रोही गुट यानी रिबेल ग्रुप ने सीरिया के कई शहरों पर कब्जा जमा लिया है।

संपादकीय

टीम इंडिया का 'आत्मसमर्पण'

खेल में हार-जीत खेल का अंतरंग हिस्सा है। क्रिकेट की टीम इंडिया ने पर्थ टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों की शर्मनाक पराजय दी थी, लेकिन अब एडिलेड टेस्ट में टीम इंडिया को 10 विकेट की करारी हार झेलनी पड़ी। दरअसल ये पराजय नहीं, टीम का आत्मसमर्पण है और ऐसा खेल चिंतित करता है। टीम इंडिया ने टेस्ट चैंपियनशिप के खिताब भी जीते हैं और पिछले दो मुकाबलों में वह उप-विजेता रही है। टीम इंडिया टी-20 और एकदिनी क्रिकेट में भी विश्व चैंपियन रही है। ये संतुष्टि की दलीलें नहीं हैं। दरअसल यह टीम इंडिया का संक्रमण-काल है। बेशक विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट में भी महान बल्लेबाज रहे हैं। कोहली 9000 से अधिक रन बना चुके हैं, लेकिन अब रिकॉर्ड से आंखें मूंदनी चाहिए और खेल की हकीकत को समझना चाहिए। खेल के लिहाज से विराट और रोहित 'उम्रदराज' हो चुके हैं। कभी गावस्कर से लेकर सचिन तेंदुलकर तक बल्लेबाज धीमे और धूमिल हुए हैं, लेकिन बल्लेबाजों की पीढियां आती रही हैं। यदि हमें शर्मनाक हार के दंश झेलने ही हैं, तो नए खिलाडियों को मौका दिया जाना चाहिए। एडिलेड की पराजय आत्मसमर्पण जैसी रही है, क्योंकि तीसरे दिन ही टेस्ट मैच समाप्त हो गया। टीम इंडिया ने दोनों पारियों में ऑलआउट होते हुए कुल 486 गेंदें ही खेली। यह सबसे कम बल्लेबाजी का चौथा उदाहरण है। टीम इंडिया टेस्ट मैच में 19वीं बार 10 विकेट से हारी है। विराट ने कुल 18 रन ही बनाए और कप्तान रोहित शर्मा ने मात्र 9 रन बनाकर ही अपना दायित्व निभा दिया! रोहित एक लंबे समय से शतकीय बल्लेबाजी नहीं कर पाए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने इन दोनों खिलाडियों का सालाना अनुबंध 7 करोड़ रुपए से अधिक तय कर रखा है। के. एल. राहुल का अनुबंध भी 5 करोड़ रुपए का है। ये एक किस्म के वेतन हैं और 'विराट' खिलाड़ी होने के कारण बाजार उन्हें करोड़ों रुपए के विज्ञापनों का चेहरा भी बनाता है। इतना पैसा भारत के किसी भी खिलाड़ी के हिस्से में नहीं है, लिहाजा बल्लेबाजों को अपनी राष्ट्रीय भूमिका भी समझनी चाहिए। बेशक इन खिलाडियों की बल्लेबाजी बेजोड़ रही है, लेकिन देश यह अपेक्षा नहीं करता कि 'विराट' बल्लेबाज शून्य पर अथवा 5-7 रन बनाकर ही पैवेलियन लौटते रहें। नए बल्लेबाजों में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल बहुत अच्छे और ठोस खिलाड़ी हैं, लेकिन उनका खेल बेहद 'अनिश्चित' है। टीम इंडिया के कथित विख्यात बल्लेबाज दोनों पारियों में 200 रन भी पार नहीं कर सके। पांच बल्लेबाज 50 रन के भीतर ही लुढक़ गए। एक भी बल्लेबाज ने अद्र्धशतक की पारी नहीं खेली। गेंदबाजों में सिर्फ बुमराह ही असरदार रहे और उन्होंने विकेट भी झटके। अश्विन 500 से अधिक टेस्ट विकेट ले चुके हैं, लेकिन विदेशी पिच पर वह बेजान, बेअसर ही रहे। सिराज ने हैड को शतक बनाने के बाद बोल्ड किया, लेकिन वह भी ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को बांध नहीं सके। एडिलेड की हार से टीम इंडिया वल्र्ड टेस्ट चैंपियनशिप में पहले स्थान से तीसरे स्थान पर लुढक़ आई है। उस पर फाइनल खेलने का खतरा मंडरा रहा है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि 'गुलाबी गेंद' में स्विंग ज्यादा और देर तक बरकरार रहती है। आईपीएल और सीमित ओवर खेल की बहुतायत ने हमारे कथित महान बल्लेबाजों का धैर्य, गेंद छोडऩे की कला और बैकफुट खेल को प्रभावित किया है। 'गुलाबी गेंद' पर पॉलीयुरेथेन की चिकनी परत चढ़ाई जाती है, लिहाजा टप्पा खाकर गेंद स्किड होती है और स्विंग-स्किड के मिश्रण ने भारतीय बल्लेबाजों का खेल तबाह कर दिया है।

> क्रिकेट की टीम इंडिया ने पर्थ टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों की शर्मनाक पराजय दी थी, लेकिन अब एडिलेड टेस्ट में टीम इंडिया को 10 विकेट की करारी हार झेलनी पड़ी। दरअसल ये पराजय नहीं, टीम का आत्मसमर्पण है और ऐसा खेल चिंतित करता है। टीम इंडिया ने टेस्ट चैंपियनशिप के खिताब भी जीते हैं और पिछले दो मुकाबलों में वह उप-विजेता रही है। टीम इंडिया टी-20 और एकदिनी क्रिकेट में भी विश्व चैंपियन रही है। ये संतुष्टि की दलीलें नहीं हैं। दरअसल यह टीम इंडिया का संक्रमण-काल है। बेशक विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट में भी महान बल्लेबाज रहे हैं। कोहली 9000 से अधिक रन बना चुके हैं, लेकिन अब रिकॉर्ड से आंखें मूंदनी चाहिए और खेल की हकीकत को समझना चाहिए। खेल के लिहाज से विराट और रोहित 'उम्रदराज' हो चुके हैं। कभी गावस्कर से लेकर सचिन तेंदुलकर तक बल्लेबाज धीमे और धूमिल हुए हैं, लेकिन बल्लेबाजों की पीढियां आती रही हैं। यदि हमें शर्मनाक हार के दंश झेलने ही हैं, तो नए खिलाडिय़ों को मौका दिया जाना चाहिए।

एक विद्रोही नेता ने बयान दिया है कि उनके आदमी कई सालों से तुर्की में प्रशिक्षण ले रहे थे

सीरिया की जंग अभी खत्म नहीं हुई है

राजेश कुमार पासी

> असद की सत्ता खत्म होने से पूरी दुनिया में सुन्नी मुस्लिम समुदाय में खुशी की लहर दौड़ गई है । इसके अलावा दुनिया भर में वामपंथी और लिबरल समुदाय बहुत खुश है क्योंकि उसे लगता है कि एक तानाशाह की सत्ता का अंत हो गया है । यह सच है कि असद एक क्रूर तानाशाह थे लेकिन जो लोग सत्ता में आ रहे हैं, वो उनसे बड़े तानाशाह और क्रूर साबित होने वाले हैं । बड़ी अजीब बात है कि जिहादी गुट हयात तहरीर अल-शाम(एचटीएस) ने सिर्फ दस दिनों में असद की सत्ता को खत्म करके सीरिया पर कब्जा कर लिया

सीरिया से बशर अल-असद की सत्ता खत्म हो गई है. असद परिवार पिछले 50 सालों से सीरिया की सत्ता पर काबिज था । असद की सत्ता खत्म होने से पूरी दुनिया में सुन्नी मुस्लिम समुदाय में खुशी की लहर दौड़ गई है । इसके अलावा दुनिया भर में वामपंथी और लिबरल समुदाय बहुत खुश है क्योंकि उसे लगता है कि एक तानाशाह की सत्ता का अंत हो गया है । यह सच है कि असद एक क्रूर तानाशाह थे लेकिन जो लोग सत्ता में आ रहे हैं, वो उनसे बड़े तानाशाह और क्रूर साबित होने वाले हैं । बड़ी अजीब बात है कि जिहादी गुट हयात तहरीर अल-शाम(एचटीएस) ने सिर्फ दस दिनों में असद की सत्ता को खत्म करके सीरिया पर कब्जा कर लिया है । इतने दिनों से चल रहे सत्ता संघर्ष में अचानक ये सब नहीं हुआ है । इसके पीछे अमेरिका, इजराइल और तुर्की का हाथ है । एक विद्रोही नेता ने बयान दिया है कि उनके आदमी कई सालों से तुर्की में प्रशिक्षण ले रहे थे । एचटीएस के नेता जोलानी ने कहा है कि उसे बशर अल-असद की सत्ता को उखाड़ फेंकने का काम दिया गया था और उसने वो पूरा कर दिया है । असद सरकार को रूस, ईरान, चीन और इराक से समर्थन मिल रहा था लेकिन मुख्य रूप से उसकी मदद रूस और ईरान कर रहे थे । रूस यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझा हुआ है और ईरान इजराइल के साथ संघर्ष के कारण कमजोर हो चुका है । इसके अलावा असद को हिजबुल्लाह का भी सहयोग मिल रहा था लेकिन इजराइल से संघर्ष के कारण हिजबुल्लाह असद सरकार की मदद नहीं कर पाया । दूसरी तरफ विद्रोहियों को अमेरिका, तुर्की, सऊदी अरब, इजराइल और अन्य यूरोपीय देशों से सैन्य और वित्तीय मदद मिल रही थी । यही कारण है कि विद्रोहियों को इतनी आसानी से असद सरकार को उखाड़ फैंकने में सफलता प्राप्त हो गई । इसके अलावा सीरिया की जनता भी असद सरकार से परेशान थी इसलिए सत्ता परिवर्तन आसानी से हो गया । एचटीएस प्रमुख अबु मोहम्मद अल-जोलानी जिसे आज स्वतंत्रता सेनानी बताया जा रहा है, वो कभी अलकायदा का सदस्य था और अमेरिका ने उस पर एक करोड़ डॉलर का इनाम रखा हुआ था । इस आदमी का आईएसआईएस से भी सम्बन्ध रहा है । एक आतंकवादी को उदारवादी नेता की तरह अमेरिका का डीप स्टेट प्रस्तुत कर रहा है । कितनी अजीब बात है कि जिस आतंकवादी नेता पर अमेरिका ने इतना बड़ा इनाम रखा हुआ था, उसी व्यक्ति की जीत पर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और दूसरे यूरोपीय देश जश्न मना

रहे हैं । जोलानी की सत्ता आना सीरिया में नये युग की शुरुआत बताया जा रहा है । जिस अलकायदा को खत्म करने के नाम पर अमेरिका ने लाखों लोगों को मौत के घाट उतार दिया, आज उसी अलकायदा के नेता को सत्ता में बिठाकर शांति की उम्मीद की जा रही है । जो बाईडन ने सीरिया को आर्थिक पैकेज देने का भी ऐलान कर दिया है । अब सवाल उठता है कि जोलानी के आने के बाद क्या सब कुछ शांत हो जायेगा । आईएसआईएस इस मौके का वर्षों से इंतजार कर रहा था । असद के जाने के बाद सीरिया में अराजकता पैदा होने वाली है और अराजकता आईएस के लिए खाद का काम करती है। सद्दाम हुसैन के जाने के बाद पैदा हुई अराजकता ने ही आईएस को इराक में खड़ा होने का अवसर दिया था । वो अब अपने कब्जे वाले इलाके से बाहर आकर सीरिया के अन्य इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश करेगा और इसके कारण उसका संघर्ष जोलानी की सेना से होगा । यह बात अमेरिका भी जानता है इसलिए उसने जोलानी की जीत के तत्काल बाद आईएस के कब्जे वाले इलाकों पर बड़ा हमला किया है । डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद क्या होगा, यह देखना होगा । ट्रंप ने कहा है कि सीरिया हमारा दोस्त नहीं है. वहां जो कुछ भी हो रहा है, उससे हमें कोई मतलब नहीं है क्योंकि यह हमारी लड़ाई नहीं है । मतलब साफ है कि अगर आईएस सीरिया में आगे बढ़ता है तो ट्रंप के आने के बाद सीरिया को बचाने अमेरिका नहीं आने वाला है । आईएस से निपटना जोलानी के लिए आसान होने वाला नहीं है क्योंकि अब उसे अमेरिका और इजराइल की मदद मिलना मुश्किल होने वाला है । असद परिवार को रूस सीरिया से निकाल कर ले गया है और अपने देश में उनको शरण दे दी है । अभी रूस और ईरान इस हालत में नहीं हैं कि वो कुछ कर सके लेकिन आगे चलकर सीरिया के हालात क्या मोड़ ले सकते हैं, कुछ कहा नहीं जा सकता । रूस और ईरान को मौका मिला तो वो असद को फिर सीरिया की सत्ता में बिठा सकते हैं । असद का जिंदा रहना सीरिया की राजनीति में कभी भी बदलाव ला सकता है । अगर लीडर जिंदा रहता है तो वो कभी भी वापिसी कर सकता है । इसलिए यह सोचना कि असद की सत्ता हमेशा के लिए खत्म हो गई है, अभी जल्दबाजी होगी । इजराइल को असद सरकार के जाने का सबसे बड़ा फायदा हुआ है । पिछले 50 सालों से इजराइल की तमन्ना थी कि वो गोलान हाइट्स और सीरिया के कुछ अन्य क्षेत्रों पर कब्जा कर ले । उसने गोलान हाइट्स के बफर जोन पर कब्जा कर लिया है और आगे बढ़ रहा है । इजराइल कहां जाकर रुकेगा, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता । एक तरफ इजराइल असद के जाने की खुशी मना रहा है तो दूसरी तरफ वो बफर जोन पर कब्जा कर रहा है । इसके अलावा इजराइल ने सीरिया के कई इलाकों पर भारी बमबारी की है । इसका मतलब साफ है कि इजराइल जानता है कि आगे चलकर एचटीएस उसके लिए खतरा बन सकता है इसलिए उसने सीरिया के सैन्य अड्डों पर हमला किया है । इजराइल अपने हमलों से सीरिया के सैन्य अड्डों को खत्म कर रहा है ताकि भविष्य में उनका इस्तेमाल एचटीएस न कर सके । ईरान के लिए बड़ी समस्या यह खड़ी हो गई है कि उसका हिज्बुल्लाह और हमास से सड़क सम्पर्क टूट गया है । सीरिया पर एचटीएस के कब्जे के बाद वो अब हिज्बुल्लाह और हमास को हथियार सप्लाई नहीं कर पायेगा । ऐसी हालत में इजराइल ईरान के दोनों संगठनों को खत्म कर सकता है । सीरिया में रूस का वायुसेना और नौसेना का अड्डा है । विद्रोहियों ने रूस को आश्वासन दिया है कि वो रूस के अड्डों की सुरक्षा करेंगे और उन पर हमला नहीं किया जायेगा । अब देखना होगा कि वो अपने वादे पर कितना अमल करते हैं । सीरिया का बड़ा हिस्सा कुर्दों के पास है. असद सरकार कुर्दों के साथ समझौता कर चुकी थी और उनके साथ संघर्ष नहीं कर रही थी । अब कुर्दों का जोलानी से संघर्ष होना तय दिखाई दे रहा है क्योंकि कुर्द अपने कब्जे वाले इलाके से आगे बढ़ने की कोशिश कर सकते हैं । अब देखना होगा कि अमेरिका कुर्द और एचटीएस के बीच संघर्ष होने पर क्या करता है क्योंकि ये दोनों ही अमेरिका के सहयोगी हैं और दोनों को ही अमेरिका से मदद मिल रही है । एचटीएस के सत्ता में आने के बाद तुर्की भी कुर्दों पर हमला कर सकता है । कुर्दों को लेकर अमेरिका और तुर्की में विवाद बढ़ सकता है ।

दृष्टि कोण

जलवायु परिवर्तन की चुनौती और समाधान

मनुष्य आज विकास के पथ पर अग्रसर है। हर रोज विकास की नई गाथाएं लिखी जा रही हैं। कई देश एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में हैं। यह विकास किस कीमत पर हो रहा है, इसकी अभी किसी को फिक्र नहीं है। विकास की कीमत चुकानी ही पड़ती है, इसमें कोई दो राय नहीं। हम भी कुछ हद तक विकास से होने वाले विनाश को समझ रहे हैं, या यूं कह सकते हैं कि विनाश का आभास हमें हो रहा है। आज मानव समाज के सामने सबसे बड़ा खतरा सामने आ रहा है और वो है पर्यावरण में असंतुलन। मनुष्य प्रकृति से इतना खिलवाड़ कर चुका है कि प्रकृति बहुत हद तक खोखली हो चुकी है। और नतीजा यह है कि आज जलवायु परिवर्तन जैसी विकट स्थिति देखने को मिल रही है। जलवायु परिवर्तन का अर्थ है लंबे समय तक जलवायु में महत्वपूर्ण परिवर्तन। यह परिवर्तन प्राकृतिक प्रक्रियाओं और मानवीय गतिविधियों दोनों के कारण हो सकता है। हालांकि, वर्तमान समय में मुख्य रूप से मानवीय गतिविधियां, जैसे जीवाश्म ईंधन का जलाना, वनों की कटाई और उद्योगों से निकलने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, इसके लिए जिम्मेदार हैं। जलवायु परिवर्तन मनुष्य को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। जलवायु परिवर्तन से फसलों पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। आज जिन क्षेत्रों की कृषि भूमि बारिश पर निर्भर करती है, वहां की फसलें सबसे अधिक प्रभावित हैं। समय पर बारिश न होना और जिस समय आवश्यकता नहीं, उस समय अधिक बारिश होना, यह जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण है। आज जलवायु परिवर्तन के कारण ही समय पर फसलों की बुआई नहीं हो पा रही है। जिन क्षेत्रों में सर्दी के समय हर समय बर्फ रहती थी आज वो क्षेत्र गर्मी की चपेट में आ चुके हैं। पहाड़ी इलाकों में कई ऐसे गांव थे जहां पंखे के लिए जगह नहीं रखी जाती थी। आज उन जगह पर एसी पहुंच गए हैं। जलवायु परिवर्तन के इससे भी भयंकर परिणाम देखने को मिल रहे हैं। बरसात के समय इतनी अधिक बरसात हो रही है कि गांव के गांव भूस्खलन की जद में आ रहे हैं। लोग घरों से बेघर हो रहे हैं। गर्मी अपनी चरम पर पहुंच रही है। कई वर्षों पुराने ग्लेशियर पिघल रहे हैं जिससे समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है। समुद्र के नजदीक के क्षेत्र जो कई वर्षों से वहां रह रहे थे, आज समुद्र में समा रहे हैं। इतने खतरनाक परिणाम आज जलवायु परिवर्तन के देखने को मिल रहे हैं, जो सीधे तौर पर हमारे जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। तो आखिर प्रश्न उठता है कि ये सब जलवायु परिवर्तन के कारण क्या हैं? आज पूरा विश्व इस मुद्दे पर बातचीत कर रहा है। सभी बड़े-बड़े सम्मेलनों में जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंता जाहिर की जाती है। 2015 में पैरिस समझौता जलवायु परिवर्तन को लेकर एक अहम समझौता माना जाता है जिसमें कई मुद्दों पर सहमति बनी और वैश्विक स्तर पर तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित करना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करना इसका मुख्य उद्देश्य था। जलवायु परिवर्तन पूरी तरह से मानव निर्मित है। आज हम अपनी विकास की अंधाधुंध दौड़ में पर्यावरण जैसे अहम मुद्दे को नजरअंदाज कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कई कारण हैं, परंतु सबसे अहम कारण अगर मैं समझ पाता हूं तो वो है पेड़ों का अंधाधुंध कटान। पेड़ ही पर्यावरण को बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। वनों की कटाई से बारिश पर बहुत प्रभाव पड़ता है। आज बारिश अनियमित हो चुकी है और जब बारिश नहीं होगी तो प्रकृति का संतुलन बिगडऩा स्वाभाविक है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले 150 सालों में धरती का तापमान 1.5 डिग्री बढ़ चुका है। अब आगे आने वाले समय में इसकी रफ्तार और बढ़ेगी। कभी हम कहते थे कि जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणाम होंगे और आज हम कह रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणाम हम भुगत रहे हैं। कभी नवंबर माह में पहाड़ बर्फ से भरे होते थे, आज बारिश का नामोनिशान नहीं है। आज बढ़ती जनसंख्या, बढ़ते औद्योगीकरण की कीमत पर्यावरण को प्रदूषित के रूप में हम चुका रहे हैं। शहरीकरण और औद्योगिक विकास के कारण आज ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भारी बढ़ोतरी हुई है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्या का जन्म हुआ और आज ग्लोबल वार्मिंग के कारण पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। आप यह जान कर हैरान हो जाएंगे कि कि पिछले 20 वर्षों में 28 ट्रिलियन बर्फ पिघल चुकी है। यदि इसी रफ्तार से जलवायु परिवर्तन होता रहा तो वर्ष 2100 तक आर्कटिक क्षेत्र की बर्फ पूरी तरह पिघल जाएगी। औद्योगिक क्रांति के बाद से, वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर लगभग 50 फीसदी बढ़ गया है। वर्तमान में, सीओ-2 का स्तर 417 पीपीएम (पाट्र्स पर मिलियन) तक पहुंच गया है जो 800000 वर्षों में सबसे अधिक है।

कुछ अलग

स्मार्ट सिटी में यमराज

स्मार्ट सिटी धर्मशाला के वार्ड नंबर 13 में करीब तीन दशक पहले बसे प्रोफेसर साहिब कई दिनों से बीमार चल रहे थे। अगर वक्त कुछ दशक पहले का होता तो शायद अब तक लटक लिए होते। लेकिन अब समय दुआओं नहीं, दवाइयों का है। इसलिए व्यक्ति की औसत आयु के साथ जनसंख्या भी बढ़ी है। यम का काम कई गुणा बढ़ा है। पर विश्वकर्मा सरकारी मिलीभगत के चलते भारत में हो रहे बेतरतीब निर्माण के चलते हार-थक बैठ गए हैं। सेंट्रल विस्टा में जल भराव एवं छत टपकने और बुलेट ट्रेन के लिए बन रहे पुल गिरने के बाद उन्हें एहसास हो चुका है कि अब इस देश में लोगों के लिए सामाजिक हितों की जगह निजी स्वार्थ सर्वोपरि हैं। रामभरोसे जीने वाली कौम में न बेतरतीब व्यवस्था को ठीक करने की तमीज़ होती है और न क्रांति का बिगुल बजाने की हिम्मत। फिर ग्लोबल वार्मिंग के चलते शिव के तांडव में ज़्यादा समय भी शेष नहीं बचा। यम की डिजिटल डायरी में जैसे ही प्रोफेसर साहिब के सांसों की सैकेंड की सुई अटकने के कारण पॉप-अप होने लगा, वह वार्ड नंबर13 में भैंसे के साथ प्रकट हो गए। गूगल मैप के सहारे जैसे ही वह मेन सडक़ से प्रोफेसर साहिब के घर की ओर मुड़े, असमंजस में पड़ गए। गलीनुमा सडक़ में उनके भैंसे से भी बड़ा सांड खड़ा था। दुनिया भर के प्राण हरने वाले यम आज़ादी के अमृत काल में छुट्टा घूम रहे सांड से घबरा गए। सांड उन्हें घूर रहा था। यम को लगा कि अगर उन्होंने अपने पाश या गदा से किसी तरह सांड को हटाने की कोशिश की, तो हो सकता है कि कोई गौरक्षक उन पर हमला कर दे। पर उन्होंने ख़ुद को यह बोल कर तसल्ली दी कि यह पढ़े-लिखों की कॉलोनी है। इतने में एक घोड़े वाला घोड़ों पर बजरी लेकर आया तो सांड के एक तरफ होने पर यम भी आगे बढ़ लिए। लेकिन आगे फिर रास्ता बंद था। गूगल मैप की मां-बहिन एक करते हुए उन्हें ध्यान आया कि वह देवता हैं। उन्हें अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। अचानक पानी बरसने लगा। यम जिस गली में खड़े थे, वह देखते-देखते ही नाले में बदल गई। उन्होंने किसी तरह भैंसे को आगे बढ़ाया। तंग आकर उन्होंने चित्रगुप्त को फोन लगाया कि मुझे दिव्य मानचित्र भेजो। गूगल मैप काम नहीं कर रहा। चित्रगुप्त ने कहा कि कुछ देर बाद उस रास्ते पर प्रोफेसर साहिब के घर काम करने वाली आने वाली है, उससे पूछ कर घर तक पहुंच जाएं। यह सुनकर यम की सांस में सांस आई। प्रोफेसर साहिब के घर काम करने वाली महिला के सामने आते ही यमराज उस पर प्रसन्न होकर उसके सामने प्रकट हो गए। हर रोज़ मौत का सामना करने वाले आम मज़दूर की तरह वह उनसे डरी नहीं। जब यमराज ने उसे वर मांगने को कहा तो वह बोली, 'नगर नियोजन और नगर निगम वालों ने इस ख़ूबसूरत शहर को बिगाडऩे में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। प्रभु! आप इस स्मार्ट सिटी के ऊनी गोले जैसे उलझे रास्तों को सुलझा दें।' उन्होंने झेंपते हुए महिला से माफी मांगी और अपनी अक्षमता जताने के बाद प्रोफेसर साहिब के घर का रास्ता पूछा। महिला उन्हें वापस उसी बड़े गेट के पास ले आई, जहां से वह वापस हुए थे। उसने गेट खोला तो वह बोले, 'बहिन, यह किसी और का घर है। वह ऐतराज़ करेंगे। इस रास्ते से जाना ठीक न होगा।' महिला बोली, 'भगवन! आप चिंता न करें। मैं इन सभी घरों में काम करती हूं। यहां रहने वाले इसी तरह आते-जाते हैं। दिलों के रास्ते बंद हो चुके हैं, सभी अपने-अपने घरों में कैद हैं, पर अभी इतनी शर्म बाकी है कि बचे हुए रास्तों में लोगों ने दीवारें खड़ी नहीं की हैं।' थोड़ी देर बाद प्रोफेसर साहिब के घर से रोने की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। इस बार उन्हें रास्ता भटकने का भय नहीं था।

देश दुनीया से

डिजिटल क्राइम से हो रहा मानवाधिकार उल्लंघन

समाज में बह रहे सूचनाओं के प्रवाह में हर दूसरी खबर मनुष्यता के अधिकारों के हनन से संबंधित होती है। यह समस्या एक देश, एक समाज एवं वर्ग विशेष की नहीं, बल्कि विश्वभर में रह रहे हर मनुष्य के साथ जुड़ी हुई है। आज जो आर्थिक एवं डिजिटल तौर पर सक्षम है, वो सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक तौर पर कमजोर वर्ग को नियंत्रित करने की कोशिश करता है। वैश्विक स्तर पर इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध एवं यूक्रेन व रूस युद्ध के मूल कारणों पर चर्चा की जाए तो मूल कारण नियंत्रण ही है। लेकिन इस नियंत्रणकारी नीति का खामियाजा आम जनता को ही भुगतना पड़ता है, जो शायद पूरी तरह से युद्ध के कारणों व परिस्थितियों से रूबरू भी नहीं है। इस परिस्थिति में आम जनता के अधिकार विनाशकारी तरीके से रौंद दिए जाते हैं। यह कोई नई बात नहीं, द्वितीय विश्व युद्ध के अत्याचारों ने मानव अधिकारों के महत्व को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अहम मुद्दा बना दिया था। इसी गंभीरता को समझते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को 10 दिसंबर 1948 को अपनाया था। इसलिए हर वर्ष यह दिन विश्व मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके अंतर्गत समानता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, भेदभाव से आजादी का अधिकार, अभिव्यक्ति का अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं भोजन का अधिकार आदि शामिल हैं जो व्यक्ति को समाज में हक एवं बिना किसी दबाव के जीने का अधिकार देते हैं। इस साल मानवाधिकार दिवस की थीम हमारे अधिकार, हमारा भविष्य रखी गई है। इसी के अंतर्गत डिजिटल सुरक्षा अधिकार को भी जोड़ा जाना चाहिए। भारत के संदर्भ में बात की जाए तो देश के संविधान में मौलिक अधिकारों का प्रावधान किया गया है। लेकिन इन अधिकारों की अनुपालना व अवहेलना सब परिस्थितियों के हिसाब से हो रही है जो वाकई में चिंता का विषय है। वर्तमान में ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में डिजिटल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए काम तो किया जा रहा है, लेकिन डेटा प्रोटेक्शन की कमी के कारण बढ़ती डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं ने मानवीय अधिकारों के भविष्य पर व्यापक चर्चा शुरू कर दी है। इस मुद्दे पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मन की बात कार्यक्रम में व्यापक चर्चा कर चुके हैं। डिजिटल अरेस्ट एक नया धोखाधड़ी करने का तरीका है जिसमें कोई अफसर बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से किसी भी धोखाधड़ी में फंसाकर रुपयों की मांग करता है। यह धोखाधड़ी शहरों से लेकर गांवों तक हर वर्ग में पहुंच चुकी है। हद तो तब हो गई जब पढ़ा-लिखा वर्ग भी डिजिटल अरेस्ट का शिकार हो रहा है। अभी हाल में ही नोएडा में सेवानिवृत्त मेजर जनरल को उनके नाम पर भेजे गए पार्सल में ड्रग्स होने की जांच के नाम पर पांच दिन डिजिटल अरेस्ट रखकर दो करोड़ की ठगी, सोनीपत में सेवानिवृत्त अधिकारी को व्हाट्सऐप पर नकली वारंट भेजकर डिजिटल अरेस्ट कर सरकारी खाते बताकर 1.78 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। ये संख्या बहुत लंबी है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 2020 से 2024 तक 582000 केस के अंतर्गत 3207 करोड़ के धोखाधड़ी मामलों की जानकारी है, यानी कि कई हजार केस तो पंजीकृत या प्रकाश में ही नहीं आए। वर्तमान में रुपयों का लेन-देन काफी हद तक डिजिटल हो चुका है। ऐसे में साइबर अपराध के माध्यम से मानवाधिकारों को सुरक्षित करना बहुत बड़ी चुनौती बन चुका है। जहां वर्ष 2014 में देश में 25 करोड़ इंटरनेट यूजर थे, जो 2024 में बढक़र 95 करोड़ हो चुके हैं। दुनिया भर के कुल डिजिटल ट्रांजैक्शन का 46 प्रतिशत वर्तमान में भारत में हो रहा है। ऐसे में बड़ी संख्या में ठगों की नजर सीधा बैंक खातों पर रहती है। हालांकि सरकार द्वारा केन्द्रीय गृह मंत्रालय के तहत साइबर क्राइम हेल्प लाइन नंबर 1930 और रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर जाकर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। लेकिन कितनी शिकायतें दर्ज होती हैं और कितनी का निपटारा होता है, ये अपने आप में एक बहुत बड़ा सवाल है। आज के समय में डिजिटल तकनीक के माध्यम से मानवाधिकार हनन एक ज्वलंत मुद्दा है। इससे बचने का एकमात्र उपाय जागरूकता ही है। व्यक्तिगत तौर पर स्वयं भी और अपने आसपास साइबर अपराध से बचने के तरीकों को जानिए और बताइए सामाजिक स्तर पर फैल रही ज्वलंत फेक न्यूज, साइबर अपराध, सरकारी मशीनरी की जानकारी, कानून और विशेषकर ठगी होने पर शिकायत जरूर दर्ज करवाएं। सरकार को भी चाहिए कि टेलिकॉम ऑपरेटर और बैंकिंग सिस्टम को भी उपभोक्ताओं के निजी डाटा के प्रति जवाबदेह बनाएं ताकि अपराध होने पर ठगी करने वाला और जिस माध्यम से हो रहा है, दोनों को सजा दी जाए। देश के स्तर पर सरकार को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिए फैल रहे साइबर अपराध व साइबर युद्ध के लिए अलग और समय पर सिस्टम तैयार करने की जरूरत है, क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध में दिखने वाले मानवीय नुकसान ने मानवाधिकारों की चर्चा हुई, लेकिन अगला युद्ध साइबर युद्ध होगा जो अदृश्य होकर कमजोर राष्ट्र, समाज और वहां रहने वाले लोगों पर हमला करेगा। इस हमले से लडऩे के लिए समाज के हर व्यक्ति को तैयार करना होगा, क्योंकि मानवाधिकारों की सुरक्षा डिजिटल कत्र्तव्य से जुड़ी हुई है। एक और चिंता का विषय भी है। भारत में मानवाधिकार संगठनों की सक्रियता खास तौर से पंजाब के आतंकवाद के भयावह दौर से देखी जा रही है। जब इन संगठनों को पुलिस व सेना के जवानों का हर छोटा-बड़ा कारनामा तो नजर आता था, लेकिन आतंकवादियों की करतूतों के विरुद्ध इनकी जुबान पर लगाम कसी रहती थी। यह हकीकत भी है कि यदि कोई आतंकवादी या शरारती तत्व पुलिस अथवा सेना के हाथों मारे जाएं तो मानवाधिकारवादी संगठन खूब हो-हल्ला मचाते हैं लेकिन वहीं अगर यही सिरफिरे लोग निर्दोषों के लहू से होली खेलें, अबलाओं की इज्जत के सरेआम चिथड़े उड़ाएं, उन्हें गैंगरेप जैसी पाशविक घटनाओं को अंजाम देकर जिंदा जला डालें, तो ऐसी हैवानियत मानवाधिकार के ठेकेदारों को नजर नहीं आती, बल्कि ऐसे मामलों में इन संगठनों की भूमिका पर सवाल उठाने वालों के समक्ष तर्क प्रस्तुत किया जाता है कि आतंकवादी संगठन किसी स्थापित कानून के तहत काम करने वाली कोई सरकारी संस्था नहीं हैं।

आप का नजरीया

ट्रेन ऊना से ही आएगी

नए मानचित्रों की कल्पना में विकास की जमीन पर राजनीतिक नेतृत्व की परख जरूरी है। कुछ सदियों के अवरोधक थे, जिन्हें हटाकर हिमाचल अपनी उपलब्धियों के शिखर तक पहुंचा, लेकिन इससे आगे विकास का इतिहास गहन चिंतन व विजन का विषय है। अतः योजनाओं-परियोजनाओं को अब आने वाली सदियों के हिसाब से तय करना पड़ेगा और यह केवल राजनीतिक सोच से नहीं, बल्कि सार्वजनिक विमर्श, सहमति व नागरिक संघर्ष से भी संभव होगा। लोकसभा में कांगड़ा के सांसद डा. राजीव भारद्वाज ने 'वंदेभारत' पर हिमाचल का भविष्य देखा है, तो लाजिमी तौर पर रेल पर चर्चा हमारे नसीब की राह से निकलनी चाहिए। डा. भारद्वाज रेलवे की शाखाओं से हिमाचल में देवी दर्शन का खाका खींचते हुए आग्रह कर रहे हैं कि विस्तार के तर्कों में हिमाचल में पर्यटन की पटरी आगे बढ़े। हिमाचल में रेल विस्तार की संभावना के लिए पहले यह तय होना चाहिए कि ऊना रेल से आगे बढ़ा जाए न कि पठानकोट की ओर से कुछ हासिल करने का भ्रम पाला जाए। हमने काफी पहले से कनेक्टिविटी के तीनों संदर्भों में कहा है कि हिमाचल रेल की दिशा ऊना से, हवाई सेवाएं कांगड़ा एयरपोर्ट से तथा सडक़ विस्तार का सारा नेटवर्क हमीरपुर के संगम से आगे बढ़ेगा। पठानकोट-जोगिंद्रनगर रेल पटरी शायद ही ब्रॉडगेज होगी, बल्कि इसे धरोहर की श्रृंखला में पर्यटन यात्रा के रूप में स्तरोन्नत करना होगा। ऊना रेल के दायरे में पूरा हिमाचल जुड़ता है, बशर्ते प्रदेश सरकार व केंद्र इसे परस्पर सहयोगी प्रोजेक्ट मानें। हम बीस साल से कह रहे हैं कि मंदिर रेल परियोजना के तहत ऊना तक पहुंची पटरियों का रुख कांगड़ा, हमीरपुर, बिलासपुर और मंडी की ओर मोडऩा चाहिए। इसके लिए आरंभिक तौर पर ज्वालामुखी को अंब-अंदौरा से जोडऩा होगा। कोंकण रेल परियोजना की तरह अगर हिमाचल व केंद्र पचास-पचास प्रतिशत की भागीदारी में काम करें, तो मंदिरों की आय के स्रोत से इसे पूरा किया जा सकता है। चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, दियोटसिद्ध, कांगड़ा व चामुंडा मंदिरों की आय से वित्त पोषण का एक ऐसा आधार बनता है जो अंब-अंदौरा तक पहुंचे 'वंदे भारत' के सफर को मंदिर सर्किट के रूप में सुदृढ़ कर सकता है। इतना ही नहीं इस ट्रैक के आर्थिक मजमून महामहिम दलाई लामा, क्रिकेट स्टेडियम तथा पर्यटन से जुड़े हर विषय को मजबूत करेंगे। डा.राजीव, अनुराग ठाकुर व कंगना रणौत अगर रेल विस्तार की मंजिलों पर ऊना रेल को देखते हैं, तो उन्हें पहले चरण में अंब-अंदौरा टू ज्वालाजी मार्ग को चिन्हित करना पड़ेगा। इससे धार्मिक पर्यटन का सत्तर फीसदी आवागमन संभव होगा और कमोबेश इतनी ही बढ़ोतरी श्रद्धालुओं के आगमन में हो जाएगी। ज्वालाजी से कांगड़ा, चामुंडा, बैजनाथ, मंडी, हमीरपुर, बिलासपुर व आगे चंबा व कुल्लू तक रेल यात्रा संभव हो सकती है। यह रेल पर्यटन, उद्योग व भ्रमण का ही पीछा नहीं करेगी, बल्कि मंदिरों की आय को कई गुना बढ़ा देगी। ऊना रेल को ही आगे बढ़ाया जा सकता है। इसी तरह हवाई यात्रा का भविष्य कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार से ही प्रशस्त होगा।

फिलीपींस में ज्वालामुखी विस्फोट से हाहाकार, 54 हजार लोग प्रभावित

मनीला

फिलीपींस के कनलाओन ज्वालामुखी फटने से नेग्रोस द्वीप समूह के हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। वैज्ञानिकों ने कनलाओन ज्वालामुखी के छह किलोमीटर दायरे में रह रहे लगभग 54 हजार लोगों को फौरन अन्यत्र चले जाने को कहा है। सोमवार अपराह्न 3ः03 बजे इस ज्वालामुखी के शिखर पर शक्तिशाली विस्फोट होने से यह नौबत आई। पलक झपकते ही राख का गुबार 3,000 मीटर ऊपर उठ गया। यह राख का गुबार पश्चिम और दक्षिण पश्चिम दिशा पर फैल गया। फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के प्रमुख टेरेसिटो बैकोलकोल ने सोमवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि खतरा अभी टला नहीं है। इसमें दोबारा और शक्तिशाली विस्फोट हो सकता है। फिवोलक्स ने कहा कि ज्वालामुखी के शिखर से छह किलोमीटर के क्षेत्र को फौरन खाली करा लेना चाहिए। यहां के लोगों को तुरंत सुरक्षित निकालना होगा। अगर बरसात होती है तो स्थिति और खराब हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे पहले यह ज्वालामुखी इसी साल 3 जून को फटा था। तब भी लोगों को सचेत करते हुए एहतियाती कदम उठाने के लिए कहा गया था। फिलस्टार ग्लोबल समाचार पत्र के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि ज्वालामुखी की राख श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म दे सकती है। इससे सबसे ज्यादा परेशानी अस्थमा के मरीजों को होती है। आंखों को भी खतरा हो सकता है। फिलीपींस गणराज्य की समाचार एजेंसी पीएनए के अनुसार सूचना अधिकारी एडना ल्हौ मासिकैम्पो ने बताया कि मंगलवार सुबह आठ बजे तक 146 परिवार के 476 सदस्यों को कैनलान शहर के निकासी केंद्रों में पहुंचाया गया।

न्यूज ब्रीफ

हम दोस्त को मुश्किल वक्त में अकेला नहीं छोड़ते, यही रुस और अमेरिका में अंतर है : रुस

मॉस्को। सीरिया में तख्तापलट के बाद बशर अल-असद देश छोड़कर फरार हो गए। रूस ने बशर अल असद और उनके परिवार को रूस में राजनीतिक शरण दी है। उन्हें मानवीय आधार पर शरण दी गई है। इस पर रूस के राजदूत मिखाइल उल्यानोव ने तंज कसते हुए कहा कि असद और उनका परिवार मॉस्को में है। रूस मुश्किल दोस्तों में अपने दोस्तों को धोखा नहीं देता। यह रूस और अमेरिका के बीच अंतर है। बता दें कि सीरिया में पिछले 11 दिनों से विद्रोही गुटों और सेना के बीच कब्जे के लिए लड़ाई चल रही थी, विद्रोही लड़ाकों ने रविवार को राजधानी दमिश्क पर भी कब्जा कर लिया, वो सड़कों पर गोलीबारी करके जीत का जश्न मना रहे हैं। सीरियाई विद्रोहियों के राजधानी दमिश्क में घुसने के बाद राष्ट्रपति बशल अल-असद को देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके बाद विद्रोहियों और आम जनता ने प्रेसिडेंशियल हाउस में जमकर लूटपाट की। प्रेसिडेंशियल हाउस से लोगों को फर्नीचर और महंगी चीजों को ले जाते देखा गया।

जॉय बांग्ला अब बांग्लादेश का राष्ट्रीय नारा नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाई

ढाका। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जॉय बांग्ला को राष्ट्रीय नारा घोषित करने के हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद गठित अंतरिम सरकार ने हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सैयद रेफअत अहमद की अध्यक्षता वाली अपीलीय प्रभाग की पीठ ने अंतरिम सरकार की याचिका पर सुनवाई की। अंतरिम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से हाई कोर्ट के फैसले पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। हाई कोर्ट ने 10 मार्च, 2020 को जॉय बांग्ला को देश का राष्ट्रीय नारा घोषित किया था। हाई कोर्ट ने इस घोषणा के साथ सरकार को आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया था, ताकि इस नारे का इस्तेमाल राजकीय समारोह और शैक्षणिक संस्थानों की सभाओं में किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट के आज के फैसले पर अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल अनीक आर हक ने कहा कि अपीलीय डिवीजन के आदेश के बाद जॉय बांग्ला को अब राष्ट्रीय नारा नहीं माना जाएगा। उल्लेखनीय है कि जॉय बांग्ला यानी (जय बांग्ला) नारे का प्रयोग सबसे पहले बांग्लादेश के स्वाधीनता संग्राम के समय मुक्ति वाहिनी संगठन ने किया। इसके बाद जियाउर रहमान ने बांग्लादेश के स्वाधीनता की घोषणा करते हुए यह नारा लगाया था।

कैपिटल हिल हिंसा के 645 समर्थकों की सजा माफ करेंगे डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप अपने समर्थकों को राहत देने वाली बात कही है। 6

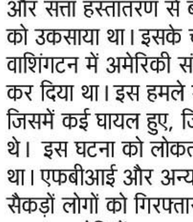

जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर हुए हमले में दोषी पाए गए 645 लोगों की सजा माफ करने का ट्रंप ने वादा किया है। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद यह कदम उठाने की बात ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कही है। बता दें यह हिंसा 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद हुई थी, जिसमें डेमोक्रेट जो बाइडेन ने ट्रंप को हरा दिया था। ट्रंप ने चुनाव परिणामों को मानने से इनकार कर दिया था और सत्ता हस्तांतरण से बचने के लिए अपने समर्थकों को उकसाया था। इसके चलते हजारों ट्रंप समर्थकों ने वाशिंगटन में अमेरिकी संसद (कैपिटल हिल) पर हमला कर दिया था। इस हमले में तोड़फोड़ और हिंसा हुई थी, जिसमें कई घायल हुए, जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल थे। इस घटना को लोकतंत्र पर बड़ा हमला माना गया था। एफबीआई और अन्य एजेंसियों ने हमले के बाद सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया था और 1250 से ज्यादा आरोपियों पर मुकदमा चलाया था। इनमें से कुछ को 22 साल तक की जेल की सजा दी गई है। इस हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता माने जाने वाले टेरियो को राजद्रोह के आरोप में 22 साल की सजा सुनाई थी। एक अन्य आरोपी को एक साल की सजा दी, जिसने सुनवाई के दौरान कहा कि ट्रंप उन्हें माफ कर देंगे। कुल 645 लोगों को जिनकी सजा 6 जनवरी हिंसा से संबंधित है, ट्रंप रिहा करने का वादा कर चुके हैं। ट्रंप ने कहा कि यह सिस्टम भ्रष्ट है और मेरे समर्थकों की जिंदगियां बर्बाद कर दी गई हैं। राष्ट्रपति बनने के पहले ही दिन मैं इस अन्याय को खत्म करूंगा। ट्रंप के इस वादे से अमेरिका में नई बहस छिड़ गई है। कई लोग इसे न्यायिक प्रक्रिया का अपमान मानते हैं।

इजराइल ने सीरिया के कम से कम 100 सैन्य ठिकानों को ध्वस्त किया

दमिश्क

इजराइल ने सीरिया पर आक्रमण कर मुल्क के कम से कम 100 सैन्य ठिकानों को पलक झपकते राख के ढेर में बदल दिया। सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे के बाद अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद सपरिवार देश छोड़कर रूस भाग चुके हैं। अरबी समाचार वेबसाइट +963 के अनुसार, इजराइली सेना ने देश के दक्षिण-पश्चिम में कुनीत्रा ग्रामीण इलाकों में जमीनी घुसपैठ के बाद सोमवार को पूर्व सीरियाई सरकार से संबंधित कई सैन्य स्थलों पर हवाई हमले किए।

राजधानी दमिश्क के बरजेह क्षेत्र में रासायनिक हथियारों के उत्पादन से जुड़े एक पूर्व सरकारी स्थल के पास कम से कम दो विस्फोट किए। साथ ही दक्षिणी दमिश्क के सैय्यदा जैनब क्षेत्र के आसपास ईरानी समर्थक गुटों से संबंधित सैन्य गोदामों और मुख्यालयों को भी निशाना बनाया।वेबसाइट ने एक स्थानीय सूत्र के हवाले से कहा कि इजराइली सैन्य विमानों ने मध्य सीरिया के होम्स ग्रामीण इलाके में शायरात सैन्य हवाई अड्डे पर हमला कर बड़े हिस्से को नष्ट कर दिया। इस क्षेत्र में हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाके तैनात हैं। इजराइली सेना ने उन्हें कोई क्षति नहीं पहुंचाई।

इजराइल ने उत्तर-पूर्व में हसाकाह ग्रामीण इलाके में कामिश्ली हवाई अड्डे और टारटाब रेजिमेंट को भी निशाना बनाया। इसके बाद यहां कई विस्फोट हुए। देश के पूर्व में दीर एज-जोर में अल-मयादीन रेगिस्तान में ऐन अली श्राइन के पास ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक पूर्व मुख्यालय को हवाई हमला कर जमींदोज कर दिया। यहां तोपखाना स्थापित किया गया था। हमले के बाद टैंक, गोला-बारूद और खदानों में आग लग गई।

इसके अलावा इजराइली लड़ाकू विमानों ने मुल्क के पश्चिम में लताकिया के बंदरगाह पर तैनात सैन्य नौकाओं और रास शामरा क्षेत्र के पास अल-बायदा के बंदरगाह में वायु रक्षा ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। इजराइली समाचार पत्र मारीव के अनुसार, सीरियाई बलों के वहां से हटने के बाद इजराइली बलों ने माउंट हर्मन सैन्य स्थल पर नियंत्रण कर लिया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि बफर जोन पर नियंत्रण कर लिया गया है।

गौरतलब है कि सोमवार को इजराइल ने सीरिया के कम से कम 100 सैन्य ठिकानों पर हमला किया। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार, इजराइल ने विभिन्न क्षेत्रों में सैन्य स्थलों को निशाना बनाया।इससे पहले इजराइली युद्धक विमानों ने रविवार और शनिवार को भी सीरिया के रणनीतिक सैन्य और सुरक्षा स्थलों को निशाना बनाकर कई केंद्रित हवाई हमले किए। इजराइली ब्रॉडकास्टिंग अथॉरिटी के मुताबिक, इजराइली बलों ने दमिश्क में वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र पर बमबारी की। यह केंद्र रासायनिक हथियार और लंबी दूरी की मिसाइलें विकसित करने के लिए जाना जाता है। इजराइल ने खलखला एयर बेस को भी निशाना बनाया। हवाई हमले के बाद इस एयर बेस में रॉकेट और मिसाइलों के बड़े भंडार में विस्फोट के साथ आग लग गई।

चंडीगढ़ में जन्मीं हरमीत ढिल्लों को ट्रंप की टीम में मिली बड़ी जिम्मेदारी

वॉशिंगटन

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी टीम को मजबूत कर रहे हैं और काम के लोगों को शामिल कर रहे हैं। इसमें ट्रंप भारतीय मूल के लोगों को ज्यादा महत्व देते नजर आ रहे हैं। उनकी टीम में एक और भारतीय की एंट्री हो गई है। ट्रंप ने भारतीय मूल की हरमीत ढिल्लों को कानून विभाग में नागरिक अधिकारों के लिए असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल चुना है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने हरमीत ढिल्लों को यह जिम्मेदारी देते हुए उनकी जमकर तारीफ भी की है। इससे पहले ट्रंप डॉ जय भट्टाचार्य, विवेक रामास्वामी और काश पटेल को अपने कैबिनेट में हिस्सा बनाने की घोषणा कर चुके हैं। इस सूची में अब हरमीत ढिल्लों का नाम भी जुड़ गया है।

ढिल्लों ने डार्टमाउथ कॉलेज से क्लासिकल स्टडीज और अंग्रेजी में डिग्री और यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया स्कूल ऑफ लॉ से ज्यूरिस डॉक्टर की उपाधि हासिल की। उन्होंने अपना करियर यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स के जज पॉल वी नीमेयर के लिए एक लॉ क्लर्क के रूप में शुरू किया और बाद में न्याय विभाग, सिविल डिवीजन के संवैधानिक टोर्ट्स सेक्शन में काम किया।

इसके बाद वह प्रतिष्ठित लॉ फर्म गिब्सन, डन एंड क्रचर में शामिल हो गईं, जहां उन्होंने सिविल केस, संवैधानिक कानून और अपील केसेस में अनुभव प्राप्त किया। न्यूयॉर्क, लंदन, सिलिकॉन वैली और सैन फ्रांसिस्को में अंतरराष्ट्रीय लॉ फर्मों में एक दशक तक काम करने के बाद, ढिल्लों ने 2006 में अपनी खुद की लॉ फर्म, ढिल्लों लॉ ग्रुप की स्थापना की। ढिल्लों कमर्शियल केस, रोजगार कानून और चुनाव सहित कानून के कई प्रमुख क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, हरमीत देश के शीर्ष चुनाव वकीलों में से एक हैं जो यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ रही हैं वोटों की गिनती कानूनी तरीके से की जाए। हरमीत सिख धार्मिक समुदाय के एक सम्मानित सदस्य हैं।

हरमीत हमारे संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करेंगी और हमारे नागरिक अधिकारों और चुनाव कानूनों को निष्पक्ष और दृढ़ता से लागू करेंगी। जवाब में हरमीत ढिल्लों ने कहा है यह पद मिलना उनके लिए सम्मान की बात है और ट्रंप का आभार जताया है। 2 अप्रैल 1969 को चंडीगढ़ में जन्मी ढिल्लों दो साल की उम्र में अपने परिवार के साथ अमेरिका चली गई थीं। वह उत्तरी कैरोलिना में एक सिख परिवार में पली-बढ़ीं। इसके बाद वह न्यूयॉर्क चली गईं।

विरोध प्रदर्शन

पेरिस में एक महिला यौन उत्पीड़न का विरोध करने के लिए मी टू का बैनर लिए हुए, वह इसके जरिये उत्पीड़न का शिकार हुई अभिनेत्री एडेली हनेल का समर्थन करती हुई।

अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री ने कहा, नेपाल चीन के समझौते का दस्तावेज सार्वजनिक हो

काठमांडू

अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने नेपाल और चीन के बीच हाल ही में हुए बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव (बीआरआई) के कार्यान्वयन समझौते के दस्तावेज को सार्वजनिक किए जाने की मांग की है। दो दिनों के नेपाल दौरे में अमेरिकी विदेश मंत्रालय के दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के प्रभारी मंत्री डोनाल्ड लू ने सोमवार शाम काठमांडू में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जिस तरह अमेरिका-नेपाल के बीच हुए एमसीसी समझौते का हर दस्तावेज और निवेश की सारी बातें पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक की गई, उसी तरह चीन के साथ हुए समझौते को भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

डोनाल्ड लू ने कहा कि नेपाल अपने पड़ोसी देश के साथ किस तरह का समझौता करता है, वह उसकी स्वतंत्रता है लेकिन लू ने सलाह दी कि एक पड़ोसी के साथ किए गए समझौते से अगर बाकी पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों पर असर पड़े तो नेपाल को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए।

नेपाल के अपने दो दिनों के दौरे में राजनीतिक मुलाकातों को लेकर लू ने बताया कि सत्ता पक्ष के नेता पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा और विपक्षी दल के नेता पुष्प कमल दहाल से उनकी मुलाकात हुई। इन दोनों मुलाकातों में अमेरिका ने नेपाल की शांति प्रक्रिया के पूरा होने के अंतिम चरण में पहुंचने पर बधाई दी। लू ने विश्वास व्यक्त किया कि आपसी सहमति के जरिए नेपाल में जारी शांति प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा।

दक्षिण कोरिया की नेशनल असेंबली में पूर्व कमांडर क्यून ने दी गवाही

सियोल

आर्मी स्पेशल वारफेयर कमांड के पूर्व कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल क्वाक जोंग-क्यून ने आज नेशनल असेंबली में गवाही दी। उन्होंने कहा कि पूर्व रक्षामंत्री किम योंग-ह्यून ने यह आदेश दिया था कि राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ विपक्ष के महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान के समय नेशनल असेंबली में 150 से अधिक सांसद मौजूद न हों। राष्ट्रपति यून सुक येओल ने तीन दिसंबर को मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की थी। इस घोषणा पर पूर्व रक्षामंत्री किम योंग-ह्यून की भी सहमति थी।

हालांकि नेशनल असेंबली में मार्शल लॉ के खारिज होने और महाभियोग प्रस्ताव लाने की सूचना मिलते ही राष्ट्रपति ने अपनी घोषणा वापस ले ली थी। द कोरिया टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार, पूर्व कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल क्यून ने गवाही दी कि उन्हें युद्ध नियंत्रण कक्ष में एक सुरक्षित सेलफोन के माध्यम से पूर्व रक्षामंत्री से

आदेश प्राप्त हुआ था।

वह लाउडस्पीकर पर थे। इसलिए पूर्व रक्षामंत्री के निर्देश उनके अधीनस्थों ने भी सुने। इनमें प्लेनरी हॉल में प्रवेश करने के तरीके के साथ-साथ खाली गोला-बारूद और टैसर का उपयोग करने के निर्देश भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि यह आदेश मिलने के बाद उन्होंने फील्ड कमांडर से विचार-विमर्श किया। इसके बाद पूर्व रक्षामंत्री के आदेश को न मानने का फैसला किया। उल्लेखनीय है कि क्वाक उन पूर्व सैन्य कमांडरों में से एक हैं जिनकी मार्शल लॉ घोषणा को लागू करने में उनकी भूमिका के लिए जांच चल रही है। क्वाक के साथ संसदीय रक्षा समिति में सेना प्रमुख पार्क एन-सु और कार्यवाहक रक्षामंत्री किम सियोन-हो सहित अन्य सैन्य अधिकारियों ने भी गवाही दी। ब्रिगेडियर डिफेंस काउंटरइंटेलिजेंस कमांड के प्रथम डिवीजन के प्रमुख जनरल जियोंग सेओंग-वू ने यह भी खुलासा किया कि मंगलवार देर शाम आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा के समय डिफेंस काउंटर इंटेलिजेंस कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल येओ इन-ह्युंग ने उन्हें आदेश दिया था। कोरिया गणराज्य के राष्ट्रीय चुनाव आयोग में मतदाता पंजीकरण सूचियों वाले संपूर्ण सर्वर को या तो कॉपी करें या हटा दें।रक्षा खुफिया कमान के प्रमुख मेजर जनरल मून सांग-हो ने कहा कि पूर्व रक्षामंत्री किम योंग-ह्यून ने चुनाव आयोग को सैनिकों की तैनाती के संबंध में आदेश जारी किए थे। मून ने कहा, मुझे मार्शल लॉ की घोषणा के दिन सुबह 10 से 11 बजे के आसपास आदेश मिला था। उन्होंने कहा, बाद में मुझे रात 9 बजे के आसपास ग्वाचेन में सरकारी परिसर के पास टीम को तैयार करने का निर्देश दिया गया।इस बीच, पूर्व रक्षामंत्री किम ने यून के मार्शल लॉ प्रयास की जांच से संबंधित देशद्रोह और अन्य अपराधों के आरोप में गिरफ्तारी वारंट की समीक्षा के लिए निर्धारित अदालत की सुनवाई में शामिल नहीं होने का फैसला किया। इसके अलावा नेशनल असेंबली ने एक विधेयक पारित किया है। इसमें राष्ट्रपति येओल के खिलाफ पिछले हफ्ते अल्पकालिक मार्शल लॉ लगाए जाने के खिलाफ देशद्रोह के आरोपों की जांच के लिए एक स्थायी विशेष वकील की नियुक्ति को अनिवार्य किया गया है।

33 करोड़ 43 लाख रुपये की लागत से केंद्रीय विद्यालय बनकर तैयार होगा : गिरीश चंद्र यादव

जौनपुर, (हि.स.) जौनपुर के बच्चे भी अब केंद्रीय विद्यालय में पढ़ सकते हैं। इस सम्बंध में सोमवार राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जौनपुर में भाजपा सरकार ने केंद्रीय विद्यालय की सौगात दी है। मैं सभी का धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि काफी दिनों से प्रयास में लगा था कि एक केंद्रीय विद्यायल भी हो जाये जो मिल गयी और यहां के बच्चे अब केंद्रीय विद्यालय में पढ़ने जायेगे।

उन्होंने बताया कि इस केंद्रीय विद्यालय की स्थापना सिद्दीकपुर के पास पयागपुर गांव में 5 एकड़ की भूमि चिन्हित की गई है। लगभग 33 करोड़ 43 लाख रुपये की लागत से ये केंद्रीय विद्यालय बनकर तैयार होगा। कुल इस विद्यालय में 960 छात्र पढ़ेंगे और केंद्रीय विद्यालय में अध्यापक सहित 63 स्टाफ रहेंगे। उन्होंने कहा कि जौनपुर हमारी शिक्षा के क्षेत्र में पहचान थी। आज केंद्रीय विद्यालय की सौगात मिलने से और चार चांद लग गया है। उन्होंने कहा, पहले केंद्रीय विद्यालय न रहने से यहां के बच्चों को पढ़ने में जो कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था अब नहीं होगा। अब बच्चे आराम से पढ़ सकेंगे, हमारी सरकार जीरो टेलेंस पर काम करती है। जो भारत का संविधान है जो लोकतंत्र की व्यवस्था है किसी को भी छेड़छाड़ करने की इजाजत नही देती है। जो भी इसमें गड़बड़ी करने का काम करेगा हमारी सरकार उसके खिलाफ सख्ती से पेश आएगी। हमारी सरकार पूरी तरह से सभी के साथ खड़ी है। हमारी पार्टी का नारा है सबका साथ, सबका विकास के नारे के आधार पर काम कर रही है।

बीएचयू का 104वां दीक्षांत समारोह 14 दिसम्बर को, विद्यार्थियों के लिए पोशाक निर्धारित

वाराणसी, (हि.स.)। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) का 104वां दीक्षान्त समारोह 14 दिसम्बर को होगा। समारोह में विज्ञान संस्थान के स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों का डिग्री वितरण अपरान्ह दो बजे (मुख्य दीक्षांत समारोह के बाद)

स्वतंत्रता भवन में होगा। समारोह के संयोजक, प्रचार समिति प्रो.एडी सिंह ने बताया कि उपाधि प्राप्त करने के इच्छुक वे विद्यार्थी जिन्होंने 2024 की परीक्षा में डिग्री के लिए अर्हता प्राप्त की है। वे डिग्री प्राप्त करने के लिए (bhuonline.in)) के छात्र पोर्टल पर लॉगिन करके (यूजर आ-ईडी और लॉगिन पासवर्ड के माध्यम से) रू. 200/- का गैर-वापसी शुल्क जमा कर सहमति फॉर्म आनलाईन जमा कर सकते हैं। ऐसे विद्यार्थी 14 दिसम्बर (शनिवार) को अपराह्न 1:00 बजे स्वतंत्रता भवन में आयोजित दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए अपने-अपने विषय अध्यापकों के पास औपचारिक पोश-ाक में रिपोर्ट करें। पुरुष/महिला विद्यार्थियों के लिए पोशाक निर्धारित है, ताकि वे व्यक्तिगत रूप से डिग्री प्राप्त कर सकें। इसमें छात्राओं के लिए लाल बार्डर के साथ सफेद साड़ी, लाल ब्लाउज या सफेद कुर्ता व सफेद सलवार साथ में उत्त-रीय एवं साफा, छात्रों के लिए सफेद कुर्ता, सफेद पैजामा/धोती, उत्तरीय एवं साफा निर्धारित किया गया है। निर्धारित पोशाक में ही विद्यार्थी समा-रोह में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी महामना हॉल, सेमिनार कॉम्प्लेक्स, विज्ञान संस्थान में 11 से 13 दिसंबर तक पूर्वांह 11 बजे से शाम चार बजे के बीच ऑनलाइन भुगतान रसीद प्रस्तुत कर उत्तरीय एवं साफा प्राप्त कर सकते हैं।

सदभावना दिवस के रूप में मनाया सोनिया गांधी का 78 वां जन्मदिवस

मुरादाबाद, (हि.स.)। जिला व महानगर कांग्रेस कमेटी मुरादाबाद के तत्वावधान में यूपीए की चेयरपर्सन सोनिया गांधी का 78 वां जन्मदिवस सोमवार को सदभावना दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके कांग्रेसियों ने जिला अस्पताल में 21 यूनिट रक्तदान किया और अपनी नेता के दीघार्यु होने की कामना के साथ देश मे एकता व भाईचारा बनाये रखने के संकल्प भी दोहराया।

जिलाध्यक्ष असलम खुर्शीद ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने सोनिया गांधी का जन्मदिवस सभी जिला मुख्यालयों पर सदभावना दिवस के रूप में मनाए जाने के निर्देश दिये थे। आज सुबह सभी जिला व महानगर कांग्रेसी जिला अस्पताल पहुंचे। जहां बारी-बारी से कुल 21 यूनिट रक्तदान रक्त बैंक को उपलब्ध कराया। कांग्रेस नेताओं ने जिला अस्पताल स्टाफ का आभार जताया।

केंद्र व राज्य सरकार का उद्देश्य किसान किसी के सामने हाथ न फैलाएं : मुख्यमंत्री

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के बाद किसानों के नाम पर राजनीति बहुत लोगों ने की लेकिन किसान राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बन सके, 2014 में ईमानदारी से यह प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। प्रधानमंत्री ने मृदा परीक्षण कार्ड जारी किया। प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई जैसी योजनाएं चलाई गईं। यूपी में सात वर्ष में 23 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की अतिरिक्त सुविधा देकर किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाया गया। 2021 में प्रधानमंत्री ने बुंदेलखंड में अर्जुन सहायक परियोजना का लोकार्पण किया।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इसके पहले यहां के किसानों को प्रति बीघा पांच हजार रुपये सालाना मिलता था लेकिन लोकार्पण के दो वर्ष बाद वहां के किसानों ने बताया कि उन लोगों ने उन्हीं क्षेत्रों में प्रति बीघा 50 हजार रुपये की आमदनी की। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत एक लाख किसान को सोलर पैनल देने का कार्य निरंतर प्रगति पर है। 14 लाख से अधिक किसानों के निजी ट्यूबवेल की बिजली माफ की गई। यूपी में 2017 में सरकार आते ही 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ रुपये का ऋण माफ किया गया। पीएम मोदी के नेतृत्व में किसानों को लागत का डेढ़ गुना दाम मिला। अन्नदाता किसानों को हाथ न फैलाना पड़े। इस उद्देश्य से देश में 12 करोड़ और यूपी में 2.62 करोड़ कृषकों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'कृषिका-खेती से समृद्धि की ओर' कार्यक्रम में सोमवार को अपनी बातें रखीं। मुख्यमंत्री ने समाचार पत्र के रचनात्मक कार्यक्रमों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने 11 किसानों को चेक, अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न प्रदान किया।

अकेले यूपी भर सकता है देश-दुनिया का पेट - मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत पहले से ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था का देश माना जाता था। उत्तर प्रदेश में आज भी लगभग 30 फीसदी शहरीकरणों को छोड़ दें तो 70 फीसदी भूभाग ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर आधारित है और यह आय-रोजगार का महत्वपूर्ण साधन भी है। देश की 17 फीसदी आबादी यूपी में निवास करती है। यूपी के पास देश की कृषि योग्य भूमि केवल 11 फीसदी है लेकिन इस पर देश का 20 फीसदी से अधिक खाद्यान्न उत्पादन होता है। यूपी में 235 लाख हेक्टेयर में से 161 लाख हेक्टेयर भूमि पर खेती-किसानी होती है। इसमें से 86 फीसदी भूमि सिंचित व अत्यंत उर्वरा है, इसलिए 11 फीसदी भूमि होने के बावजूद उप्र का किसान लगभग दोगुना खाद्यान्न उत्पादन करता है। देश और दुनिया की जितनी फर्टिलाइज लैंड, जल संसाधन यूपी के पास है, वह अन्य कहीं भी नहीं है। अगर अन्नदाता किसानों के प्रोत्साहन के लिए थोड़ा सा कार्य कर लें, उन्हें तकनीक से जोड़ लें। समय पर अच्छे बीज उपलब्ध हो जाएं तो 20 फीसदी से तीन गुना अधिक खाद्यान्न उत्पादन का सामर्थ्य यूपी का किसान रखता है और अकेले यूपी देश-दुनिया का पेट भर सकता है।

अब एक सप्ताह के भीतर गन्ना किसानों को होता है भुगतान - मुख्यमंत्रीने कहा कि प्रदेश के अंदर सिंचाई के दायरे को बढ़ाया गया। यूपी में 3500 से अधिक एफपीओ कार्य कर रहे हैं। वेयरहाउस बनाए गए और उनकी संख्या बढ़ाई गई। पहले गन्ने के सीजन में किसान आंदोलन करता था। अब यूपी में 120 चीनी मिलें चल रही हैं। इसमें से 100 मिलें एक सप्ताह के अंदर भुगतान कर रही हैं। आज यूपी गन्ना, चीनी व एथेनॉल उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। देश का 25 फीसदी आलू उत्पादन और 30 फीसदी मक्का उत्पादन यूपी का किसान कर रहा है। धान, गेहूं, दलहन-तिलहन में भी किसानों ने कीर्तिमान स्थापित किया है। अन्नदाता किसानों की मेहनत व डबल इंजन सरकार के प्रयास से यूपी फिर से खाद्यान्न की टोकरी के रूप में गौरव प्राप्त कर रहा है।

देश में सर्वाधिक गोवंश पालने वाला राज्य है यूपी - मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश में सर्वाधिक गोवंश पालने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। यहां सरकारी गोशालाओं में 12 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश हैं। सरकार निराश्रित गोवंश की देखभाल कर रही है। उनके लिए तीन प्रकार की योजनाएं भी चला रही हैं। इसका उद्देश्य एक तरफ गोरक्षा तो दूसरी तरफ जहरमुक्त खेती के लिए किए जाने वाला प्रयास है। केंद्र व राज्य सरकार मिलकर यूपी में 1.15 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि में प्राकृतिक खेती कर रही है। गंगा जी के तटवर्ती 27 जनपदों व बुंदेलखंड के सातों जनपदों में इसे प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसके एक्सपर्ट गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता का संकल्प ही प्र-ाकृतिक खेती के बारे में लोगों को जागरूक करना है। प्राकृतिक पद्धति से खेती में प्रति एकड़ 12 से 15 हजार की बचत होती है। यदि 161 लाख हेक्टेयर को प्राकृतिक खेती में बदल देंगे तो लाखों करोड़ रुपये बचेंगे।

योगी ने यूपी के किसानों की सफल गाथा भी बताई - मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश के किसानों की सफलता की कहानी भी बताई। उन्होंने बताया कि बिजनौर का एक किसान 10 एकड़ खेती में एक करोड़ रुपये का वार्षिक नेट प्रॉफिट कमाता है। यूपी के किसानों ने देश के अंदर 86 टन (860 क्विंटल) गन्ना उत्पादन प्रति एकड़ करके दिखाया। एक किसान खुद भी पिपरमेंट की खेती करते हैं और किसानों से एकत्र कर 200 करोड़ का एक्सपोर्ट कर रहे हैं। एक किलो आम का दाम रूस, यूएस, यूरोप में एक हजार रुपये है।

छात्र सामाजिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए कार्य करें : राज्यपाल

धनबाद, (हि.स.)। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि यह संस्थान न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि यह एक ऐसी परंपरा का प्रतीक है, जिसने ज्ञान, नवाचार और राष्ट्रीय सेवा के मूल्यों को साकार किया है। उन्होंने छात्रों से कहा कि आपका दायित्व है कि आप सामाजिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए कार्य करें। एक विकसित भारत तभी संभव होगा जब हम सभी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाएँ। उन्होंने संस्थान के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी स्थापना 1926 में खनन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांति लाने के उद्देश्य से की गई थी। यह संस्थान देश के शैक्षिक एवं औद्योगिक विकास का दर्पण है और आज यह अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। राज्यपाल बतौर मुख्य अतिथि सोमवार को आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के 99वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि

आज जब हमारा देश प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है, तो आईआईटी (आ-ईएसएम) जैसे संस्थानों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यहां से पढ़े विद्यार्थियों ने न केवल शैक्षिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी अपना अमूल्य योगदान दिया है। राज्यपाल ने संस्थान के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आईआ-ईटी (आईएसएम) केवल तकनीकी और अकादमिक सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह नवाचार, उद्यमशीलता और सामाजिक बदलाव की प्रेरणा भी है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित न रखें और समाज और राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान सुनिश्चित करें। राज्यपाल ने संपूर्ण आईआईटी (आ-ईएसएम), धनबाद परिवार को स्थापना दिवस की बधाई दी और आशा व्यक्त की कि यह संस्थान अपने ज्ञान, नवाचार और सेवा की परंपरा को जारी रखते हुए विकसित भारत 2047 के लक्ष्य प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आईआईटी (आईएसएम), धनबाद अपने आगामी वर्षों में और भी उत्कृष्टता को प्राप्त करने की ओर सक्रियता से अग्रसर होगा और वैश्विक स्तर पर अपने योगदान से विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगा। राज्यपाल ने इस दौरान संस्थान का डिजिटल कैलेंडर भी लॉन्च किया। इस दौरान कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद और बर्नपुर एवं दुगार्पुर स्टील प्लांट के प्रभारी चेयरमैन ब्रिजेन्द्र प्रताप सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के खिलाफ धरना

गिरिडीह, (हि.स.)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले ,अत्याचार और मदिरों को तोड़ने की घटनाओं के विरोध में देश भर में हिन्दू समाज आक्रोशित है। इसी क्रम में सोमवार को गिरिडीह में सर्वजन हिन्दू समाज ने शहर के टावर चौक में विशाल धरना दिया। धरने में पंकज कंधवे, भाजपा नेता दिलीप वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, भाजपा नेता दिनेश यादव, नित्यानंद प्रसाद, रितेश पांडेय, शिवपूजन, शुभम झा, आरएसएस के मुकेश रंजन, गुड्डू यादव समेत काफी संख्या में हिंदू संघटनों के कार्यकर्ता शामिल हुए। मौके पर वक्ताओं ने बांग्लादेश की घटना पर देश के सेक्युलर दलों के नेताओ पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान नित्यानंद प्रसाद ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और मंदिरों को तोड़े जाने की घटना से हिन्दू समाज में गुस्सा है। लेकिन देश का कोई नेता इस घटना के खिलाफ खुलकर कुछ नहीं बोल रहे हैं।यह अंत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। संबल की घटना में देश के सेक्युलर दलों के नेता गला फाड़ कर चिल्ला रहे है। संविधान कि पुस्तक लेकर रोड पर मजमा लगाए हुए है।

लेकिन बांग्लादेश की घटना को लेकर कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं। इसे जाहिर होता है कि ये सिर्फ वोट बैंक की चिंता करते हैं। धरने में काफी संख्या में हिंदू समुदाय के लोगो का जुटान हुआ। धरने के बाद सर्वजन हिन्दू समाज के पांच लोगो के शिष्टमंडल ने डीसी से मिलकर ज्ञापन सौंपा।

केंदूपत्ती के दर निर्धारण को लेकर संग्रहणकर्ताओं के साथ आयुक्त ने की बैठक

हजारीबाग, (हि.स.)। प्रमंडलीय आयुक्त सह केंदूपत्ती सलाहकार समिति के अध्यक्ष पवन कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय कार्यालय, हजारीबाग में वर्ष 2025 मौसम के लिए केंदूपत्ती के संग्रहण मूल्य प्रति मानक बोरा के निर्धारण के लिए बैठक की गई। इसमें उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल क्षेत्र के तहत वर्ष 2025 मौसम के लिए प्राथमिक संग्रहणकताओं से केन्दूपत्ती के क्रय दर प्रति मानक बोरा के निर्धारण के लिए सरकार को परामर्श देने के लिए संग्रहणकर्ता सदस्यों के साथ विचार-विमर्श हुआ। विचार विमर्श के दौरान आयुक्त-सह-अध्यक्ष को अवगत कराया गया कि पूर्व की बैठक में अध्यक्ष एवं समिति की ओर केंदूपत्ती क्रय मूल्य 1700 रुपए प्रति मानक बोरा वन भूमि एवं रैयती भूमि के लिए अनुशंसा की गई थी। इसमें सरकार के जरिये वर्ष 2024 मौसम के लिए 1750 रुपए प्रति मानक बोरा का दर स्वीकृत किया गया था। इससे केंदु पत्ता व्यापार से जुड़े लोगों एवं झा-रखंड राज्य वन विकास निगम के पदाधिकारी के साथ अनौपचारिक

विमर्श के दौरान बताया गया कि वर्ष 2024 में क्रय मूल्य 1650 रुपए प्रति मानक बोरा से 1750 रुपए प्रति मानक बोरा कर दिए जाने के कारण वर्ष 2024 में क्रेता हतोत्साहित हो गए। इससे हजारीबाग प्रमंडल के कुल 70 लौट में से मात्र 31 लौट की ही बिक्री हो पाई।

इससे सरकार के राजस्व प्राप्ति में क्षति हुई। केंदूपत्ती का मौसमी संग्रहण कार्य से वनों के समीप स-ुदरवर्ती वनों के ग्रामीणों के लिए अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण स्रोत है। लौट की बिक्री न होने से उस क्षेत्र के अंशकालिक मजदूर भी रोजगार से वंचित रहे। इन सभी बातों के विचारोंपरांत आयुक्त-सह-अध्यक्ष एवं समिति के जरिये 2025 मौसम के लिए केंदूपत्ती क्रय मूल्य में मात्र पांच से छह प्रतिशत न्यूनतम वृद्धि कर 1850 रुपए प्रति मानक बोरा वन भूमि एवं रैयती भूमि के लिए निर्धारण का परामर्श सरकार को देने का निर्णय लिया गया। इससे शत-प्रतिशत केंदूपत्ती लौट की बिक्री हो सके तथा झारखंड राज्य वन विकास निगम को भी बेहतर राजस्व की प्राप्ति हो सके। केंदूपत्ती दर में न्यूनतम वृद्धि से सुदू-रवर्ती ग्रामीण मजदूरों को उनके द्वारा संग्रहित होने वाली केंदूपत्ती का क्रय करने के लिए क्रेतागण उत्साहित रहे और उन्हें रोजगार प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री नीतीश ने बिहार अभियंत्रण विवि के प्रथम दीक्षांत समारोह में मेधावियों को किया सम्मानित

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। समारोह में मुख्यमंत्री ने अभियंत्रण परीक्षा में अव्वल आने वाले छात्र-छात्राओं को डिग्री, मेडल एवं लैपटॉप प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गयी विभागीय उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म मुख्यमंत्री के समक्ष प्रदर्शित की गयी। मुख्यमंत्री ने बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में आयोजित दीक्षांत समारोह में विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की सचिव डॉ प्रतिमा ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम के अंत में सम्मानित होनेवाले छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री के साथ सामूहिक तस्वीर खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने सम्मानित होनेवाले छात्रों को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बिहार स-रकार के सात निश्चय कार्यक्रम के तहत सभी जिलों में राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय की स्थापना करायी गयी है। मुख्यमंत्री की यह प-िरकल्पना थी कि राज्य में अलग से एक स्वतंत्र अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की जाय ताकि पठन-पाठन का सत्र नियमित रूप से होने के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार हो सके। इसको ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी है। विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक अभियंत्रण महाविद्यालय में उच्चस्तरीय आधारभूत संरचना, उच्च गुणवत्ता के प्रयोगशाला, वर्कशॉप एवं स्मार्ट क्लासरूम का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री की सोच के अनुरूप अभियंत्रण महाविद्यालय को पूर्ण रूप से आवासीय बनाया जा रहा है जहां छात्रावास एवं शिक्षकों के लिए आवास का निर्माण कराया जा रहा है। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुमित कुमार सिंह सहित बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय से जुड़े शिक्षकगण-कर्मचारीगण, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।

लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध जागरूकता अभियान के तहत निकली रैली

अररिया, (हि.स.)। अररिया में सोमवार को लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ जागरूकता लाने के उद्देश्य से शहर में जागरूकता रैली निकाली गई। जिला बाल संरक्षण इकाई व महिला एवं बाल विकास निगम समाज कल्याण विभाग की ओर से यह जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को आईसीडीएस के जिला प्रोग्राम पदाधिकारी मंजूला कुमारी व्यास,जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारी शंभू रजक,जिला अल्पसंख्यक पदाधिकारी सुबोध कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी, डीपीएम महिला विकास निगम नोभा कुमारी, जिला मिशन समन्वयक शोएब रूमी, अनुज रंजन केंद्रीय विशेषज्ञ, सीडीपीओ राजा अहमद खान, आईसीडीएस पर्यवेक्षिका अभिलाषा कुमारी, परमजीत सारथी, निभा कुमारी, सदारत खान आदि ने संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में आईसीडीएस और वन स्टॉप सेंटर के लोग शामिल हुए। रैली समाहरणालय से निकलकर चांदनी चौक से होते हुए काली बाजार मुख्य बाजार होते हुए पुनः समाहरणालय परिसर में आकर समाप्त हुई।

रैली में शामिल लोग लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ जागरूकता को लेकर हाथों में तख्तियां लिए हुए थे और बेटा बेटी समानता को लेकर नारे लगा रहे थे। मौके पर आईसीडीएस मंजूला कुमारी व्यास ने बताया कि रैली मुख्य रूप से समाज में बेटा बेटी को लेकर वैचारिक मतभेद और सामाजिक विषमता को दूर करने के उद्देश्य से यह जागरूकता रैली निकाली गई।

बिहार में 11 दिसम्बर तक घना कोहरा छाया रहेगा, 12 जिलों में बारिश का अलर्ट

पटना, (हि.स.)। बिहार में सर्द पछुआ हवा के साथ सुबह के समय अगले दो दिन यानी 11 दिसम्बर तक घने स्तर का कोहरा छाए रहने की संभावना है। इसके साथ आज बिहार के 12 जिलों में बारिश का भी अलर्ट जारी किया गया है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, सक्रिय मौसमी सिस्टम के प्रभाव से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जिससे ठंडी में बढ़ोतरी देखी जा रही है। एक चक्रवातीय परिसंचरण दक्षिण असम के आसपास समुंद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर बना हुआ है। उत्तर पश्चिमी भारत में समुद्र तल से 12.1 किलोमीटर ऊपर जेट स्ट्रीम की तेज हवाएं चल रही है। इन मौसमी गतिविधियों की वजह से बिहार में उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व शहरों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे जबकि 11 दिसम्बर तक 24 जिलों में घने स्तर का कोहरे छाए रहने की संभावना है। इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। सोमवार की सुबह बिहार के 24 जिलों पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, समस्तीपुर, मधुबनी, सुपौल, मधेपुरा, किशनगंज, अररिया, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, खगड़िया, बांका, जमुई और मुंगेर जिलों में घना कोहरा छाया रहा।

वनीला प्लांट लगाकर किसान कर सकेंगे बेहतर कमाई

-फंडामेंटल एग्रो एस सेंटर ने किसानों के बीच वितरित किया वनीला प्लांट

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिले में संग्रामपुर प्रखंड के भवानीपुर में फं-डामेंटल एग्रो एस सेंटर के तत्वाधान में किसानों के बीच औषधीय व सुंगधिय वनीला प्लांट का वितरण किया गया। मौके पर एग्रो एस के जिला कॉडिनेटर विनय शंकर ठाकुर ने बताया कि वनीला प्लांट जिले के बारह प्रखंड के बारह किसानों के बीच दिया गया। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसा औषधीय और सुगंधित पौधा हैं, जिसको छायादार स्थल पर लगा कर कोई भी अच्छी कमाई कर

सकता हैं। यह पौधा लगाने के तीन साल बाद जो फल देगा, उसका मार्केट दर प्रति किलो चालीस हजार रुपये किलो होगा। पौधे से टूट कर गिरने वाले पत्ते और उसके तनों को भी किसान जमा करके रखेगे तो उन्हें उसकी भी प्रति किलो छ हजार की दर से खरीदारी होगी। प्रति पौधा से प्रत्येक वर्ष कम से पांच किलो स्क्रैप निकलेगा। विनय ने किसानों को बताया कि यह पौधा तीन साल में तैयार होगा और एक प्लांट कम से कम साल में तीन से चार किलो फल देगा। इसकी बिक्री कैसे होगी, यह सोचना किसानों का काम नही हैं। इस पर कंपनी स्वयं काम करेगी साथ ही इसका पौधा लगातार पन्द्रह वर्ष तक फल देते रहेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल पहाड़पुर के साकेत आनंद, अरेराज अमित मिश्रा, पीपराकोठी के मनोरंजन सिंह, सुगौली के जितेंद्र झा, हरसिद्धि के सुरेश सिंह, संग्रामपुर के दिग्विजय सिंह उर्फ पिंकु सिंह, केसरिया के मुन्ना ठाकुर, कल्याणपुर के अजीत कुमार सिंह व कोटवा के सुशील सिंह को पौधा दिया गया।

अर्थव्यवस्था के लिए सर्वश्रेष्ठ काम करने का करेंगे प्रयास : संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली

राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने मंगलवार को कहा कि 11 दिसंबर को आरबीआई के गवर्नर का पदभार संभालने के बाद वह सभी नजरियों को समझने और अर्थव्यवस्था के लिए सर्वश्रेष्ठ काम करने की कोशिश करेंगे।

सरकार ने संजय मल्होत्रा को एक दिन पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) का अगला गवर्नर नियुक्त किया है।

आरबीआई के नवनियुक्त गवर्नर राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने वित्त मंत्रालय के बाहर पत्रकारों के पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि किसी को भी क्षेत्र, सभी दृष्टिकोणों को समझना होगा और अर्थव्यवस्था के लिए सर्वश्रेष्ठ कार्य करना होगा।

संजय मल्होत्रा ने कहा कि 11 दिसंबर को आरबीआई के गवर्नर का पदभार संभालने के बाद वह सभी दृष्टिकोणों को समझने और अर्थव्यवस्था के लिए सर्वोत्तम कार्य करने का प्रयास करेंगे।

संजय मल्होत्रा ऐसे समय में आरबीआई के 26वें गवर्नर का पदभार संभालने जा रहे है, जब विकास को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करने का दबाव है। 56 वर्षीय सजंय मल्होत्रा वर्तमान में वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव हैं। केंद्र सरकार ने सोमवार शाम को शक्तिकांत दास के स्थान पर संजय मल्होत्रा को केंद्रीय बैंक के गवर्नर के रूप में नियुक्त किया है।

राजस्थान कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी मल्होत्रा को सार्वजनिक नीति में तीन दशकों से ज्यादा का अनुभव है, उन्हें बिजली, वित्त और कराधान जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल है।

न्यूज ब्रीफ

भारत के लिए एआई बड़ा बदलाव लाने का जरियाः अमेजन इंडिया, अमेजन ने निर्धारित लक्ष्यों को पार कर लिया है

नई दिल्ली । अमेजन इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कृत्रिम मेधा में भारत के लिए बड़ा बदलाव लाने की क्षमता। इस समय स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि और खुदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि की गति बढ़ाएंगे। अधिकारी ने अमेजन संभव शिखर सम्मेलन में आलोचना करते हुए कहा कि ई-कॉमर्स दिग्गज ने 13 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया है। उन्होंने बताया कि अमेजन ने निर्धारित लक्ष्यों को पार कर लिया है और 1.2 करोड़ छोटे व्यवसायों को डिजिटल बना दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रति अमेजन की प्रतिबद्धता पहले से कहीं अधिक दृढ़ है। वे दावा करते हैं कि वे स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी नयापन लाएंगे और भारत में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि एआई क्षमता भारत को तकनीकी उन्नति में मदद कर सकती है और विभिन्न सेक्टरों में आगे की ऊंचाई को प्राप्त करने में सहायक हो सकती है।

चीन का निर्यात धीमा, आयात में गिरावट, निर्यात और आयात के अंतर की वृद्धि ने चीन की आर्थिक स्थिति पर असर डाला

हांगकांग । चीन के व्यापारिक दृष्टिकोण में नवंबर महीने में एक ध्रुवीकृत बदलाव देखने को मिला है, जिसे अनुसार निर्यात में कमजोरी और आयात में गिरावट की घटना सामने आई है। सिन्धु घाटी में सीमा शुल्क के आंकड़ों के अनुसार निर्यात में अच्छी वृद्धि का अपेक्षित स्तर से नीचे रहा जबकि आयात में बढ़ोतरी की स्थिति दर्शाई गई। यह बदलाव वैश्विक बाजार में अकसर दिखाई देने वाले दबाव के परिणाम के रूप में देखा जा सकता है। निर्यात और आयात के अंतर की वृद्धि ने चीन की आर्थिक स्थिति पर असर डाला है, जो एक समर्थन के स्तर पर पहुंच गया है। इस अशंकाजनक परिस्थिति में चीनी अर्थव्यवस्था के नेताओं के लिए एक बड़ी चुनौती का सामना है, जिसे वे समझ कर उचित उत्तर ढूंढ़ने में सक्षम होने के लिए कठिनाइयों का सामना करना होगा। चीन की मौद्रिक नीति में नरमी लाने से भविष्य की स्थिति को सुधारने की कोशिश करने पर ध्यान केंद्रित करना उचित होगा। वाणिज्यिक दृष्टिकोण से आज के समय में सही मार्ग चुनना महत्वपूर्ण होगा, जिससे चीन के अर्थतंत्र को सुरक्षित बनाने में मदद मिले।

भारत में 2025 में रोजगार परिदृश्य वैश्विक स्तर पर सबसे मजबूतः सर्वेक्षण, 53 प्रतिशत नियोक्ताओं की संख्या बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली। भारत में जनवरी-मार्च 2025 में रोजगार परिदृश्य वैश्विक स्तर पर सबसे मजबूत रहने के आसार हैं। एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। इस सर्वेक्षण में शामिल 40 प्रतिशत कॉरपोरेट जगत के लोगों ने अगले तीन महीनों में अपने कर्मचारियों के संख्या बढ़ाने की बात कही। भारत के विभिन्न क्षेत्रों के 3,000 से अधिक नियोक्ताओं को शामिल करने वाले इस सर्वेक्षण के अनुसार, 53 प्रतिशत नियोक्ताओं की संख्या बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। मैनपावरग्रुप के भारत एवं पश्चिम एशिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है और 2025 की पहली तिमाही के लिए रोजगार परिदृश्य में वैश्विक नेता के रूप में इसकी स्थिति देश की आर्थिक प्रगति में नियोक्ताओं के विश्वास को दर्शाती है। इस अनुसंधान के अनुसार भारत में 40 प्रतिशत शुद्ध रोजगार का अनुमान है, जो कि अमेरिका और मेक्सिको से अधिक है। वैश्विक औसत 25 प्रतिशत है। इसके विपरीत, अर्जेंटीना के लिए रोजगार पूर्वानुमान बेहतर नहीं रहा। अधिकारी ने इस समाचार को स्वागत किया और देश की उच्च गति वाली अर्थव्यवस्था में रोजगार के अनुमानित बढ़ते स्तर की सराहना की। इस सुझाव के साथ भारत की आर्थिक प्रगति में और भी अच्छी सूचियों की उम्मीद की जा रही है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं, एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

टेक शेयरों में गिरावट के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार रिकॉर्ड स्तर से फिसल कर नीचे आ गए। डाउ जॉन्स में लगातार तीसरे दिन दबाव बना रहा। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.61 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,052.97 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 132.11 अंक यानी 0.67 प्रतिशत टूट कर 19,727.67 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 44,371.29 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,352.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.71 प्रतिशत उछल कर 7,480.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 20,345.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशिया में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। थाईलैंड स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

ताइवान वेटेड इंडेक्स 127.63 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,145.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,410.15 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,726.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,814.74 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 2.10 प्रतिशत उछल कर 2,411.22 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,456.12 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 204.09 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,618.18 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 142.86 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,303.36 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

अदाणी समूह ने भारत में सबसे आकर्षक निवेश श्रेणी में दिखाया दम

नई दिल्ली

अल्पावधि में वैश्विक बैंक अदाणी समूह को नए कर्ज रोकने का कर सकते हैं विचार

जापानी वैश्विक वित्तीय सेवा कंपनी नोमुरा ने जारी की एक रिपोर्ट में दावा किया है कि अदाणी समूह भारत की निवेश श्रेणी वाली अन्य कंपनियों के बीच सबसे आकर्षक है। इसका कारण यह है कि अदाणी समूह की नकदी प्रबंधन में जनवरी 2023 में होने वाले हिंडनबर्ग घटनाक्रम के समय में सुधार हुआ है। नोमुरा ने नकदी प्रबंधन में समूह की जागरूकता में वृद्धि की बात कही है और समूह को तैयार मानता है इस दौर से निपटने के लिए।

फिर भी अमेरिका के न्याय विभाग के अभियोग के संबंध में नोमुरा जोखिम भी देख रहा है। अल्पावधि में वैश्विक बैंक अदाणी समूह को नए कर्ज रोकने के विचार कर सकते हैं, लेकिन जब मामला निपट जाएगा, तो धीरे-धीरे कर्ज फिर से शुरू हो सकते हैं।

अदाणी समूह ने अमेरिकी आरोपों का खंडन किया है और नोट में बताया गया है कि तीन बड़े जापानी बैंक इस संबंध में अपने रिश्ते जारी रखने की योजना बना रहे हैं। इसे छोड़कर, नोमुरा ने दर्शाया कि सौर विनिर्माण की परियोजनाओं में अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के टैरिफ का स्तर एसीसीआई की सौर परियोजनाओं से कम है। अदाणी की 8 गीगावॉट से आयोजित परियोजनाओं के लिए नोमुरा का जोखिम न्यूनतम लग रहा है, परंतु पीपीए के रद्द होने पर टैरिफ में गिरावट के बिना अनुबंधित हो सकते हैं। नोमुरा का मानना है कि धोखाधड़ी के मामले में यह संभव है कि संभावित जुर्माना राशि अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती है, क्योंकि यह रिश्वत की राशि का तीन गुना है। अदाणी समूह ने अभी तक अमेरिकी आरोपों का सामना कर रहा है और उसकी संक्षिप्त अवधि में कर्ज रोकने की संभावना है।

पिछले 10 सालों में बैंकों की जमा राशि ढाई गुना बढ़ी

निजी कर्जों में भी 10 वर्षों में 4.5 गुना वृद्धि हुई

मुंबई

देश में बैंकों की कुल जमा राशि पिछले दस सालों में 2.4 गुना बढ़कर ढाई गुना हो गई है। इसमें महाराष्ट्र का योगदान 22 फीसदी है, जिसे वर्ष 2023-24 में कुल 212 करोड़ रुपए के रूप में देखा गया है। महाराष्ट्र की जमा राशि 46.7 लाख करोड़ रुपए है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में जारी किए गए डेटा अनुसार, निजी कर्जों में भी 10 वर्षों में 4.5 गुना वृद्धि हुई है। 2025 में देश में कुल 11.44 लाख करोड़ रुपए का निजी कर्ज लिया गया, जो पिछले वर्ष 51.44 लाख करोड़ रुपए के हिसाब से कम है। महंगाई दरों में सबसे अधिक मणिपुर की रही, जबकि उत्तराखंड, पंजाब, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, बिहार, यूपी, व भारत के औसत 5.4 दर्ज की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों की सबसे अधिक दिहाड़ी मजदूरी केरल में है, जहां उन्हें प्रतिदिन 894 रुपए मिलते हैं। कृषि मजदूरी भी केरल में ही सबसे अधिक है, जहां यह 807 रुपए प्रतिदिन है। जम्मू और कश्मीर में यह आंकड़ा 566 रुपए, तमिलनाडु में 541 रुपए, हिमाचल प्रदेश में 492 रुपए और हरियाणा में 452 रुपए है। देश में सबसे अधिक फैक्ट्री तमिलनाडु में है, जहां 39,666 फैक्ट्री हैं। गुजरात में इसकी संख्या 31,031 है, जो दूसरे नंबर पर है।

शक्तिकांत दास ने कार्यकाल के अंतिम दिन सहयोगियों का जताया आभार

कहा, राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय पिछले 6 वर्षों में अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर रहा

मुंबई/नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कार्यकाल के अंतिम दिन मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अपने सहयोगियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने केंद्रीय बैंक का नेतृत्व करने का अवसर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि पिछले छह साल में राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर रहा। केंद्र सरकार ने गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह संजय मल्होत्रा को अगला गवर्नर नियुक्त किया है। मल्होत्रा 11 दिसंबर को पदभार संभालेंगे।

शक्तिकांत दास 12 दिसंबर, 2018 को आरबीआई के गवर्नर बनाए गए थे। बाद में तीन साल के लिए उनके कार्यकाल में विस्तार किया गया था। दास ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस करके अपने अनुभवों को साझा करने के साथ सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने केंद्रीय बैंक का नेतृत्व करने का अवसर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पिछले छह साल में राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर रहा। उन्होंने सरकार, हितधारकों और अपने सहयोगियों को कार्यकाल के दौरान समर्थन और योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। शक्तिकांत दास ने अपने संबोधन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को उनके निरंतर समर्थन और सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर था और उन्होंने हमें पिछले छह वर्षों के दौरान कई चुनौतियों से निपटने में मदद की। वित्तीय क्षेत्र और अर्थव्यवस्था के सभी हितधारकों, विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों, उद्योग निकायों और संघों, कृषि, सहकारी और सेवा क्षेत्रों के संगठनों को उनके इनपुट और नीतिगत सुझावों के लिए भी धन्यवाद दिया। इसके साथ ही आरबीआई की पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए दास ने कहा कि हमने मिलकर अभूतपूर्व वैश्विक झटकों के असाधारण कठिन दौर को सफलतापूर्वक पार किया है। उन्होंने कहा कि आरबीआई एक भरोसेमंद और विश्वसनीय संस्था के रूप में और भी आगे बढ़े, यही कामना है।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना 160 रुपये से लेकर 170 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये से लेकर 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये से लेकर 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी मामूली तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत बढ़ कर 92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारतीय फार्मास्युटिकल बाजार में सुधार के संकेत, नवंबर में 10 फीसदी की वैल्यू ग्रोथ दर्ज

नई दिल्ली। फार्मा रिसर्च डेटा द्वारा उपलब्ध जानकारी के अनुसार कार्डियक, गैस्ट्रो, एंटी-डायबिटीज और डर्मा सेगमेंट में 9.9 फीसदी से अधिक वृद्धि दर्ज की गई। एंटी-न्यूप्लास्टिक्स, डर्मेटोलॉजी और यूरोलॉजी क्षेत्र भी ग्रोथ की दिशा में थे, जो दर्शाता है कि उपचार की मांग बढ़ रही है। कीमतों में वृद्धि और नई दवाओं का लॉन्च मुख्य ग्रोथ ड्राइवर्स बने रहे। इसके परिणामस्वरूप बिक्री में वृद्धि देखने को मिली, जैसे कि ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन की एंटीबायोटिक दवा ऑगमेंटिन और यूएसवी की ग्लाइकोमेट जीपी। जानकारी के अनुसार घरेलू फार्मा बाजार में नवंबर में रिकवरी देखी गई है और ग्रोथ होने की संभावना है। आईपीएम की कुल वार्षिक वृद्धि 8 फीसदी रही, जिसमें कार्डियक, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और एंटी-इंफेक्टिव थेरेपी क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह तरीके से भारत में फार्मास्युटिकल बाजार में सुधार के संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं और दवाओं की मांग और बिक्री में वृद्धि के चिन्ह प्रकट हो रहे हैं।

मिशन इम्पॉसिबल के 13 साल पूरे हुए, मनाया गया जश्न

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में मिशन इम्पॉसिबलः घोस्ट प्रोटोकॉल के रिलीज के 13 साल पूरे हो गए। इस मौके पर फिल्म की टीम ने जश्न मनाया। इस अवसर पर बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर ने अपनी सोशल मीडिया पर फिल्म के पर्दे के पीछे की कुछ यादगार तस्वीरें साझा कीं। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, ह्र13 साल पहले, मिशनः इम्पॉसिबल - घोस्ट प्रोटोकॉल ने एक पावरहाउस कास्ट और अविस्मरणीय क्षणों को एक साथ लाया था। बुर्ज खलीफा पर चढ़ने से लेकर प्रतिष्ठित रेड कार्पेट पर प्रदर्शन तक, ये यादें शाश्वत बनी हुई हैं। इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा बनना वास्तव में सम्मान की बात है। यहाँ मिशन इम्पॉसिबल की विरासत है !ह्व फिल्म में अनिल कपूर ने ब्रिज नाथ नाम के एक भारतीय मीडिया टाइकून की भूमिका निभाई थी। उनका किरदार कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा था, जहां ईथन हंट (टॉम क्रूज) को ब्रिज नाथ

से मिसाइल लॉन्च को रोकने के लिए उपग्रह कोड्स पुनः प्राप्त करने थे। अनिल कपूर का यह रोल भारतीय दर्शकों के लिए खास था, क्योंकि फिल्म का एक हिस्सा मुंबई में भी शूट किया गया था। 2024 का साल भी अनिल कपूर के लिए बेहद खास रहा है। उनकी फिल्म फाइटर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा चुकी है और इसने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इसके अलावा, उन्हें प्रतिष्ठित टाइम100 एआई सूची में शामिल किया गया, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और वैश्विक प्रभाव का प्रमाण है। उनकी वेब सीरीज द नाइट मैनेजर को एम्मी अवार्ड्स में नामांकन मिला, और हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ह्यएनीमलह्न में उनके अभिनय ने उन्हें आईआईएफए अवार्ड दिलाया। इस समय, उनके फैंस उनकी अगली फिल्म सुबेदार का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो उनके और निर्देशक सुरेश त्रिवेदी के पहले सहयोग का हिस्सा होगी। अनिल कपूर के करियर का सफर प्रेरणादायक है। चाहे वह बॉलीवुड हो या हॉलीवुड, उन्होंने हमेशा ऐसी कहानियां चुनीं, जो स्थायी प्रभाव छोड़ती हैं।

नए साल में शुरू होगी अर्जुन उस्तरा की शूटिंग

मुंबई (ईएमएस)। विशाल भारद्वाज की आगामी एक्शन फिल्म अर्जुन उस्तरा की शूटिंग नए साल में प्रारंभ हो जाएगी। इस फिल्म में अभिनेत्री तृप्ति डिमरी और अभिनेता शाहिद कपूर पहली बार स्क्रीन पर साथ नजर आएंगे। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन कार्य तेजी से चल रहा है, और इसकी शूटिंग जनवरी 2025 से शुरू होने की उम्मीद है। विशाल भारद्वाज, जो अपने बेहतरीन निर्देशन और अनोखी कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं, इस बार स्वतंत्रता के बाद के युग में अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित एक ग्रीपिंग एक्शन-ड्रामा लेकर आ रहे हैं। अर्जुन उस्तरा के लिए एक भव्य सेट तैयार किया जा रहा है, जो फिल्म के विजन को वास्तविकता में बदलने में मदद करेगा। बताया जा रहा है कि फिल्म के निर्माण के लिए एक बड़ा स्टूडियो बनाया जा रहा है, जो इसकी भव्यता को और बढ़ाएगा। निमार्ताओं का लक्ष्य है कि शूटिंग को समय पर पूरा करके फिल्म को 2025 में ही बड़े पर्दे पर उतारा जाए। फिल्म में शाहिद कपूर एक दिलचस्प और शक्तिशाली किरदार निभाने वाले हैं, जबकि तृप्ति डिमरी का किरदार भी कहानी में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। तृप्ति डिमरी के लिए 2024 का साल शानदार रहा है।

उनकी फिल्मों विक्की विद्या का वो वाला वीडियो, ह्यबैड न्यूजह्न और भूल भुलैया 3 ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया और उन्हें दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों से भी सराहना मिली। उनकी अदाकारी ने उन्हें आईएमडीबी की शीर्ष-रेटेड अभिनेत्रियों की सूची में जगह दिलाई है। अब, वह अर्जुन उस्तरा के जरिए अपने करियर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शाहिद कपूर भी इस फिल्म को लेकर उत्साहित हैं, क्योंकि यह एक ऐसी कहानी है, जो न केवल एक्शन से भरपूर है बल्कि एक गहरी और जटिल पृष्ठभूमि को भी उजागर करती है। विशाल भारद्वाज और शाहिद कपूर पहले भी कमीने और हैदर जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं, और दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अर्जुन उस्तरा को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्सुकता बढ़ गई है।

नोरा फतेही का आए हाए म्यूजिक वीडियो मचा रहा धूम

मुंबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय एक्ट्रेस नोरा फतेही का नया म्यूजिक वीडियो आए हाए खूब धूम मचा रहा है। इस वीडियो में उनके साथ गायक और रैपर करण औजला हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया और म्यूजिक चार्ट्स पर छाया हुआ है। नोरा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर पर्दे के पीछे की एक झलक साझा की, जिसमें उन्होंने सेट पर मस्ती भरे पलों को दिखाया। इस वीडियो में नोरा और करण औजला की हल्की-फुल्की बातचीत और पंजाबी में उनका तालमेल दर्शकों को खासा पसंद आ रहा है। नोरा ने इस पोस्ट के साथ लिखा, क्या यह भी कोई सवाल है.. हम तैयार ही पैदा हुए हैं! करण औजला आए हाय बीटीएस अभी हमारा नया म्यूजिक वीडियो देखें! गाने में नोरा अपने शानदार बीच लुक और आत्मविश्वास से भरे परफॉर्मेंस से हर किसी को आकर्षित कर रही हैं। स्टाइलिश बीचवियर में उनके डांस

मूव्स और विजुअल्स गाने के ग्लैमरस और कूल वाइब्स को बखूबी दशार्ते हैं। प्रशंसकों ने उनके इस परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की और गाने को बार-बार सुनने की बात कही। नोरा के लिए यह साल भी बेहद खास रहा है। यो यो हनी सिंह के साथ उनके पिछले ट्रैक पायल को मिली जबरदस्त सफलता के बाद आए हाए उनकी लोकप्रियता को और भी बढ़ा रहा है। हाल ही में नोरा ने अंतरराष्ट्रीय कलाकार सीके के साथ अपने गाने इट्स टू का बीटीएस वीडियो भी शेयर किया था, जिसमें वह हिंदी में गाते हुए नजर आईं। यह गाना भी फैन्स के बीच खूब पसंद किया गया। अब नोरा एक और बड़े अंतरराष्ट्रीय म्यूजिक वीडियो के लिए तैयार हैं। इस बार वह मशहूर कलाकार जेसन डेरुलो के साथ काम करेंगी। इस खबर ने उनके फैन्स के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है और हर कोई उनके अगले धमाकेदार परफॉर्मेंस का इंतजार कर रहा है।

फिल्म फतेह का टीजर हुआ रिलीज

लोगों के मसीहा के नाम से मशहूर सोनू सूद अब निर्देशक के रूप में अपने करियर की नई शुरूआत करने जा रहे हैं। उनकी पहली निर्देशन फिल्म फतेह का टीजर आज पुष्पा 2ः द रूल के साथ सिनेमाघरों में रिलीज कर दिया गया। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर टीजर का अनावरण 9 दिसंबर को किया जाएगा। सोनू सूद ने अपने इस निर्देशन को जुनून और उद्देश्य की यात्रा बताया। उन्होंने कहा, फतेह डिजिटल दुनिया की छाया में लड़ी गई

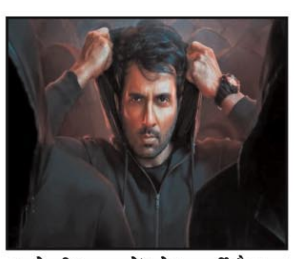

अनदेखी लड़ाइयों को दशार्ती है। यह हर उस नायक को मेरी श्रद्धांजलि है जो असंभव बाधाओं के खिलाफ लड़ने का साहस रखता है। मैं दर्शकों को फतेह की एड्रेनालाईन, भावनाओं और विशुद्ध शक्ति का अनुभव कराने के लिए उत्साहित हूं। इस एक्शन-थ्रिलर में सोनू सूद के साथ जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सोनू की निर्देशन में बनी यह पहली फिल्म उनकी अब तक की छवि और काम को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का वादा करती है।

अभिषेक की ट्रोलिंग पर अमिताभ का करारा जवाब

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने बेटे अभिषेक बच्चन को लेकर की गई ट्रोलिंग का ऐसा करारा जवाब दिया कि ट्रोलर्स की बोलती बंद हो गई। मामला तब शुरू हुआ जब अमिताभ ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अभिषेक बच्चन अंग्रेजी में यंग जनरेशन के बारे में बात कर रहे थे। वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने अभिषेक को ट्रोल करते हुए लिखा, सर जी, हिंदी में बोलने को कहो जूनियर बच्चन को। इंग्लिश हमारे समाज में सबको बराबर नहीं आती है। खास बात यह रही कि यूजर ने यह टिप्पणी हिंदी में लिखने के बजाय रोमन अक्षरों में की। अमिताभ बच्चन ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, वाह, क्या दृष्टिकोण है आपका। अद्भुत। बोलने को कहते हो हिंदी में, और लिखते हो अंग्रेजी अक्षरों में। अमिताभ का यह जवाब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, और कई फैंस ने उनकी इस समझदारी और हाजिरजवाबी की तारीफ की। एक बार फिर, बिग बी ने दिखा दिया कि वह अपने परिवार का न केवल हर मंच पर समर्थन करते हैं, बल्कि ट्रोलिंग के खिलाफ खड़े होने से भी पीछे नहीं हटते।

अनुपम खेर ने साझा किए अनुभव

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए अपने फिटनेस सफर के बारे में खुलासा किया। उन्होंने बताया कि एक विशेष फिल्मी भूमिका के लिए उन्हें तीन महीनों में 7 किलो वजन कम करना पड़ा। अनुपम खेर ने कहा, मैं खाने का बहुत शौकीन था और कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। लेकिन इस प्रक्रिया ने मुझे सिखाया कि कुछ भी हो सकता है। वीडियो में अनुपम ने अपने बढ़े हुए वजन की तस्वीरें और ट्रांसफॉर्मेशन की झलकियां दिखाईं। साथ ही, उनके ट्रेनर भी इस सफर का हिस्सा बने। अनुपम ने अपने पोस्ट में लिखा,

अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के बाद ही आप बदलाव ला सकते हैं। हाल ही में अनुपम खेर को फिल्म विजय 69 में देखा गया था। अब वह निर्देशन की दुनिया में वापसी करने जा रहे हैं और अपनी नई फिल्म तन्वी द ग्रेट पर काम शुरू करेंगे। अनुपम के इस फिटनेस ट्रांसफॉर्मेशन और उनकी मेहनत ने फैंस के बीच प्रेरणा की मिसाल पेश की है।

मैं भगवान का शुक्रगुजार हूं : कपिल शर्मा

मुंबई (ईएमएस)। एक न्यूज चैनल के इंडियन ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स 2024 में कॉमेडियन कपिल शर्मा को ग्लोबल एंटरटेनर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। अवॉर्ड प्राप्त करते हुए भावुक कपिल ने कहा, आज से 20 साल पहले मैं इसी होटल में एक गायक के साथ कोरस गायक के तौर पर परफॉर्म करने आया था। आज 20 साल बाद मुझे उसी होटल में अवॉर्ड मिल रहा है। यह मेरे लिए बेहद खास और भावुक पल है। मैं भगवान का शुक्रगुजार हूं। इस खास समारोह में कपिल ने अवॉर्ड मिलने पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं और अपने शानदार सफर की झलक साझा की। कपिल ने मनोरंजन जगत में अपनी यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा, जब मैंने यह शो शुरू किया था, तो मुझे सिर्फ 24 एपिसोड का मौका मिला था। आज, इस शो को 12 साल पूरे हो चुके हैं। थिएटर से शुरूआत करने के बाद मैंने दिल्ली में कई साल

बिताए और फिर मुंबई आकर संघर्ष किया। भगवान ने मेरी राह बनाई और मुझे एक रियलिटी शो के जरिए मौका मिला, जिससे मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल गई। कपिल ने अपनी बातों में सोशल मीडिया पर बढ़ती निर्भरता का जिक्र करते हुए कहा, आज हम सोशल मीडिया में इतने डूब गए हैं कि अपनी असली जिंदगी से दूर हो गए हैं। हम यह तो जानना चाहते हैं कि अमेरिका ने यूक्रेन से क्या कहा, लेकिन यह पता नहीं होता कि हमारे घर में क्या हो रहा है। हमें सोशल मीडिया का इस्तेमाल सीमित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर अपना समय सीमित कर लिया है। उन्होंने कहा, हर किसी की परिस्थितियां अलग होती हैं, लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि हर दिन एक नया मौका लाता है।कपिल का यह संदेश उनकी सोच और अनुभवों को दशार्ता है। उन्होंने जीवन के उतार-चढ़ावों को स्वीकार किया और अपनी सफलता का श्रेय मेहनत, भगवान और अपने प्रशंसकों को दिया।

नानी को याद कर भावुक हुई सोनम कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी फैमिली के प्रति प्यार और लगाव के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में सोनम ने अपनी नानी को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया, जो फैंस के बीच वायरल हो रहा है। सोनम ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर अपनी नानी के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा की। तस्वीर में सोनम अपनी नानी की गोद में बैठी नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, आपको बहुत याद कर रही हूं नानी। उनकी इस पोस्ट ने फैंस

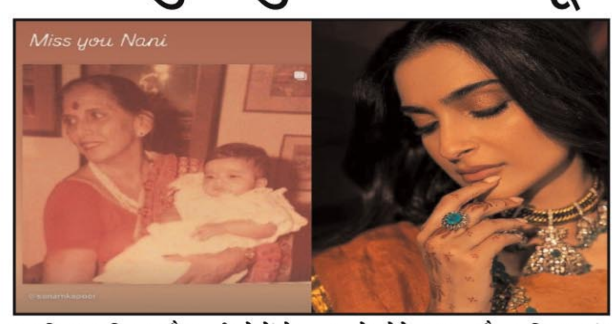

का दिल छू लिया और कई लोगों ने इसे देखकर अपनी भावनाएं साझा कीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनम कपूर को आखिरी बार फिल्म ब्लाइंड में देखा गया था। फिलहाल, सोनम अपने बेटे वायु और पति आनंद आहूजा के साथ लंदन में क्वालिटी टाइम बिता रही हैं। बेटे वायु के जन्म के बाद सोनम अपनी पर्सनल लाइफ को प्राथमिकता देती नजर आ रही हैं।

फिर धमाकेदार एक्शन के साथ वापसी करेंगे सनी देओल

मुंबई (ईएमएस)। एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाकेदार एक्शन के साथ अभिनेता सनी देओल वापसी करने जा रहे हैं। सनी पाजी की अपकमिंग फिल्म जाट का टीजर हाल ही में पुष्पाः द रूल के साथ 12,500 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया। फिल्म में सनी देओल के साथ रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर, और रेजिना कैसंड्रा जैसे बेहतरीन कलाकार हैं। इस हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। फिल्म के संगीत की कमान थमन एस ने संभाली है, जबकि सिनेमैटोग्राफी ऋषि पंजाबी ने की है। नवीन नूली ने संपादन का जिम्मा संभाला है। फिल्म में एक्शन सीक्वेंस को और रोमांचक बनाने के लिए एक्शन कोरियोग्राफर अनल अरासु, राम लक्ष्मण, और वेंकट ने मेहनत की है। इसके स्टंट्स और सीक्वेंस दर्शकों को सीट से बांधे रखने का वादा करते हैं। फिल्म का

निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा किया गया है और यह अप्रैल 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सनी देओल के लिए 2023 एक शानदार साल रहा। उनकी फिल्म गदर 2 न केवल साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई, बल्कि दर्शकों का दिल जीतने में भी कामयाब रही। धर्मेंद्र के साथ उनकी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने भी जबरदस्त सफलता पाई। अभिनेता के पास लाहौर 1947 और बॉर्डर 2 जैसी बड़ी फिल्में पाइपलाइन में हैं। इन प्रोजेक्ट्स से यह साफ है कि 2025 भी सनी देओल के लिए शानदार रहने वाला है। 1983 में फिल्म बेताब से अपने करियर की शुरूआत करने वाले सनी देओल ने बॉर्डर, गदर, घातक, और घायल जैसी यादगार फिल्में दी हैं। इन फिल्मों के दमदार डायलॉग्स और सनी की जानदार एक्टिंग ने उन्हें दर्शकों के बीच अमर बना दिया। उनके ढाई किलो का हाथ जैसे डायलॉग्स आज भी सिनेमाघरों में तालियां और सीटियां बजाने पर मजबूर कर देते हैं। 1996 में रिलीज हुई उनकी फिल्म घातक के डायलॉग्स आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं जितने उस समय थे। सनी देओल की जाट एक बार फिर दर्शकों को उनके ट्रेडमार्क एक्शन और प्रभावशाली अभिनय का अनुभव देने के लिए तैयार है।

अमिताभ बच्चन ने की पुष्पा-2 के अभिनेता अल्लू अर्जुन की तारीफ

बॉलीवुड के बिग बी की लोकप्रियता आज भी बरकरार है। उन्हें बॉलीवुड हीरो के साथ-साथ एंग्री यंग मैन के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे ही अमिताभ बच्चन 'पुष्पा 2' स्टार अल्लू अर्जुन की सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया। अमिताभ बच्चन ने अल्लू अर्जुन का प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक वीडियो शेयर किया। उस वीडियो में अल्लू अर्जुन बड़े दिल से अमिताभ की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। एक इवेंट में अल्लू से पूछा गया कि कौन सा बॉलीवुड एक्टर आपको सबसे ज्यादा प्रेरित करता है? इस पर उन्होंने कहा था, "अमिताभ मुझे सबसे ज्यादा प्रेरित करते हैं। मैं बचपन से उनकी फिल्में देखकर बड़ा हुआ हूं। उनका मुझ पर गहरा प्रभाव है। मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। इस उम्र में वह जिस तरह से

अभिनय कर रहे हैं वह वाकई अद्भुत है।" अल्लू अर्जुन से तारीफ सुनने के बाद अमिताभ ने उन्हें धन्यवाद दिया। अल्लू अर्जुन की तारीफ करते हुए अमिताभ ने लिखा, 'अल्लू अर्जुन जी... आपके दयालु शब्दों से अभिभूत हूं... आपने मुझे मेरी योग्यता से कहीं अधिक दिया है... हम सभी आपके काम और प्रतिभा के बड़े प्रशंसक हैं... आप हम सभी को प्रेरित करते हैं।

सूडोकु नवताल- 6998

★★★☆☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6997 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्दजाल - 7745

शब्दजाल में देश के दस राज्यों की राजधानियां ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

जयपुर,गांधीनगर,बैंगलोर,हैदराबाद, भोपाल, श्रीनगर, पटना, कोलकाता, मुंबई,भुवनेश्वर

गां	धी	न	ग	र	मा	ज	वा	ज	पे	यी
द	ह	ल	प्रे	व	जी	य	द	ह	कां	रा
वि	स	मा	म	को	ह	पु	म	ल	ख	म
मि	बैं	ग	लो	र	वा	र	ध	श्री	श	दु
श	आ	र	ग	बा	ज	ना	तू	न	झ	प
है	ल	ला	र	दि	द	मुं	ती	ग	घ	ट
द	व	भो	पा	ल	प	ब	ज	र	व	ना
रा	एं	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	न्हा
बा	ड	ल	को	ल	का	ता	आ	ग	शी	आ
द	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	भु	व	ने	श्व	र	त	ब	प	म

शब्दजाल - 7744 का हल

भा	क	ल	पा	कि	स्ता	न	धी	द	ल	ज
र	र	ल	दे	श्री	लं	का	इं	क्षि	ट	वा
त	स	त	ल	र्म	छ	रा	रा	ण	ख	द
आ	स्ट्रे	लि	या	पु	र	न्यू	प	अ	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ता	लं	जी	तू	फ्री	झ	र्निं
बां	ग	ला	दे	श	न	लैं	ना	का	घ	हा
ल	अ	स	त	या	प	ड	श	ज	ला	लैं
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ड
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	के	न्या	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	इं	ग्लैं	ड	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6698

1	3		4	5	7	
	25	7	32		36	
	2		6	3		4
3	31	6	32		33	
	5			1		7
5	37	5	31		30	
	5		3	2	7	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6697 का हल

4	3	2	7	6	1	5
5	33	7	35	1	28	3
1	6	5	4	3	7	2
2	35	3	35	7	32	6
7	5	6	3	4	2	1
6	33	1	31	5	30	4
3	1	4	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

बीबीएल 14 : मेलबर्न रेनेगेड्स में शामिल हुए मार्कस हैरिस, जेवियर क्रोन

मेलबर्न

मेलबर्न रेनेगेड्स ने बिग बैश लीग (बीबीएल) 14 से पहले विक्टोरियन स्टार मार्कस हैरिस और जेवियर क्रोन के साथ करार किया है।

हैरिस, अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले एक अनुभवी सलामी बल्लेबाज हैं, जो बीबीएल 8 चैंपियनशिप जीतने वाली टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

हैरिस ने इस घरेलू सत्र की शानदार शुरुआत की है। विक्टोरिया के लिए अभियान की शुरुआत करते हुए, उन्होंने वन-डे कप के पहले मैच में अर्धशतक बनाया और इसके बाद शेफील्ड शील्ड में एक शतक और एक और अर्धशतक लगाया।

हैरिस ने मंगलवार को क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा, रेनेगेड्स के साथ वापस आना बहुत अच्छा है। व्हाइटी (कैमरन व्हाइट) के आने और क्लब द्वारा बनाई गई टीम के साथ यह रोमांचक है। मैं उस स्थिति में वापस जाने के लिए उत्सुक हूं, जहां मैंने अपना अधिकांश बीबीएल खेला है।

विक्टोरिया के लिए दमदार प्रदर्शन करने के बाद, एक होनहार तेज गेंदबाज क्रोन बिग बैश के मैदान में वापस आ गए हैं। उनका यह ग्रीष्मकाल शानदार रहा है, जिसमें उन्होंने शील्ड स्तर पर 15 विकेट लिए हैं और साथ ही सीज़न के अपने पहले रेड बॉल गेम में एक महत्वपूर्ण अर्धशतक भी लगाया है। क्रोन ने कहा, मैं रेनेगेड्स के साथ यह अवसर पाकर उत्साहित हूँ। मुझे लगता है कि मैं इस साल खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हूँ। इस सीज़न में शामिल होने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ। मेलबर्न रेनेगेड्स के महाप्रबंधक जेम्स रोसेनगार्डन ने इन खिलाड़ियों का स्वागत किया और उनके संभावित प्रभाव पर प्रकाश डाला। रोसेनगार्डन ने कहा, मार्कस एक विश्व स्तरीय बल्लेबाज है जो अपने साथ ढेर सारा अनुभव और शांतचित्तता लेकर आता है। जेवियर एक उभरती हुई प्रतिभा है जो बल्ले और गेंद दोनों से ही असली अंतर पैदा करने की क्षमता रखता है और हम उसे बिग बैश के माहौल में कामयाब होते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं।

हैरिस और क्रोन दोनों ने अगस्त में डार्विन में हुए टॉप एंड टी20 टूर्नामेंट में रेनेगेड्स के लिए प्रमुखता से प्रदर्शन किया था। रेनेगेड्स 16 दिसंबर को अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसमें दोनों से टीम की सफलता की तलाश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

न्यूज़ ब्रीफ

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हुईं जॉर्जिया वोल

मेलबर्न। भारत के खिलाफ प्रभावशाली पदार्पण श्रृंखला के बाद युवा खिलाड़ी जॉर्जिया वोल को मंगलवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। वोल ने भारत के खिलाफ पहले वनडे में शानदार शुरुआत की और ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाबाद 46 रन बनाकर आठ विकेट से जीत हासिल की। ??इसके बाद उन्होंने दूसरे मैच में शानदार शतक बनाया और सिर्फ़ 87 गेंदों पर 101 रन बनाए। उनकी पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 371/8 का विशाल स्कोर बनाया, जो वनडे इतिहास में उनका तीसरा सबसे बड़ा स्कोर था। इसके बाद उन्होंने 122 रन से जीत दर्ज की। अनुभवी बल्लेबाज बेथ मूनी ने जॉर्जिया वोल की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए हर संभव प्रयास किया है। मूनी ने आईसीसी के हवाले से कहा, उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया है कि उनका प्रदर्शन चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित करे। घरेलू क्रिकेट में कुछ साल बिताने के बाद, उन्हें अपने खेल की अच्छी समझ है, और यह अनुभव अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसके सहज संक्रमण में सहायक रहा है।

कोपा डेल रे : तीसरे दौर में बारबास्ट्रो का सामना एफसी बार्सिलोना से, रियल मैड्रिड के सामने डेपोर्टिवो मिनेरो

मैड्रिड। चौथे स्तर की टीमें बारबास्ट्रो और डेपोर्टिवो मिनेरो कोपा डेल रे के तीसरे दौर में एफसी बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेलेंगी, जबकि कप विजेता एथलेटिक क्लब बिलबाओ लॉग्रोन्स के खिलाफ खेलेगा। सोमवार को मैड्रिड में आयोजित तीसरे दौर के ड्रा में, जनवरी के शुरू में स्पेनिश सुपरकप में खेलने वाली चार टीमों ने पहली बार ड्रा में प्रवेश किया, जिसमें वरीयता प्रणाली ने यह सुनिश्चित किया कि वे टूर्नामेंट में बची हुई सबसे कम रैंक वाली टीमों के साथ खेलें, हालांकि सभी छोटी टीमों ने दूसरे दौर में शीर्ष स्तर की प्रतिद्वंद्वियों को बाहर किया है। रियल मैड्रिड के खिलाफ डेपोर्टिवो मिनेरो का मुकाबला स्पेन के दक्षिण-पूर्व में कार्टाजेना में खेला जाएगा और यह मिनेरो को शीर्ष टीम डेपोर्टिवो अलावेस को पेनल्टी शूटआउट के बाद दूसरे दौर से बाहर करने का इनाम है।

भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के तहत सनी ढिल्लों पर लगा छह साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार निरोधक न्यायाधिकरण द्वारा अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद सनी ढिल्लों को छह साल के लिए सभी तरह की क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया है। एक फ्रेंचाइजी टीम के पूर्व सहायक कोच ढिल्लों उन आठ लोगों में शामिल थे जिन पर पिछले साल संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। आरोप 2021 अबू धाबी टी10 क्रिकेट लीग और उस टूर्नामेंट में मैचों को भ्रष्ट करने के प्रयासों से संबंधित हैं, जिन्हें टूर्नामेंट के लिए ईसीबी के कोड के प्रयोजनों के लिए आईसीसी, नामित भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारी (डीएसीओ) द्वारा बाधित किया गया था। पूरी सुनवाई और लिखित और मौखिक दलील पेश करने के बाद, ट्रिब्यूनल ने निम्नलिखित भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन का ढिल्लों को दोषी पाया: अनुच्छेद 2.1.1 - अबू धाबी टी10, 2021 में मैचों या मैचों के पहलुओं को ठीक करने, गलत तरीके से प्रभावित करने या प्रभावित करने के प्रयास में पक्षकार बनना। अनुच्छेद 2.4.4 - संहिता के तहत भ्रष्ट आचरण में शामिल होने के लिए प्राप्त किसी भी दृष्टिकोण या निमंत्रण का पूरा विवरण डीएसीओ को प्रकट करने में विफल होना। अनुच्छेद 2.4.6 - संहिता के तहत संभावित भ्रष्ट आचरण के संबंध में डीएसीओ द्वारा की गई किसी भी जांच में सहयोग करने के लिए बिना किसी ठोस कारण के असफल होना या इनकार करना।

भारत एशियाई कप 2027 क्वालीफायर फाइनल राउंड के ग्रुप सी में

नई दिल्ली

भारत एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 क्वालीफायर फाइनल राउंड के ग्रुप सी में हांगकांग, सिंगापुर और बांग्लादेश के साथ है। सोमवार को कुआलालंपुर के एएफसी हाउस में आयोजित ड्रॉ में 24 टीमों को चार-चार के छह समूहों में विभाजित किया गया।

केवल छह ग्रुप विजेता ही क्वालीफ़ाई करेंगे और उन 18 टीमों में शामिल होंगे जिन्होंने क्वालीफ़ाइंग के दूसरे दौर के बाद पहले ही एएफसी एशियाई कप सऊदी अरब 2027 के लिए अपना टिकट बुक कर लिया है। क्वालीफ़ायर फ़ाइनल राउंड 25 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2026 के बीच होम-एंड-अवे प्रारूप में छह मैच दिनों में खेला जाएगा।

एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत, अपने इतिहास में पहली बार लगातार तीन एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य रखते हुए, बांग्लादेश के खिलाफ़ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

भारत ने हाल के दिनों में तीनों प्रतिद्वंद्वियों का सामना किया है। ब्लू टाइगर्स ने आखिरी बार 2021 सैफ चैंपियनशिप में बांग्लादेश का सामना किया था, जून 2022 में कोलकाता में एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में हांगकांग का सामना किया था और सितंबर 2022 में वियतनाम में हंग थिन्ह फ्रेंडली टूर्नामेंट में सिंगापुर का सामना किया था।

नवंबर में जारी फीफा रैंकिंग के अनुसार, भारत 127वें, हांगकांग 156वें, सिंगापुर 161वें और बांग्लादेश 185वें स्थान पर है।

ड्रॉ के बाद भारत के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने कहा, हम पॉट 1 टीम हैं और हमें यह दिखाने की ज़रूरत है कि हम क्वालिफाई करने के लिए पसंदीदा क्यों हैं। समूहों के बीच बहुत ज़्यादा अंतर नहीं है।

हर समूह मुश्किल है। हांगकांग ने स्वाभाविक खिलाड़ियों और अपने कोच एश्ले वेस्टवुड के साथ बहुत सुधार किया है, जिनके खिलाफ़ भारत ने विश्व कप क्वालीफ़ायर में खेला था (जब वे अफ़गानिस्तान के प्रभारी थे)। हम मार्च में सबसे पहले बांग्लादेश के खिलाफ़ खेलेंगे, जो सैफ चैम्पियनशिप में हमारे नियमित प्रतिद्वंद्वी रहे हैं। हम कैलेंडर जानते हैं।

हमारे पास छह गेम हैं और हमें ग्रुप में शीर्ष पर रहना होगा और एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करना होगा।

एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 क्वालीफायर फाइनल राउंड में भारत के मैच:

- 25 मार्च, 2025: भारत बनाम बांग्लादेश (घरेलू)
- 10 जून, 2025: हांगकांग बनाम भारत (बाहरी)
- 9 अक्टूबर, 2025: भारत बनाम सिंगापुर (घरेलू)
- 14 अक्टूबर, 2025: सिंगापुर बनाम भारत (बाहरी)
- 18 नवंबर, 2025: बांग्लादेश बनाम भारत (बाहरी)
- 31 मार्च, 2026: भारत बनाम हांगकांग (घरेलू)

एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर फाइनल राउंड फुल ड्रॉ परिणाम:

- ग्रुप ए: ताजिकिस्तान, फिलीपींस, मालदीव, तिमोर-लेस्ते
- ग्रुप बी: लेबनान, यमन, भूटान, ब्रुनेई दारुस्सलाम
- ग्रुप सी: भारत, हांगकांग, सिंगापुर, बांग्लादेश
- ग्रुप डी: थाईलैंड, तुर्कमेनिस्तान, चीनी ताइपे, श्रीलंका
- ग्रुप ई: सीरिया, अफगानिस्तान, म्यांमार, पाकिस्तान
- ग्रुप एफ: वियतनाम, मलेशिया, नेपाल, लाओस।

एफआईए फॉर्मूला 2 सीज़न 2025 में डैम्स लुकास ऑयल टीम के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे कुश मैनी

बेंगलुरु

अल्पाइन अकादमी के सदस्य कुश मैनी 2025 एफआईए फॉर्मूला 2 सीज़न में डैम्स लुकास ऑयल टीम के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। डैम्स लुकास ने मंगलवार को उक्त घोषणा की। भारतीय ड्राइवर ने पिछले दो सत्रों में फॉर्मूला 2 में रेस की है, चैंपियनशिप में अपने पूरे समय में उन्होंने एक जीत और छह और पोडियम हासिल किए हैं और हाल ही में संपन्न 2024 अभियान में टीम चैंपियनशिप को सुरक्षित किया है। अब तक के मजबूत जूनियर करियर में, मैनी ने ब्रिटिश फॉर्मूला 3 में जीत हासिल करके और 2020 में उप-चैंपियन बनकर प्रभावित किया। इसके बाद उन्होंने एफआईए फॉर्मूला 3 में जाने से पहले फॉर्मूला 3 एशियाई चैम्पियनशिप में भाग लिया, जहाँ उन्होंने हंगरोरिंग में पोडियम स्कोर किया। 24 वर्षीय इस खिलाड़ी ने फॉर्मूला रेनॉल्ट यूरोकप और वर्ल्ड एंड्योरेंस चैंपियनशिप में भी रेस की है। डैम्स लुकास ऑयल ने अब जैक क्रॉफर्ड और मैनी के साथ 2025 फॉर्मूला 2 सीज़न के लिए अपनी पूरी लाइन अप की पुष्टि कर दी है, और दोनों ड्राइवर अबू धाबी में इस सप्ताह के पोस्ट-सीज़न परीक्षण में भाग लेंगे। अनुभवी जोड़ी 14-16 मार्च को मेलबर्न में अपना 2025 प्रतिस्पर्धी अभियान शुरू करेगी। डैम्स लुकास में शामिल होने पर कुश मैनी ने कहा, मैं डैम्स लुकास ऑयल जैसी फॉर्मूला 2 में इतनी मजबूत इतिहास वाली टीम में शामिल होने से रोमांचित हूँ। मुझे लगता है कि इस चैंपियनशिप में मेरी कहानी अभी पूरी नहीं हुई है, और मुझे पता है कि यह मेरे करियर को आगे बढ़ाने में मेरी मदद करने के लिए सही क्रू है। मेरे पास एक पोल पोज़िशन, कई पोडियम और एक रेस जीत है, इसलिए अब यह एक अभियान के दौरान लगातार प्रदर्शन करने के बारे में है। मैं इस सप्ताह जैक के साथ पोस्ट-सीज़न परीक्षण के साथ शुरू करने और 2025 में चैंपियनशिप के लिए एक अनुभवी टीम बनाने का और इंतजार नहीं कर सकता। डैम्स लुकास ऑयल टीम के मालिक चार्ल्स पिक ने कहा, हमें अगले साल के लिए कुश की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है क्योंकि वह एक प्रतिभाशाली ड्राइवर है जिसने सीरीज़ में अपने पूरे समय में बेहतरीन रॉ स्पीड दिखाई है।

बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर समारोह

चीन में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर समारोह में दक्षिण कोरिया की एन सीयोंग को अवार्ड देते हुए बीडब्ल्यू एफ प्रेसीडेंट पॉल इरिक।

सीबीए ने की चीनी बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेम 2024 में शामिल किए गए खिलाड़ियों की घोषणा

बीजिंग

चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन (सीबीए) ने सोमवार को यहां 2024 चीनी बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए खिलाड़ियों की घोषणा की।

इस वर्ष हॉल ऑफ फेम में शामिल किये गए खिलाड़ियों में पुरुष एथलीट ली हंटिंग और गोंग शियाओबिन हैं। उत्कृष्ट महिला एथलीटों में यांग जी और मियाओ लिजी शामिल हैं।

वहीं, उत्कृष्ट कोच और रिफेरी के रूप में क्रमश: मा किंगशेंग और गुओ युपेई को शामिल किया गया है। इनके अलावा चीनी बास्केटबॉल के एम्बेसडर के रूप में पहचाने जाने वाले ली झेनझोंग, वू चेंगझांग और हुआंग ली को शामिल किया गया है।

आज तक, हॉल ऑफ फेम में 42 व्यक्तिगत खिलाड़ी और 3 टीमों को शामिल किया जा चुका है।

चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष गुओ झेनमिंग ने सिन्हुआ के हवाले से कहा, हॉल ऑफ़ फ़ेम एक सुनहरे धागे की तरह है जो इन मोतियों को एक साथ पिरोता है, हमारी भावी पीढ़ियों के लिए एक मूल्यवान हार पेश करता है। यह हमारे युवाओं को प्रेरित करता है और उनके लिए ताकत का स्रोत बनता है।

2024 चीन बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेम प्रेरण समारोह अगले साल मार्च में आयोजित होने वाला है।

आईएसएल: जीत की लय हासिल करने उतरेंगे चेन्नइयन और हैदराबाद

चेन्नई

चेन्नइयन एफसी बुधवार को अपने घरेलू मैदान जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में हैदराबाद एफसी का सामना करने के लिए तैयार है। अपने पिछले तीन मुकाबले हारने वाली इन दोनों टीमों को जीत की पटरी पर आने के लिए तत्काल लय पकड़ने की आवश्यकता है।

चेन्नइयन एफसी 11 मैचों में तीन जीत, तीन ड्रा और पांच हार से 12 अंक लेकर तालिका नौवें स्थान पर है। वहीं, हैदराबाद एफसी ने 10 मैचों में दो जीत, एक ड्रा और सात हार से सात अंक लेकर तालिका में 12वें स्थान पर है।

चेन्नइयन ने इस सीजन में 11 मैचों में 16 गोल किए हैं, लेकिन वो अपने पिछले तीन मैचों में गोल नहीं कर पाई हैं।

कॉयल चेन्नइयन के लिए 50 आईएसएल मैच पूरे करने वाले पहले कोच बनेंगे। कॉयल ने 49 मैचों में 19 जीते और नौ ड्रा खेले हैं। लीग में उनकी जीत दर 38.8त्न है।

वहीं, हैदराबाद एफसी (11) ने आईएसएल 2024-25 के पहले चरण में अन्य टीमों की तुलना में अधिक गोल खाए हैं। हैदराबाद अपने पिछले छह मैचों में से चार में गोल नहीं कर पाई है।

चेन्नइयन एफसी के स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल ने कहा कि वह हैदराबाद एफसी की टीम का सम्मान करेंगे।

उन्होंने कहा, हैदराबाद एफसी के पास कुछ बहुत अच्छे विदेशी खिलाड़ी और कुछ प्रतिभाशाली भारतीय हैं। हम उनका बहुत सम्मान करते हैं। लेकिन हम पहले मिनट से ही सकारात्मक खेलकर जीतने की कोशिश करेंगे।

हैदराबाद एफसी के सहायक कोच शमील चेम्बकथ को अपनी टीम के फिर से फॉर्म में आने की उम्मीद है और उन्होंने कहा कि वह सुधारों पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, जब नतीजे निराशाजनक होते हैं, तो हमें उन क्षेत्रों का पता होता है, जिनमें हमें सुधार करना होता है। फुटबॉल उतार-चढ़ाव का खेल है। ट्रेनिंग अच्छी चल रही है। हम चुनौती को सकारात्मक रूप से ले रहे हैं और हम वापसी करेंगे।

बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमों ने 11 मैच खेले हैं, जिसमें हैदराबाद एफसी और चेन्नइयन एफसी ने चार-चार मैच जीते हैं। तीन मुकाबले ड्रा रहे हैं।

शादियों के इस खुशनुमा मौसम में यह है ज्वैलरी का नया ट्रेंड

फैशन के गलियारों में बदलते ट्रेंड का असर हमारे दैनिक जीवन पर भी पड़ता है। खासतौर से, महिलाएं तो हमेशा ही लेटेस्ट ट्रेंड पहनने को बेताब रहती हैं। फिर चाहे बात कपड़ों की हो या ज्वैलरी की। महिलाएं हमेशा ही फैशनेबल दिखने की चाहत रखती हैं। इतना ही नहीं, घर से लेकर ऑफिस व पार्टी तक वह ऐसा कुछ पहनना चाहती हैं जो उन्हें दूसरों से हटकर दिखाए। तो आईए जानते हैं ऐसी ही कुछ ज्वैलरी के बारे में, जो इस समय काफी चलन में हैं

ईयरिंग्स

अगर बात ईयरिंग्स की हो तो हूप ईयरिंग्स काफी चलन में हैं। वैसे हूप ईयरिंग्स का क्रेज पिछले साल भी काफी देखने को मिला था और इसकी पॉपुलैरिटी को देखते हुए इस साल भी यह ट्रेंड से आउट नहीं हुआ। इतना ही नहीं, यह घर से लेकर ऑफिस तक एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकते हैं

ब्रेसलेट

इन दिनों ऐसे ब्रेसलेट का चलन है, जो सिल्वर मेटल के बने हों। साथ ही आजकल बेसिक मैटीरियल में लेदर को भी एड किया जा रहा है। अगर बात डिजाइन की हो तो इसमें इंडियन, टर्किश व ग्रीक लुक को तवज्जो दी जा रही है। इन सबके अतिरिक्त इस साल क्रिस्टल्स, चेन व पतले धागे में लगे मोतियों का भी काम काफी हद तक सराहा जा रहा है।

हालांकि पार्टी में इन्हें अवॉइड करना ही बेहतर रहता है। इसके अतिरिक्त शैंडलीर ईयरिंग्स शाम की पार्टी के लिए एकदम परफेक्ट रहते हैं। यह लंबे हैंगिंग शिमरी स्टोंस युक्त ईयरिंग्स होते हैं। इनके रॉयल लुक को देखते हुए ही इन्हें पार्टीवियर माना जाता है। अगर आप बेहद सिंपल व एलीगेंट दिखना चाहती हैं तो आपके लिए स्टड विद पर्ल्स एक अच्छा ऑप्शन है। यह स्टड कभी भी फैशन से आउट नहीं होते। इस साल भी यह ट्रेंड में बने हुए हैं। इन सबके ईयरकफ्स को भी इन दिनों काफी तवज्जो दी जा रही है। ईयरकफ्स वैसे तो 1990 में ट्रेंड में आए थे लेकिन पिछले साल से इन्हें फिर से काफी पसंद किया जा रहा है। साथ ही अब ऐसे ईयरकफ्स डिजाइन किए जा रहे हैं, जिन्हें पहनने के लिए आपको पियसिंग करवाने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही यह आपके पूरे कानों को कवर करते हैं।

पेंडेंट

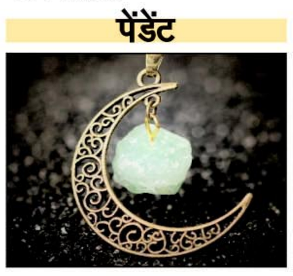

आजकल ऐसे पेंडेंट लोगों द्वारा पसंद किए जा रहे हैं, जिनमें कलर्ड लेटर्स या नंबर्स का इस्तेमाल हो। इन नंबर्स को एक पतली गोल्ड चेन में लटकाकर पहना जा रहा है। यह वेट में हल्के होने के साथ-साथ बेहद अच्छा लुक देते हैं। इनके अतिरिक्त चोकर्स भी इन दिनों काफी ट्रेंड में हैं। इस ज्वैलरी की खासियत यह है कि यह वेट में हल्की होती है लेकिन देखने में यह काफी हैवी लुक देती है। इसलिए इन्हें डेली वियर के अतिरिक्त पार्टी में भी पहना जाता है। वहीं पार्टी लुक के लिए स्मॉल पेंडेंट के स्थान पर स्टेटमेंट पेंडेंट व नेकलेस पहनना अच्छा रहता है। अगर आपको छोटे पेंडेंट पहनना ही पसंद है तो उन्हें पार्टीवियर बनाने के लिए आप तीन-चार पेंडेंट एक साथ पहनें जिससे पेंडेंट की लेयरिंग आसानी से हो जाएं। मल्टी लेयर्ड पेंडेंट पार्टी के लिए एक अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं।

बच्चों को ऐसे बनाएं नेचर फ्रेंडली

चढ़ते थे, लुका छिपी खेलते थे या मिट्टी के घर बनाते थे और घंटों धूल में खेला करते थे। अबअब वो दिन जा चुके हैं जब बच्चें पेड़ों पर मनोरंजन का मतलब उनके लिए टीवी या मोबाइल की स्क्रीन से चिपके रहना है।

अभिभावकों को अपने बच्चों को नेचर फ्रेंडली बनाने में काफी दिक्कतें आ रही हैं। हम आपको बता रहे हैं कि बच्चों को प्रकृति के करीब कैसे लाया जाए।

उदाहरण सेट करना जरूरी

पैरंट्स को सबसे पहले खुद से पूछना होगा कि क्या असल जिंदगी में वह खुद अपने मशीनी उपकरण छोड़ कर नेचर के करीब जाने के लिए तैयार हैं। अगर नहीं, तो सबसे पहले अभिभावकों को खुद इसकी कोशिश करनी होगी क्योंकि यदि आप चाहते है कि बच्चें विडियो गेम्स या फोन से दूर रहें तो आपको बच्चों के सामने अपना उदारहण पेश करना होगा।

सॉइकॉलजिस्ट डॉक्टर वर्खा चुलानी के मुताबिक बच्चों में आदतें हमेशा उनके पैरंट्स से ही आती हैं। ऐसे में अगर बच्चा पैरेंट्स को सोफे पर चिपका देखेगा तो वह भी उन्हें ही कॉपी करेगा। इसी तरह अगर बच्चा देखेगा कि उनके अभिभावक एक्टिव हैं, उन्हें वॉक पर ले जाते हैं, उनके साथ स्पोर्ट्स में भाग लेते हैं या पार्क जाते हैं तो बच्चा खुद ऐक्टिव रहेगा।

नेचर की केयर सिखाएं

एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रकृति के करीब रहने से बच्चों में शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक

और सामाजिक बर्ताव का ज्ञान पैदा होता है। चाइल्ड काउंसलर पद्मा कुमारी के मुताबिक बतौर अभिभावक हमें खुद से यह पूछना चाहिए कि क्या हम बच्चे को ऐसा माहौल दे पा रहे हैं जिससे कि बच्चे का पूरा विकास हो सके और साथ ही उसका मानसिक विकास भी हो।

बच्चों के दिमागी विकास के लिए आस पास के माहौल का बड़ा महत्व होता है तो अगर हम लगातार प्रकृति के साथ कुछ समय बिताते हैं तो इससे हमारे बच्चों को भी प्रेरणा मिलती है, साथ ही उनका विकास भी अच्छे से होता है।

दें खुद को एक्सप्लोर करने का मौका

काउंसलर पद्मा के मुताबिक हमेशा घर के अंदर रहने से बच्चों में फिजीकल समस्याएं होने लगती हैं। इसके अलावा घंटो ऑनलाइन गेम्स खेलने से उनमें हाइपरनेस आ जाती है और वे जल्दी-जल्दी बैचेन होने लगते हैं।

बच्चे न तो इस तनाव को हैंडल कर पाते हैं और न ही इस तनाव से बाहर निकलने का कोई सही रास्ता ढूंढ पाते हैं। लेकिन इस बात का भी ख्याल रखें कि आप बच्चे को आधुनिक जीवन शैली और संसाधनों से वंचित न कर दें।

आंखों में बढ़ता दबाव है ग्लॉकॉमा का कारण

हमारी आंखें नन्हीं गेंदों की तरह हैं, जिनमें सामने से प्रकाश प्रवेश करता है। यह प्रकाश आंखों के भीतर कई सतहों और द्रवों से गुजरता हुआ अंत में पीछे के एक परदे पर पड़ता है, जिसे रेटिना कहते हैं। रेटिना में तमाम विशिष्ट तंत्रिकाएं इस प्रकाश को जमा करती हैं और फिर पीछे एक बड़ी तंत्रिका (नर्व) का निर्माण होता है। इस बड़ी तंत्रिका को ऑप्टिक नर्व कहा जाता है। ग्लॉकॉमा में होने वाले अंधेपन के पीछे इसी ऑप्टिक नर्व पर पड़ने वाला दबाव जिम्मेदार है।

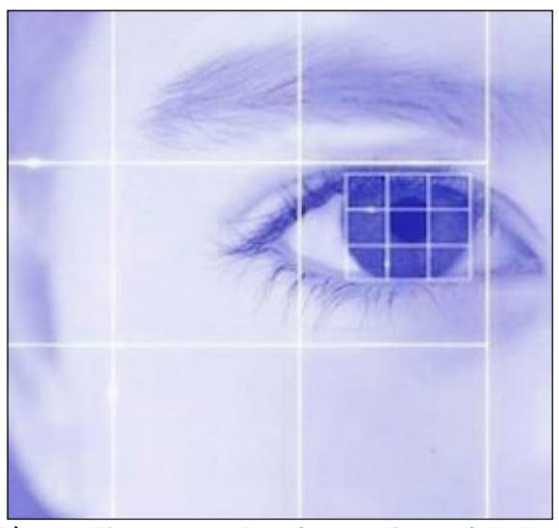

आंखों में दबाव बढ़ता है, वह पीछे की ओर जोर लगाता है और ऑप्टिक नर्व दब जाती है। इस तंत्रिका के दबने से रोगी की आंखें प्रकाश को समेट कर मस्तिष्क तक पहुंचा नहीं पातीं। नतीजन दिखाई देना कम होने लगता है और कई बार पूरी तरह से रोशनी चली जाती है।

हमारी आंखें दरअसल प्रकाश का रिले-सेंटर-भर हैं। वे प्रकाश पैदा नहीं करतीं। वे सूर्य-चंद्रमा-कृत्रिम रोशनी के स्रोतों से प्रकाश को लेकर उसे रेटिना की तंत्रिकाओं के माध्यम से मस्तिष्क तक पहुंचाती हैं। आंखों की बाहरी सतह जहां से प्रकाश भीतर दाखिल होता है, कॉर्निया कहलाती है। इस कॉर्निया से होते हुए प्रकाश एक तरल पदार्थ एक्वस ह्यूमर में प्रवेश करता है। एक्वस ह्यूमर की स्थिति दरअसल कॉर्निया और लेंस के बीच में होती है। जिस स्थान पर एक्वस ह्यूमर मौजूद होता है, उसे एंटीरियर चैम्बर का नाम दिया गया है। इस एंटीरियर चैम्बर में एक काले रंग का गोल परदा होता है, जिसे आइरिस का नाम दिया गया है। यह काला पर्दा आ रहे प्रकाश की मात्रा को नियंत्रित करता है।

ग्लॉकॉमा की सारी कहानी समझने के लिए एंटीरियर चैम्बर में मौजूद एक्वस ह्यूमर, उसको सोखने वाले कैनाल ऑफ श्लेम और एंटीरियर चैम्बर में मौजूद काले गोल पर्दे आइरिस को समझना है। ग्लॉकॉमा तभी पैदा होता है, जब इनमें से किसी हिस्से में कहीं कोई गड़बड़ी पैदा हो।

पूजा की इन 5 चीजों को कभी जमीन पर न रखें

ब्रह्मवैवर्त पुराण वेदमार्ग का दसवाँ पुराण है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओंका विस्तृत वर्णन, श्रीराधा की गोलोक-लीला तथा अवतार-लीलाका सुन्दर विवेचन किया गया है। इस पुराण में चार खण्ड हैं। ब्रह्म खण्ड, प्रकृति खण्ड, श्रीकृष्ण जन्म खण्ड और गणेश खण्ड। इसके पहले भाग में पूजा की कुछ जरूरी विधियां विस्तार से दी हुई हैं। इसे अपनाकर हम सुखी तथा समृद्धि के साथ जीवन जी सकते हैं। ब्रह्मवैवर्त के अनुसार पूजा करने की कुछ ऐसी वस्तुएं होती है जिन्हें सीधे जमीन पर नहीं रखना चाहिए।

दीपक

दीपक को सीधे भूमि पर नहीं रखना चाहिए। इसे सीधे भूमि पर रखने से घर में नकारात्मक शक्तिया बढ़ती हैं। दीपक को सीधे रखने के बजाय उसे चावल के ढेर पर रखना सही होता है।

सुपारी

सुपारी का भी पूजा में विशेष महत्व होता है। इसे पान के साथ भगवान क अर्पित किया जाता है। इसे भी सीधे भूमि पर रखने की मनाही है। पूजा के समय इसे नीचे रखने के लिए सिक्के का प्रयोग किया जा सकता है। अतः जब भी सुपारी को भूमि पर रखना हो तो उसे सिक्के पर ही रखें।

शालिग्राम

भगवान विष्णु के पूजा के लिए शालिग्राम के पत्थर रुपी आकृति को शालिग्राम के नाम से जाना जाता है। शालिग्राम का प्रयोग भगवान के प्रतिनिधि के रूप में उनका आह्वान करने के लिए किया जाता है। शालीग्राम की पूजा आमतौर पर शैव एवं वैष्णव दोनों प्रकार के भक्त करते हैं। इसे भी पूजा के समय भूमि पर रखनी चाहिए। इसे भूमि पर रखते समय सफेद रंग के रेशमी कपड़े के उपर रखना ठीक होता है।

मणि पत्थर

विभिन्न देवी देवताओं की पूजा में मणि पत्थर का प्रयोग किया जाता है। लेकिन भूमि पर सीधे न रखकर इसे किसी साफ व पवित्र कपड़े पर रखना सही होता है।

यज्ञोपवीत

भारतीय धर्म में व्यक्तिगत संस्कार के लिए उसके जीवन का विभाजन चार आश्रमों में किया गया था। जिसे ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ औ संन्यास आश्रम के नाम से जाना जाता है। जबकि जीवन के प्रथम आश्रम ब्रह्मचर्य में बालक का यज्ञोपवीत कर उसे शिक्षा प्राप्त करने के लिए गुरुकुल में भेजा जाता था। पुजा में भी इस यज्ञोपवीत (जनेउ) का प्रयोग किया जाता है।

साड़ी पहनने के इन तरीकों को आजमाइये

साड़ी भारतीय महिलाओं का सबसे पसंदीदा परिधान है जिसे वह पहनना पसंद करती हैं। इसे सभी प्रकार के उत्सवों में पहना जा सकता है, खासकर शादियों में। जिनकी नई-नई शादी हुई होती है, उनके लिए साड़ी पहनना और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन अगर आप एक ही स्टाइल की साड़ी पहन कर बोर हो गई हैं, तो अब समय आ गया है इसमें बदलाव करने का।

साड़ी पहनने का पारम्परिक तरीका हर प्रदेश में अलग अलग होता है। लहंगा, बटरफ्लाई तथा जलपरी की तरह का स्टाइल प्रचलित तरीकों में से हैं। नीचे ऐसे ही कुछ साड़ी पहनने के नये तरीके बताये गए हैं।

साड़ी पहनने का लहंगा स्टाइल

साड़ी को चुन्नटों की मदद से लहंगे की तरह पहना जाता है। इस स्टाइल के लिए

आमतौर पर उलटे पल्लू का प्रयोग किया जाता है। आजकल पहले से सिली हुई लहंगा साड़ी भी बाजार में उपलब्ध है। किसी भी खास उत्सव पर पहनने के लिए ये बिलकुल सही विकल्प है। साड़ी का यह डिजाइन एक आधुनिक स्टाइल है जो साड़ी और लहंगे के रूप में दो खूबसूरत भारतीय परिधानों का मिश्रण करती है।

निवी साड़ी

निवी स्टाइल ने आंध्र प्रदेश में जन्म लिया था और आज यह सारे भारत में प्रचलित तरीका है। निवी साड़ी पहनना काफी आसान है। इस तरिके का प्रयोग कर आप निवी स्टाइल की साड़ी आसानी से रोजाना के इस्तेमाल में या किसी उत्सव में भी पहन सकती हैं।

बटरफ्लाई साड़ी

बटरफ्लाई साड़ी पहनने का तरीका निवी स्टाइल के जैसा ही होता है, लेकिन इनमें सिर्फ पल्लू का अंतर होता है। इसमें पल्लू को काफी पतला कर दिया जाता है जिससे कि आपके शरीर का मध्य भाग दिखता रहे। इसे आदर्श रूप से भारी कलाकारी वाले स्टेटमेंट ब्लाउज के साथ पहना जाता है।

रेसिपी

टोर्टीला

सामग्री

1 कप मकई का आटा
1/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1/4 टी-स्पून अजवायन , ऐच्छिक
2 टी-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
1/4 टी-स्पून तेल , आटा गूंथने के लिए
मकई का आटा , बेलने के लिए

विधि

मकई का आटा, लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, 1 टी-स्पून तेल और नमक को एक बाउल में मिलाकर, गरम पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। 10 मिनट के लिए रख दें। बचे हुए 1 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर दुबारा गूंथ लें। 4 बराबर भाग में बांटकर प्रत्येक भाग को 2 प्लास्टिक शीट के बीच रखकर, 250मि.मी। (10) व्यास के गोल आकार में बेल लें। टोर्टीला को आसानी से बेलने के लिए थोड़ा सूखा आटा छिड़कें। एक तवा या कढ़ाई को उलटा रखकर गरम करें और गरम होने पर, हल्के हाथों से रोटी रखें, इस बात का ध्यान रखें कि किनारे मूड़ ना जाए ऊपरी परत पर छोटे दाग आने तक पका लें। रोटी को पलट कर और कुछ सेकेंड तक पका लें। बचे हुए आटे का प्रयोग कर 3 और रोटी बनाएं।

पनीर समोसा

सामग्री

8 समोसा पट्टियां , **भरावन मिश्रण के लिए**: 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/4 कप बहुत बारीक कटे प्याज, 1 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 कप बहुत बारीक कटी शिमला मिर्च, 1 1/2 टी-स्पून अमचूर पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 कप बहुत बारीक कटा पनीर, नमक , स्वाद अनुसार, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हरा धनिया, **परोसने के लिए**: पुदीना चटनी

विधि

भरावन मिश्रण के लिए: एक चौड़े पैन में तेल गरम कीजिए। जीरा डालिए। जब ज़ीरा चटकने लगे तो प्याज और अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भूनिए। शिमला मिर्च, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, पनीर, नमक तथा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाइए। मध्यम आंच पर और 2 मिनट भूनिए। पूरी तरह ठंडा कीजिए और मिश्रण को बराबर 8 भागो में बांटकर एक तरफ रख दीजिए।

कैसे आगे बढ़े: समोसा पट्टी को सूखी, साफ, समतल जगह पर रखिए। पट्टी के एक कोने पर 1 भाग भरावन मिश्रण रखिए और तीकोण के रूप में मोडिए। किनारों पर थोडा पानी लगाकर समोसे को बंद कर दीजिए। (नीचे दिए गए चित्रों की सहायता लीजिए)। शेष बची सामग्री और पट्टियों से यही प्रक्रिया दोहराते हुए बाकी 7 समोसे बनाइए। एक कड़ाही में तेल गरम कीजिए और थोड़ा-थोड़ा करके समोसों को चारों तरफ से भूरा होने तक तल लीजिए। तेल सोखनेवाले कागज पर निकालिए और पुदीना चटनी के साथ गरमा गरम परोसिए।

लड़कियों के लिए खास है ये हेयर एसेसरीज

एसेसरीज हमारी खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती हैं। यह हमें स्टाइलिश और दूसरे से अलग दिखाती है। एसेसरिज का प्रयोग करके हम अपने लूक को अच्छी फिनिशिंग देने की कोशिश करते हैं। लड़कियां अपने कपड़ों और बालों के साथ नए नए प्रयोग करना और उन्हें सजाना संवारना पसंद करती हैं, इसीलिए आज हम टीनएजर्स के बालों में इस्तेमाल करने वाली कुछ आकर्षक हेयर एसेसरीज के बारे में जानकारी लेकर आए हैं। यहां हम बालों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए ऐसी ही कुछ खास एसेसरीज और उनके कलेक्शन के बारे में बता रहे हैं जो टीनएज लड़कियों के लिए खास तौर पर बनाया गया है।

टियारा क्राउन

टियारा क्राउन खास तौर पर टीनएज लड़कियों के बीच बहुत लोकप्रिय हुये हैं। किसी खास मौकों पर लड़कियां इसे पहनना

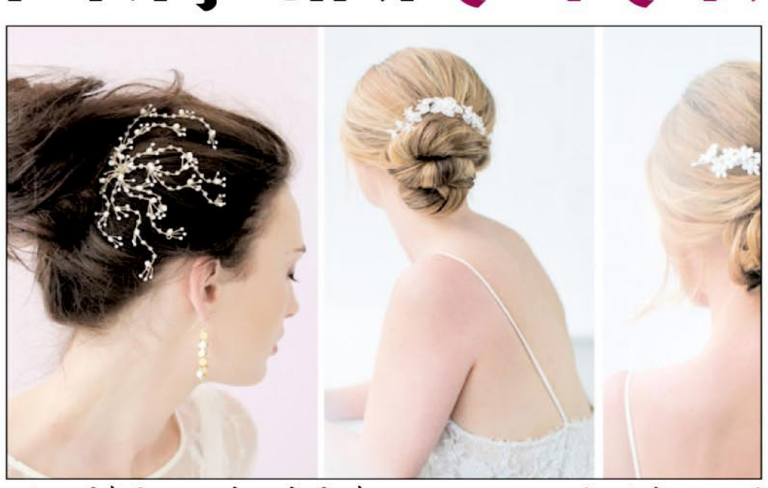

पसंद करती है। टियारा एक ऐसा एसेसरीज है जिसे पहन कर कोई टीनएज गर्ल अपने आप को बहुत स्पेशल महसूस कर सकती है। 70 के दशक में भी इस टियारा का इस्तेमाल किया जाता था। उस समय महिलाएं इसे लान्ग स्कर्ट या गाउन के साथ पहनना पसंद करती थीं। आजकल अच्छे कलर में टियारा का खूबसूरत कलेक्शन आनलाइन भी मौजूद है।

क्रीमी फ्लावर कोम्ब क्लिप

इस खूबसूरत कोम्ब को शानदार फूलों से बनाया जाता है। यह कंघी की तरह की एक हेयर क्लिप है, जिसे बेहद ही आसानी से पहना जा सकता है। यह आपके बालों को अच्छी तरह व्यवस्थित करके रखती है। इसे शादी, पार्टी जैसे खास मौकों पर पहना जा सकता है। भारतीय परिधानों के साथ भी यह काफी आकर्षक लगता है।

हेयर कोम्ब एसेसरीज

इस हेयर क्लिप को लगाकर आप एक ग्लैमरस लुक पा सकती हैं, यह चमकीला कोम्ब शानदार हेयर एसेसरीज में शुमार है, जिसे लगाकर आप बहुत खास लग सकती हैं। जब आप अपने बाल खुले रखती हैं तो यह आपके बालों को बेहतर ढंग से संभाले रखने के साथ उसे व्यवस्थित भी रखता है। शादी या किसी त्योहार पर इसे पहनना उपयुक्त होगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**